होली शुभकामनाएं
दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी ▸ प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी ▸ वर्ष : 26 ▸ अंक : 55 ▸ रायपुर, बुधवार, 04 मार्च 2026 ▸ पृष्ठ : 12 ▸ मूल्य ₹ 2.00
E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 98060 44444 RNI NO. CHH HIN/2001/05596

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

सूचना

समस्त पाठकों व विज्ञापनदाताओं को दैनिक अखबार प्रतिदिन राजधानी की ओर से होली पर्व की हार्दिक बधाईयां...
होली पर्व पर प्रतिदिन राजधानी कार्यालय में 4 एवं 5 मार्च 2026 को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 7 मार्च को प्रकाशित होगा।

संपादक

राज्यसभा चुनावः भाजपा ने नितिन नवीन समेत 9 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए

छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा और बिहार से नितीन नवीन जाएंगे राज्यसभा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को राज्यसभा के नौ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। इस सूची में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का भी नाम है। उन्हें बिहार से उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा ने एक विज्ञप्ति में कहा कि केंद्रीय चुनाव समिति ने विभिन्न प्रदेशों में होने वाले राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए निम्नलिखित नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है जिसमें बिहार से नितिन नवीन और शिवेश कुमार उम्मीदवार बनाए गए हैं। भाजपा ने असम से तेराश गोवाला और जोगेन मोहन को उम्मीदवार बनाया गया है। छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा, हरियाणा से संजय भाटिया, ओडिशा, से मनमोहन सामल और सुजीत कुमार को उम्मीदवार बनाया गया है। पश्चिम बंगाल से राहुल सिन्हा को उम्मीदवार बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि राज्यसभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया में सिर्फ एक दिन बाकी है। बिहार समेत 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर 16 मार्च को चुनाव होने हैं। इनमें महाराष्ट्र में सात, तमिलनाडु में छह, बिहार और पश्चिम बंगाल में पांच-पांच, ओडिशा में चार, असम में तीन, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में दो-दो तथा हिमाचल प्रदेश में एक सीट के लिए मतदान होगा।

बिहार की 5 सीटों के लिए अधिसूचना 26 फरवरी को जारी हुई थी। नामांकन की अंतिम तारीख 5 मार्च है। तीन एवं चार मार्च को होली की छुट्टी होने के कारण नामांकन के लिए सिर्फ 5 मार्च का दिन ही बाकी है। बिहार से जिन 5 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है, उनमें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर, प्रेमचंद्र गुप्ता, अमरेंद्र धारी सिंह और उपेंद्र कुशवाहा शामिल हैं।

लंबी चर्चा के बाद लक्ष्मी वर्मा के नाम पर लगी मुहर

भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ से महिला आयोग की सदस्य लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। मंथन के बाद 7 नामों के पैनल में से 3 नामों को अंतिम रूप दिया गया था। इनमें लक्ष्मी वर्मा, नारायण चंदेल और डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी का नाम शामिल था। पार्टी ने लक्ष्मी वर्मा को टिकट दिया है। शुरुआती पैनल में लक्ष्मी वर्मा, नारायण चंदेल, सरोज पांडेय, भूपेंद्र सवन्नी, किरण बघेल, डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी और निर्मल का नाम शामिल था। काफी देर तक चली विचार-विमर्श के बाद तीन नाम शॉर्टलिस्ट किए गए थे। उल्लेखनीय है कि लक्ष्मी वर्मा भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष का दायित्व निर्वहन कर चुकी है। रायपुर जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष रह चुकी है। साथ ही भारतीय जनता पार्टी की पूर्व प्रवक्ता के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। वे समय-समय पर पार्टी द्वारा दिए गए कार्यों का भी जिला, मंडल एवं बूथ स्तर में बतौर कार्यकर्ता अपनी सेवाएं देती रही। वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दे रही है।

देश में सबसे पहले महाकालेश्वर मंदिर में खेली गई होली

भस्म आरती में उड़ा हर्बल गुलाल

एजेंसी, उज्जैन

देशभर में सबसे पहले मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर में होली का पर्व पारंपरिक उल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। मंगलवार तड़के भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल को हर्बल गुलाल अर्पित कर होली पर्व की शुरुआत की गई।

दरअसल, देश में सभी त्यौहार सबसे पहले महाकालेश्वर मंदिर में मनाए जाते हैं। वर्षों से चली आ रही इसी परम्परा के तहत आज तड़के 4 बजे भस्म आरती के दौरान ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल के साथ पुजारी-पुरोहितों ने हर्बल गुलाल से होली खेली। भगवान शिव के परिवार माता पार्वती, भगवान गणेश और कार्तिकेय को भी गुलाल अर्पित किया गया।

शासकीय पुजारी पंडित घनश्याम शर्मा ने बताया कि भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल का हरि ओम जल से अभिषेक करने के बाद दूध, दही, घी, शकर, शहद और फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया। नंदी जी का स्नान, ध्यान और पूजन हुआ। भगवान महाकाल ने शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुंडमाला, रुद्राक्ष की माला व सुगंधित पुष्पों से बनी माला धारण की। भांग, फल और मिठाई का भोग लगाया गया।

हालांकि, सुरक्षा कारणों से मंदिर समिति ने इस बार श्रद्धालुओं को गुलाल ले जाने की अनुमति नहीं दी, जिसके चलते इस बार पिछले साल जैसी रंगत देखने को नहीं मिली, लेकिन भक्तों की आस्था में कोई कमी नहीं रही। भक्तों ने प्रहलाद की भक्ति और होलिका के अंत की कथा को याद करते हुए सत्य की विजय का संदेश लिया।

संक्षिप्त समाचार

सोनिया गांधी ने ईरान संकट पर सरकार की चुप्पी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हवाई हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह चुप्पी तटस्थता नहीं बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है।

सोनिया गांधी ने एक अंग्रेजी अखबार में लिखा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के नेता की हत्या अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता पर सीधा हमला है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) में किसी भी देश की राजनीतिक स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ बल प्रयोग पर रोक है। ऐसे में भारत जैसे लोकतांत्रिक देश की ओर से स्पष्ट प्रतिक्रिया न आना चिंताजनक है। कांग्रेस ने ईरान में हुई बमबारी और लक्षित हत्याओं की निंदा की है और इसे खतरनाक बताया है। पार्टी ने ईरानी जनता और शिया समुदायों के प्रति संवेदना जताई है और कहा है कि भारत की विदेश नीति शांति और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर आधारित है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरा

नैनीताल। भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद बुधवार 5 फरवरी से उत्तराखंड के जनपद नैनीताल व आसपास के क्षेत्रों के दौरे पर रहेंगे।

प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार वे 5 मार्च को प्रातः 11 बजे 12 जनपथ, नई दिल्ली से प्रस्थान कर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचेंगे और वहां से विमान द्वारा पंतनगर आएंगे। दोपहर में गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पहुंचकर भोजन के उपरांत वहां से कार से काठगोदाम सर्किट हाउस पहुचेंगे, और वहां संक्षिप्त विश्राम के उपरांत अपराह्न तीन बजे भीमताल के लिए प्रस्थान करेंगे।

ईरान-इजरायल हमले के बीच भारत ने किया अपनी हवाई क्षमता बढ़ाने का ऐलान

एजेंसी, नई दिल्ली

ईरान पर अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले के बीच भारत ने अपनी हवाई क्षमता बढ़ाने का ऐलान किया है। सरकार ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए छह एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर और नौसेना के लिए जमीन से हवा में वर्टिकल लॉन्च शिटल मिसाइलें खरीदने के लिए कुल 5,083 करोड़ रुपये के करार किए। इस खरीद का मकसद अलग-अलग तरह के हवाई खतरों के खिलाफ अग्रिम युद्धपोतों की वायु रक्षा क्षमता को काफी बढ़ाना है।

भारतीय तटरक्षक बल के लिए समुद्री क्षमता वाले छह एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर मार्क-2 (एएलएच) और नौसेना के लिए जमीन से हवा में मार करने वाली वर्टिकल लॉन्च शिटल मिसाइलें खरीदी जानी हैं। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को दोनों हथियारों की खरीद के लिए कुल 5,083 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट साइन किए। यह दोनों करार रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में साउथ ब्लॉक में किए गए। एएलएच मार्क-2 के साथ परिचालन भूमिका उपकरण, एक इंजीनियरिंग सहायता पैकेज और प्रदर्शन आधारित रसद समर्थन का 2,901 करोड़ रुपये का करार हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ किया गया है।

अमेरिका-इजराइल हमले में खामेनेई की मौत के विरोध में कश्मीर में प्रदर्शनों पर लागू रोक जारी

एजेंसी, श्रीनगर

अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के विरोध में कश्मीर घाटी में हुए व्यापक प्रदर्शनों के चलते मंगलवार को लगातार दूसरे दिन सख्त प्रतिबंध लागू है।

एक दिन पहले सोमवार को एहतियाती उपायों के तौर पर शिक्षण संस्थान दो दिनों के लिए बंद कर दिया गया और मोबाइल इंटरनेट की गति धीमी कर दी गई। मंगलवार को कुछ स्थानों पर प्रदर्शनों के हिंसक होने के बाद अधिकारियों ने घाटी में सुरक्षा बलों के सभी काफिलों की आवाजाही रद्द कर दी। तनाव से बचने के लिए उन्होंने मंगलवार को सुरक्षा बलों की कोई भी सड़क खोलने वाली टुकड़ी तैनात न करने का भी निर्णय लिया है।

खामेनेई की मौत के बाद सोमवार को जम्मू-कश्मीर में हुए प्रदर्शनों के दौरान छह सुरक्षाकर्मियों सहित कम से कम 14 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर घाटी के विभिन्न स्थानों पर 75 रैलियां आयोजित की गईं जबकि सोमवार को जम्मू क्षेत्र में भी कुछ प्रदर्शन हुए।

अगस्त 2019 के बाद कश्मीर में इतने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन पहली बार हुए हैं। कश्मीर संभागीय प्रशासन ने लोगों से संयम बरतने और अधिकारियों द्वारा जारी सलाह का पालन करने की अपील की।

एक प्रवक्ता ने कहा, कश्मीर संभागीय प्रशासन घाटी में शांति बनाए रखने और कानून व्यवस्था कायम रखने में सभी समुदायों की भूमिका को स्वीकार करता है।

विश्व वन्यजीव दिवस पर प्रधानमंत्री ने वन्यजीव संरक्षण को लेकर प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विश्व वन्यजीव दिवस हमारे ग्रह को समृद्ध बनाने वाली और हमारे पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखने वाली अद्भुत जीव विविधता का जश्न मनाने का दिन है। उन्होंने कहा कि यह वन्यजीव संरक्षण की दिशा में काम करने वाले सभी लोगों को सम्मानित करने और संरक्षण, टिकाऊ प्रथाओं और आवासों की रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है ताकि वन्यजीव फलते-फूलते रहें।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर कई पोस्टों के माध्यम से कहा कि हमारे शास्त्र सभी जीवित प्राणियों के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं और वन्यजीव संरक्षण के साथ-साथ उनके प्रति संवेदनशीलता को प्रेरित करते हैं। उन्होंने इस अवसर पर एक संस्कृत सुभाषितम साझा किया, जिसमें कहा कि

निर्वाणो वध्यते व्याघ्रो निर्व्याघ्रं छिद्यते वनम्।
तस्माद् व्याघ्रो वनं रक्षेद् वनं व्याघ्रं च पलयेत॥

इस सुभाषित का अर्थ है कि जंगलों के बिना बाघ विलुप्त हो जाते हैं और बाघों के बिना जंगल नष्ट हो जाते हैं। इसलिए, बाघ जंगल की रक्षा करता है और जंगल बाघ की रक्षा करता है, जो प्रकृति की गहरी परस्पर निर्भरता को रेखांकित करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को दुनिया के कुछ सबसे असाधारण वन्यजीवों का घर होने पर गर्व है। उन्होंने बताया कि भारत में विश्व की 70 प्रतिशत से अधिक बाघ आबादी पाई जाती है, साथ ही एक सींग वाले गैंडों की सबसे बड़ी आबादी और एशियाई हाथियों की अधिकतम संख्या भी यहीं है। उन्होंने आगे कहा कि भारत विश्व का एकमात्र ऐसा स्थान है जहां राजसी एशियाई शेर फलते-फूलते हैं।

आईआईटी खड़गपुर ने किया ज्योति चटर्जी स्कूल ऑफ डिजिटल इंजीनियरिंग और एआई का शुभारंभ

एजेंसी, खड़गपुर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर ने मंगलवार ज्योति चटर्जी स्कूल ऑफ डिजिटल इंजीनियरिंग, अनुप्रयुक्त आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का शुभारंभ किया। यह देश का पहला ऐसा क्षैतिज, शोध-आधारित अनुप्रयुक्त एआई केंद्र है, जिसका उद्देश्य एआई नवाचार को केवल शोध तक सीमित न रखकर उसे व्यावहारिक उपयोग और उद्योग के साथ जोड़ना है।

स्कूल को पूर्णतः क्षैतिज संरचना में बनाया गया है, जो सभी शैक्षणिक और औद्योगिक क्षेत्रों में काम करेगा। यह डीन (अनुसंधान एवं विकास) कार्यालय के अधीन संचालित होगा और इसका फोकस उच्च प्रभाव वाले अनुवादात्मक तकनीकी मॉडल पर होगा।

बेंगलुरु में 8,335 एलएसडी स्ट्रिप्स समेत 10 करोड़ की ड्रग्स जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, बेंगलुरु

शहर में बढ़ती ड्रग्स तस्करी पर शिकंजा कसते हुए बेंगलुरु सिटी पुलिस और सीसीबी नारकोटिक्स विंग ने मंगलवार को संयुक्त कार्रवाई में करीब 10 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। इस मामले में केरल मूल के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने पत्रकारों को बताया कि बागलूर रोड स्थित प्रेस्टीज फिन्सबरी पार्क अपार्टमेंट के एक फ्लैट पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान एलएसडी, हाइड्रो गांजा और चरस बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अश्विन (27) और मोबिना (25) के रूप में हुई है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि दोनों आरोपित थाईलैंड निवासी विन्सेंट नामक व्यक्ति से हवाई मार्ग के जरिए ड्रग्स मंगवाते थे। इसके बाद वे शहर के विभिन्न इलाकों में इन मादक पदार्थों की सप्लाई करते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपितों ने ड्रग्स तस्करी को ही अपना मुख्य व्यवसाय बना लिया था।

पुलिस की इस कार्रवाई में पहली बार राज्य में 8,335 एलएसडी स्ट्रिप्स बरामद की गई हैं। प्रत्येक स्ट्रिप की कीमत लगभग 6,000 रुपये आंकी गई है। एलएसडी स्ट्रिप्स पर देवी-देवताओं की तस्वीरों सहित विभिन्न कलात्मक डिजाइनों की छपाई की गई थी, जिससे उन्हें आकर्षक बनाया गया था। इसके अलावा 534 ग्राम चरस और 5 किलोग्राम हाइड्रो गांजा भी जब्त किया गया है।

पुलिस फ्लैट मालिक की भूमिका की भी जांच कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। दोनों आरोपितों को अदालत के आदेश पर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

दुबई से एयर इंडिया की पहली फ्लाइट पहुंची दिल्ली

149 फंसे हुए यात्री घर लौटे

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में फंसे भारतीयों की मदद के लिए अपनी उड़ानें आंशिक रूप से शुरू कीं है। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया से मंगलवार को स्पेशल ऑपरेशन के तहत दुबई में फंसे 149 यात्रियों को वापस लाया गया है।

एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई 916डी) आज सुबह 10:58 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर पहुंची। पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट के दौरान पैसेंजर को वापस लाने के लिए किसी इंडियन एयरलाइन की यह पहली फ्लाइट है, जिसमें 149 यात्री और 8 ऑपरेटिंग क्रू मेंबर सवार हैं। एयरलाइन के मुताबिक वीटी-ईडीसी रजिस्ट्रेशन वाले यह यात्री इलाके के मौजूदा हालात की वजह से दुबई में फंसे हुए थे।

दिल्ली एयरपोर्ट पर आई एयर इंडिया की इस उड़ान में सवार एक यात्री ने बताया कि वहां हालात काफी सामान्य हैं, बहुत अधिक तनाव की स्थिति नहीं है, लेकिन फ्लाइट रद्द होने और बाकी सब चीजों की वजह से लोगों पर आर्थिक असर पड़ रहा है। वहां रहना बहुत महंगा है। उन्होंने दुबई की सरकार से वहां टूरिस्ट को रुकने की जगह देने का आग्रह किया। इस यात्री ने कहा कि एयर इंडिया ने हमें पूरा गाइड किया। वहां की सरकार हर संभव मदद कर रही है।

नेटवर्क विहीन क्षेत्रों के लिए आवेदन एक सप्ताह के भीतर भेजें : कलेक्टर लंगेह

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज सुबह 10:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय–सीमा की बैठक आयोजित कर जिले में संचालित शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सचिन भूतड़ा, श्री रवि कुमार साहू, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), विभागीय जिलाधिकारी, जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ तथा वीसी के माध्यम से ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री लंगेह ने आम नागरिकों से होली पर्व को सौहार्द्रपूर्ण एवं शांतिमय तरीके से मनाने की अपील की है। कलेक्टर ने पुलिस विभाग को होली पर्व पर सुरक्षा की दृष्टि से चौक चौराहों में पुलिसकर्मियों को तैनात रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विकासखण्डों में शांति समिति की बैठक आयोजित कर नागरिकों से शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली पर्व मनाने की अपील करें। साथ ही कहा कि उपद्रवी तत्वों पर नजर रखते हुए कार्रवाई करें। कलेक्टर ने खाद्य सुरक्षा विभाग को त्यौहार के मद्देनजर मिठाई दुकानों, होटलों में खाद्य पदार्थों की नियमित गुणवत्ता जांच के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री लंगेह ने निर्देश दिए है कि सभी अधिकारी–कर्मचारी मंगलवार और बुधवार को अनिवार्य रूप से प्रातः 10 बजे समय पर कार्यालय पहुंचे तथा आधार बेस्ड उपस्थिति प्रणाली को अनिवार्य रूप से पालन करें। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय पर उपस्थिति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ई–ऑफिस प्रणाली में नियमित पत्राचार करते हुए इसे व्यवहार में प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिन क्षेत्र में मोबाईल नेटवर्क की समस्या है, वहां मोबाईल टावर स्थापित करने के लिए सभी जनपद सीईओ एक सप्ताह के भीतर आवेदन दें। कलेक्टर ने श्रम विभाग को मजदूरों के पलायन पर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी मजदूरों का पंजीयन किया जाए और ठेकेदार नियमों व सुविधाओं का पालन सुनिश्चित करें। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मजदूरों पर किसी भी तरह की प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने धान उठाव की समीक्षा करते हुए प्रतिदिन लगभग 20 हजार क्विंटल धान उठाव के निर्देश दिए। वर्तमान में 16 क्विंटल धान का उठाव हो रहा है। अभी तक 7.30 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव किया गया है।

कलेक्टर ने पीएम श्री स्कूलों का 21 बिंदुओं के आधार पर निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। उन्होंने इन विद्यालयों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने, वोकेशनल ट्रेनिंग प्रारंभ करने, लैब एवं लाइब्रेरी को सुव्यवस्थित करने तथा शिक्षकों को नियमित प्रशिक्षण सुनिश्चित करने एवं बाला कॉन्सेप्ट पर कार्य करने के निर्देश दिए गए। आगामी 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के आयोजन के लिए विशेष निर्देश दिए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि इस वर्ष अन्य विभागों के समन्वय से योजनाओं के प्रचार–प्रसार के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे तथा महिला मड़ई का आयोजन किया जाएगा।

कलेक्टर ने सभी जनपद सीईओ को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण की शुरुआत करें तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए। इस वर्ष जल संचयन भागीदारी 2.0 प्रारम्भ हो गया है। योजनांतर्गत शासकीय कार्यालयों, स्कूलों, आंगनवाड़ी केन्द्रों में सोख्ता गड्ढा सहित जल संचयन के लिए विशेष पहल करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मनरेगा अंतर्गत जल संचयन के कार्य को प्राथमिकता दी जाए। कलेक्टर ने खनिज एवं रेत के अवैध परिवहन एवं भंडारण पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अंतर्गत ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

गरियाबंद, प्रतिदिन राजधानी

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के अन्तर्गत जिले में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना एवं विस्तार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उद्यमियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र विभाग के महाप्रबंधक श्री दिनबंधु धुव ने बताया कि आवेदन के लिए आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक तथा न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। साथ ही आवेदक का आधार कार्ड, पेन कार्ड, जाति–निवास प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, मशीनरी का कोटेशन एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट अनिवार्य है। योजना में कुल परियोजना लागत का 35 प्रतिशत अनुदान स्वीकृत किया जाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये प्रति उद्यमी निर्धारित है। लाभार्थी द्वारा 10 प्रतिशत अंशदान अनिवार्य रूप से वहन किया जाएगा तथा शेष राशि बैंक ऋण के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी।

इस योजना के अन्तर्गत खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योगों को लाभ मिलेगा जिसमें पोहा उद्योग, आचार एवं मसाला निर्माण, बेकरी उत्पाद, सेवईयां निर्माण, नमकीन निर्माण, पशु आहार उत्पादन, टमाटर सॉस निर्माण, मक्का प्रोसेसिंग, बाजरा, कोदो, कुटकी, रागी आधारित उत्पाद, फल, फूल, सब्जी प्रसंस्करण उद्योग, हर्बल उत्पाद तथा लघु वनोपज आधारित इकाइयाँ सम्मिलित हैं। योजनान्तर्गत इच्छुक आवेदक योजना की अधिकृत पोर्टल एचटीटीपीएस पीएमएफएमई डॉट एमओएफपीआई डॉट गवर्नमेंट डॉट इन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इस संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु इच्छुक आवेदक जिले के व्यापार एवं उद्योग केंद्र, गरियाबंद, संयुक्त जिला कार्यालय, कक्ष क्रमांक 92 में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं इसके अतिरिक्त दूरभाष क्रमांक 07706–241268 में भी संपर्क कर सकते है।

कलेक्टर परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

महासमुंद। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज कलेक्ट्रेट परिसर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह सहित जिला अधिकारियों ने अपना स्वास्थ्य जांच कराया। कलेक्टर ने बीपी एवं शुगर का चेक कराया। इसके अलावा जिला अधिकारियों में कृषि उप संचालक श्री एफ.आर. कश्यप, पीडब्ल्यूडी के श्री सी.एस. चंद्राकर एवं अन्य अधिकारियों ने भी जांच कराया। कलेक्टर ने कहा कि कलेक्टर परिसर में हर सप्ताह निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। जिसमें आम नागरिकों सहित जनदर्शन में आने वाले नागरिकों और कलेक्टर कार्यालय में कार्यरत अधिकारी–कर्मचारियों का स्वास्थ्य जांच किया जाएगा।

जिले के उपजेल में स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देष पर क्षय उन्मूलन शिविर का आयोजन

गरियाबंद। जिले में क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत उप जेल गरियाबंद में शनिवार, 28 फरवरी को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री यू. एस. नवरत्न के निर्देशानुसार एवं क्षय उन्मूलन अधिकारी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा टीबी खोज शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हैंडहेल्ड एक्स–रे के माध्यम से 24 कैदियों की संभावित टीबी स्क्रीनिंग की गई। साथ ही सभी कैदियों की शुगर, हीमोग्लोबिन एवं एचआईवी की जांच भी की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम में डॉ. मनमोहन सिंह ठाकुर, अमृत राव भोसले, धीरज शर्मा, गुलशन साहू, हेमंत साहू, सतरूपा चंद्राकर एवं कविता जगत शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान जेल प्रशासन से जेल अधीक्षक श्री रवि भुआर्य, जेल मास्टर श्री कुंज लाल सिन्हा, श्री भारत दीवान, श्री सुरेंद्र पटेल, श्री प्रमोद राव, श्री कमल नारायण, श्री अनुप टोपो, श्री विरेंद्र, श्री अर्जुन भारती साहू एवं हेमलाल यादव सहित अन्य अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे।

मां अंगारमोती में मनाई गई अनूठी पारंपरिक देव होली

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

गंगरेल स्थित मां अंगारमोती पेनठाना में इस वर्ष पारंपरिक और अनूठे स्वरूप में देव होली का आयोजन हुआ। आदिवासी आस्था और लोकसंस्कृति की सजीव छटा के बीच माता और देव स्वरूपों ने रंगों का उत्सव मनाया। होली उत्सव की शुरुआत दोपहर लगभग 2 बजे विधिवत पारंपरिक पूजा–अर्चना से हुई। प्रकृति, अन्न और पूर्वजों के प्रति आस्था रखते हुए पेन पुरखा को फागुन जोहार अर्पित किया गया। पूजा उपरांत माता को गेहूँ की बाली चढ़ाई गई तथा श्रद्धापूर्वक हरवा माला भी अर्पित की गई।

इस अवसर पर माता पुजारी ईश्वर नेताम सिर समाहित होकर भक्ति भाव में लीन दिखाई दिए और देव स्वरूपों के साथ रंग–गुलाल की होली खेली। मान्यता अनुसार मतवार डोकरा, लिंगो पेन और डांग देव भी होली उत्सव में सहभागी बने। पारंपरिक बाजा–गाजा की गूंज से पूरा परिसर रंगों और उल्लास से सराबोर हो उठा। उत्सव के दौरान युवाओं ने पारंपरिक रेला–पाटा की धुन पर नृत्य किया। साथ ही डीजे की ताल पर भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए एक–दूसरे को गुलाल लगाकर फागुन की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में मां अंगारमोती ट्रस्ट के अध्यक्ष जीवराखन मरई विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही तुकाराम मरकाम, मानसिंह मरकाम, खिलेश कुंजाम, रामेश्वर मरकाम, बंटी मरकाम, युवराज मरकाम, दिग्विजय ध्रुव, हरि नेताम, नरेंद्र नेताम, सोहन ध्रुव, रोशन मरकाम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर उइके ने होली त्यौहार के मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाए रखने जारी किए जरूरी आदेश

गरियाबंद, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर बीएस उइके ने होली त्यौहार के दौरान 02 मार्च को होलिका दहन एवं 04 मार्च को होली का त्यौहार के दौरान जिले में कानून–व्यवस्था बनाये रखने के संबंध में जरूरी निर्देश जारी किये हैं। इस संबंध में तहसील गरियाबंद में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी चितेश कुमार देवांगन, नायब तहसीलदार सुश्री अवंतिका गुप्ता एवं योगेन्द्र कुमार देवांगन का ड्यूटी लगाया गया है। इसी प्रकार तहसील छुरा के लिए तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गैंदलाल साहू, नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी श्री डोनेश्वर साहू, तहसील राजिम के लिए तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी श्री मयंक अग्रवाल एवं नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी श्री तारेन्द्र कुमार ठाकुर, तहसील फिंगेश्वर के लिए तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी श्रीमती डिंपल ध्रुव।

शासकीय पॉलिटेक्निक में पूल कैंपस प्लेसमेंट कैंप में ए.पी.एल. अपोलो जैसे नामी कंपनी में 11 छात्रों का चयन

गरियाबंद, प्रतिदिन राजधानी

जिले के शासकीय पॉलिटेक्निक में 02 मार्च को संस्था परिसर में पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का सफल आयोजन किया गया। यह प्लेसमेंट ड्राइव प्रतिष्ठित कंपनी एपीएल अपोलो बिल्डिंग प्रोडक्ट लिमिटेड द्वारा संचालित किया गया। इस आयोजन में गरियाबंद, महासमुंद तथा धमतरी जिलों के विभिन्न पॉलिटेक्निक एवं आईटीआई संस्थानों से कुल 48 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 11 विद्यार्थियों का चयन कंपनी द्वारा किया गया। चयनित विद्यार्थियों में 6 डिप्लोमा तथा 5 आईटीआई के विद्यार्थी शामिल हैं।

संस्थान के प्राचार्य श्री काजल रॉय ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के रोजगारपरक आयोजन संस्थान में आगे भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संस्था का प्रयास है कि जिले के अधिक से अधिक विद्यार्थी इन अवसरों का लाभ उठाएँ, अधिक संख्या में सहभागिता करें और तकनीकी शिक्षा के माध्यम से उपलब्ध हो रही सुविधाओं एवं अवसरों का अधिकतम उपयोग करें। उन्होंने आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी अधिकारियों, स्टाफ और सहभागी संस्थानों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी श्री शैलेंद्र खरे ने अपने संदेश में कहा कि प्लेसमेंट केवल नौकरी प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि उज्जवल भविष्य की ओर आगे बढ़ने का एक सशक्त अवसर है। प्लेसमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के द्वार खुलते हैं, उन्हें पेशेवर वातावरण से सीधे जुड़ने का अनुभव प्राप्त होता है, जिससे उनके कौशल में निखार आता है और आत्मविश्वास मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि यह अनुभव विद्यार्थियों को समाज एवं अपने समकक्ष साथियों के बीच एक विशिष्ट और प्रभावशाली पहचान स्थापित करने में सहायक होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में प्लेसमेंट गतिविधियों में भाग लें और उपलब्ध अवसरों का पूर्ण लाभ उठाएँ। संस्था परिवार की ओर से सभी चयनित विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी गई तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

कलेक्टर ने एनएच–06 से बेलटुकरी मार्ग एवं महासमुंद–तुमगांव रोड का किया निरीक्षण

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने सोमवार को एनएच–06 से बेलटुकरी तक जाने वाले मार्ग एवं महासमुंद–तुमगांव रोड का निरीक्षण किया तथा संबंधित निर्माण एजेंसी को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर लंगेह ने एनएच–06 से बेलटुकरी मार्ग के निरीक्षण के दौरान सड़क की स्थिति, और भारी वाहनों के कारण हो रही क्षति का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर श्री लंगेह ने जिला खनिज अधिकारी श्री फागुलाल नागेश एवं पीएमजेएसवाई के कार्यपालन अभियंता श्री आशीष कुलदीप एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में संचालित फर्सी पत्थर एवं अन्य खनन उद्योगों की सहायता से सड़क मरम्मत का कार्य शीघ्र कराया जाए। उन्होंने कहा कि खनिज परिवहन में लगे भारी वाहनों के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं, जिससे आम नागरिकों को

आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि खनन कंपनियां अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सड़क की मरम्मत, गड्ढों की भराई तथा आवश्यक सुधार कार्य जल्द पूरा करें। साथ ही, निर्धारित मानकों के अनुसार सड़क को सुरक्षित और सुगम बनाया जाए, ताकि ग्रामीणों, स्कूली बच्चों एवं राहगीरों को सुविधा मिल सके। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को समय–सीमा तय कर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए।

तत्पश्चात कलेक्टर श्री लंगेह ने महासमुंद–तुमगांव निर्माणाधीन सड़क के डामरीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 9.65 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और इसे जून 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश संबंधित विभाग एवं ठेकेदार एजेंसी को दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सड़क की गुणवत्ता, बेस लेयर, डामरीकरण की मोटाई, जल निकासी व्यवस्था एवं सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण में उपयोग हो रही सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और मानकों के अनुरूप कार्य करने पर जोर दिया। कलेक्टर ने कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्माण एजेंसी को समय–सीमा का सख्ती से पालन करने तथा कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने, प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा जनता की शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री सी.एस. चंद्राकर एवं अनुविभागीय अधिकारी मौजूद थे।

डॉ. एकता लंगेह ने मरीजों के दीर्घायु और बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते हुए स्वास्थ्य का ध्यान रखने की अपील

महासमुंद। सोमवार को डॉ. एकता लंगेह ने सोहम हॉस्पिटल लभराखुर्द में उपचार करा रहे मरीजों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान उन्होंने मरीजों को फल, जूस और बिस्किट का वितरण किया। डॉ. लंगेह ने मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि जीवन अनमोल है और स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मरीजों को समय पर उपचार कराने और डॉक्टरों की सलाह का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी मरीजों के दीर्घायु और बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते हुए आगे भी अपना ध्यान रखने की अपील की।

इस दौरान डॉ. लंगेह के साथ डा. युगल और डा. सोमी चंद्राकर ने अस्पताल का अवलोकन करते हुए हॉस्पिटल प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हास्पिटल में महिलाएं, बच्चों व सभी वर्गों के स्वास्थ्य से सम्बधित सभी मरीजों को उनकी सुविधा के मुताबिक दवाईयों की पर्ची बनाकर उपचार किया जाता है। इस दौरान तारिणी चंद्राकर, मधु तिवारी, अर्चना शर्मा, भावना गांधी, तुषार चंद्राकर सहित सोहम हास्पिटल के समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी की अध्यक्षता में दिशा की बैठक आयोजित

गरियाबंद, प्रतिदिन राजधानी

केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जिले में क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई। सांसद श्रीमती चौधरी ने केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं का क्रियान्वयन समय–सीमा और लक्ष्य एवं लोकहित के अनुरूप के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिये। बैठक में राजिम विधायक श्री रोहित साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गौरीशंकर कश्यप, नगर पालिका परिषद गरियाबंद के अध्यक्ष श्री रिखीराम यादव, कलेक्टर श्री बी.एस. उइके, पुलिस अधीक्षक श्री वेदव्रत सिरमौर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रखर चन्द्राकर सहित जिले के समस्त शीर्षाधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। कलेक्टर श्री बीएस उइके ने कहा कि क्षेत्र में विकास की योजनाओं का पूरी गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और केन्द्र सरकार दोनों ही मिलकर जिले के दूरस्थ अंचलों के प्रत्येक व्यक्ति तक के विकास की मंशा रखती है और इसके लिए केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा कई योजनाएं और कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। श्रीमती चौधरी ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हम सभी जनप्रतिनिधियों को भी इन सभी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में भागीदार होना होगा। योजनाओं की अधिक से अधिक जानकारी लोगों तक पहुंचानी होगी और सभी पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास करना होगा।

समीक्षा के दौरान सांसद श्रीमती चौधरी ने विभागीय अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की एवं विभागों को पूर्ण जवाबदेही, समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ कार्य निष्पादन करने कहा। उन्होंने कुछ सड़क निर्माण कार्य पूर्ण नहीं होने पर संबंधित विभाग के अधिकारी को शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। विभिन्न योजनाओं के तहत जिले में चल रहे विभागीय योजनाओं व गतिविधियों और प्रगति के संबंध में विभागीय अधिकारियों ने लोकसभा सांसद श्रीमती चौधरी को अवगत कराया। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, वीबीजी–राम–जी, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रमीण, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, खनिज, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम कार्यक्रम, पशुपालन, समेकित बाल विकास योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, राष्ट्रीय भू–रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम विकास योजना, एकीकृत विद्युत विकास, डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, खेल, मत्स्य, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं खाद्य सुरक्षा क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने अपने–अपने विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं लाभान्वित स्थिति के बारे में जानकारी दी।

बैठक में मौजूद राजिम विधायक श्री रोहित साहू ने कहा कि हम सभी का मुख्य उद्देश्य यह होना चाहिए कि अधिक से अधिक नागरिकों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को पहुंचाए ताकि अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति को अधिकतम लाभ प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित न रहें, बल्कि दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों तक भी इसकी पहुंच सुनिश्चित होनी चाहिए। शासन के योजनाओं को हम सबको मिलकर धरातल पर समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत होना चाहिए, जिससे कि योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को मिले। विधायक श्री साहू ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि जिले के समस्त स्वीकृत–निर्माणाधीन सड़कों का नियमित अवलोकन कर गुणवत्ता जांच करे। साथ ही वीबीजी–राम–जी के तहत चल रहे ग्रामीण अंचलों के कार्यों का निरीक्षण कर, श्रमिकों को योजनाओं से लाभान्वित करें।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 4 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

नगर निगम आयुक्त ने जोन आयुक्तों का नवीन पदस्थापना आदेश जारी किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप ने नगर निगम रायपुर की प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक नगर निगम जोन 9 प्रभारी जोन आयुक्त अंशुल शर्मा को जोन 1 प्रभारी जोन आयुक्त, जोन 4 जोन आयुक्त अरूण ध्रुव को जोन 2 जोन आयुक्त, जोन 1 प्रभारी जोन आयुक्त श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी को जोन 4 प्रभारी जोन आयुक्त, जोन 2 प्रभारी जोन आयुक्त संतोष पाण्डेय को जोन 7 प्रभारी जोन आयुक्त, जोन 7 जोन आयुक्त राकेश शर्मा को जोन 9 जोन आयुक्त, प्रभारी उपायुक्त मुख्यालय मोनेश्वर शर्मा को जोन आयुक्त जोन 10 एवं प्रभारी जोन आयुक्त जोन 10 विवेकानंद दुबे को नगर निगम मुख्यालय में नगर निगम सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से आदेश जारी कर पदस्थ कर दिया है। आयुक्त ने उक्ताशय का प्रशासनिक आदेश तत्काल प्रभावशील कर दिया है।

बस्तर की खुशबू और हर्बल रंगों से महकेगी होली

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रंगों के महापर्व होली की आहट के साथ ही बस्तर में उत्सव का माहौल बनने लगा है। इस वर्ष होली को सुरक्षित और स्थानीय हुनर के साथ समूहों द्वारा तैयार किए गए हर्बल गुलाल और फैंसी सामग्री के विक्रय हेतु विशेष स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉल्स की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ उपलब्ध गुलाल तरह प्राकृतिक तत्वों से निर्मित है।

ग्राम कनबेरी में श्री अग्रसेन गौसेवा समिति के पास आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने की

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

अंचलों में विकास और समृद्धि की नई दिशा: लखनलाल देवांगन

वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने आज कोरबा जिले के विकास को नई गति देने के उद्देश्य से 21 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। ग्राम कनबेरी में अग्रसेन गौसेवा समिति के पास आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने की। मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना से न केवल सड़क कनेक्टिविटी बढ़ी है, बल्कि दूरस्थ जनजातीय समुदायों के सामाजिक विकास, आर्थिक भागीदारी और जीवन स्तर में भी

उल्लेखनीय सुधार दर्ज हुआ है। यह पहल पीवीटीजी समुदायों के सशक्तिकरण की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि आज ग्राम में मुख्यमंत्री गौरव पथ का निर्माण कार्य प्रारंभ होने जा रहा है। इन सभी कार्यों से दूरस्थ क्षेत्र के आवागमन को अभूतपूर्व गति मिलेगी। सड़कों और पुल-पुलियों के निर्माण से वर्षा ऋतु में ग्रामीण अंचल का किसी भी प्रकार का संपर्क बाधित नहीं होगा। मंत्री देवांगन ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी वर्गों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी योजनाएँ बनाते हैं।

प्रत्येक हितग्राही तक अधिकतम लाभ पहुँच सके। यही कारण है कि आज प्रत्येक योजना का लाभ पात्र लोगों तक निर्बाध रूप से पहुँच रहा है। कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य सरकार समग्र और समान विकास की नीति पर कार्य कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रत्येक क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से अब कोई भी क्षेत्र विकास से वंचित नहीं रहेगा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री जनमन योजना और मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के अंतर्गत कुल 21.35 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि से आठ वृहद पुलों तथा सड़क निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 20.92 करोड़ रुपये की लागत से कई महत्वपूर्ण पुलों का निर्माण शामिल है। ये पुल रामपुर विधानसभा के कोरबा विकासखण्ड के लेमरू-देवपहरी मार्ग, डोकरमना मेन रोड, बगबुड़ा रोड, बताती-बांसाखार मार्ग और पतरापाली-धानकछार मार्ग पर स्थित गौमुखी, चिंगराडांड, गड़गड़ा, कोटगसरा और पेंसारी नाला जैसे स्थलों पर निर्मित किए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त पाली- तानाखार विधानसभा के पोड़ी-उपरोड़ा विकासखण्ड में कटघोरा-अंबिकापुर मार्ग से बहरीझरिया मार्ग के कोठीझुंझा नाला पर 278.72 लाख रुपये की लागत से एक वृहद पुल के निर्माण की स्वीकृति भी प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के अंतर्गत कटघोरा विकासखण्ड में पंचराम घर से हीरालाल घर तक 500 मीटर लंबी सीसी सड़क और नाली निर्माण का कार्य किया जाएगा, जिसकी स्वीकृत राशि 42.95 लाख रुपये निर्धारित है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर जिले के वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन और अधिक सुगम होगा तथा विशेष रूप से वर्षा ऋतु में आने वाली संपर्क संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान होगा। कार्यक्रम में कोरबा महापौर संजू देवी राजपूत, जिला पंचायत सदस्य विनोद यादव, जनपद सदस्य अमृत लाल कंवर, सरपंच शत्रुघन सिंह, पार्षद नरेंद्र देवांगन, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, अग्रसेन गौसेवा समिति कोरबा के अध्यक्ष जयंत अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आज मेकाहारा की OPD बंद रहेगी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

होली त्योहार के मद्देनज़र अम्बेडकर अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ तथा पैरामेडिकल स्टाफ सहित सभी विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

होली के दौरान संभावित दुर्घटनाओं एवं आपात स्थितियों को ध्यान में रखते हुए आपातकालीन सेवाओं के निर्बाध संचालन के विशेष निर्देश दिए गए हैं। होली त्योहार के दिन 4 मार्च को शासकीय अवकाश होने के कारण अस्पताल में बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) का संचालन नहीं होगा। हालांकि, इमरजेंसी सेवा पूर्व की भांति 24 घंटे निरंतर जारी रहेगी। आपात चिकित्सा विभाग में आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी वार्डों में जीवन रक्षक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा समस्त मेडिकल स्टाफ को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए गए हैं।

त्योहार को देखते हुए अस्पताल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया गया है।आवश्यकतानुसार मरीजों को डीकेएस अस्पताल स्थित सुपर स्पेश्यलिटी विभाग में रेफर किए जाने के लिए अम्बेडकर अस्पताल से डीकेएस अस्पताल तक एम्बुलेंस परिवहन सेवा उपलब्ध रहेगी।

लघु एकाँकी - 'बाल विधवा की होली'

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

गुड़िया - 18 वर्षीय बाल विधवा
दीपा - उसकी सहेली
भोला काका - मोहल्ले के बुजुर्ग, समझदार व्यक्ति
रमेश - एक समझदार युवक
गुड़िया की दादी
गाँव के अन्य लोग

दृश्य 1: होली के रंग, मन के संग

(पिछले दृश्य की तरह, होली का उत्सव चल रहा है, गुड़िया को रंग लगाने के बाद पूरा गाँव उल्लास में डूब जाता है। गुड़िया के चेहरे पर खुशी लौट आई है, लेकिन उसके दिल में अभी भी समाज का डर है।) गुड़िया (भोला काका से धीमे स्वर में): लेकिन काका, क्या सच में मुझे फिर से पूरा जीवन जीने का हक है?

भोला काका (स्नेह से): बेटा, तेरी उम्र हँसने-खेलने की है न कि समाज के बनाई बेड़ियों में बँधने की। तेरा भी हक है नये सपने देखने और उन्हें पूरा करने का।

दीपा (हँसते हुए): हाँ गुड़िया! अब से हर त्योहार पर तुम्हें सबसे पहले रंग मैं ही लगाऊँगी! (गुड़िया मुस्कुरा देती है, पहली

बार उसने महसूस किया कि जीवन अभी खत्म नहीं हुआ है।)

दृश्य 2: नयी राह की तलाश

(गुड़िया अब गाँव के माहौल में सहज हो रही है। वह सिलाई-कढ़ाई सीखने लगी है और धीरे-धीरे आत्मनिर्भर बनने का प्रयास कर रही है। एक दिन गाँव का युवक रमेश, जो पढ़ा-लिखा और समझदार है, भोला काका से बातचीत कर रहा होता है।)

रमेश: काका, मैं कुछ दिनों से गुड़िया को देख रहा हूँ। उसने बहुत कुछ सहा है, लेकिन अब वह अपनी ज़िन्दगी नए सिरे से जीना चाहती है।

भोला काका: हाँ बेटा! यह सच है। समाज उसे विधवा मानकर जीवन भर सफेद कपड़ों में रहने को कहता है, लेकिन हम उसे एक नयी शुरुआत देना चाहते हैं।

रमेश (संकोच से): काका, मैं सोच रहा था... अगर गुड़िया और मेरी शादी हो जाए तो? (भोला काका और गाँव के कुछ बुजुर्ग चौंकते हैं। गुड़िया की दादी भी यह सुन लेती हैं और नाराज़ हो जाती हैं।)

दृश्य 3: समाज की बंदिशें और बदलाव

गुड़िया की दादी (गुस्से में): यह कैसे हो सकता है? विधवा की दोबारा शादी? समाज हमें तिरस्कृत कर देगा!

भोला काका (धैर्यपूर्वक): अरे भाभी! यह वही समाज है, जिसने गुड़िया को एक बच्चे की तरह नहीं बल्कि एक परंपरा की बेड़ियों में जकड़ दिया। अगर किसी स्त्री का पति मर जाए तो क्या उसकी ज़िन्दगी भी खत्म हो जानी चाहिए? रमेश (गंभीर स्वर में): दादी, मैं गुड़िया की खुशी चाहता हूँ। मैं उसे किसी बोझ की तरह नहीं, एक साथी के रूप में अपनाना चाहता हूँ। क्या वह खुश रहने का अधिकार नहीं रखती? (गाँव के कुछ लोग समर्थन में आ जाते हैं, लेकिन कुछ अब भी रूढ़ियों में जकड़े हैं। गुड़िया यह सब चुपचाप सुन रही होती है। वह आगे बढ़ती है और पहली बार हिम्मत करने सबके सामने अपनी बात रखती है।)

गुड़िया (स्पष्ट स्वर में): दादी! मैं वह सब कुछ करना चाहती हूँ जो मेरी सारी सखियाँ करती हैं। मैं भी रंगीन कपड़े पहनना चाहती हूँ। बचपन में शादी हुई और फिर विधवा हो गई। क्या मैं हमेशा इसी हाल में रहूँ? क्या मुझे फिर से जीवन जीने का हक नहीं? (गाँव के लोग आपस में चर्चा करने लगते हैं। धीरे-धीरे माहौल बदलने लगता है। दादी भी सोच में पड़ जाती हैं।)

दृश्य 4: विवाह का निर्णय और नयी शुरुआत

(कुछ समय बाद, पूरे गाँव में चर्चा के बाद, गुड़िया और रमेश के विवाह की स्वीकृति मिल जाती है। दादी भी समझ जाती है कि उनकी पोती के जीवन का अधिकार सबसे ऊपर है। विवाह की तैयारियाँ शुरू होती है।) भोला काका (मुस्कुराते हुए): आज हमारा गाँव एक मिसाल कायम करने जा रहा है। यह शादी केवल गुड़िया की नहीं।

छत्तीसगढ़ ज्ञान सभा विक्रम संवत 2082 में वन विभाग की सक्रिय भागीदारी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

'छत्तीसगढ़ ज्ञान सभा विक्रम संवत 2082' कार्यक्रम में औषधि पादप बोर्ड ने 'घर में लगाएं औषधि उद्यान, निरोगी रहेगी का-स्वस्थ रहेगी संतान' विषय पर आकर्षक प्रदर्शनी कक्ष लगाया। इस प्रदर्शनी कक्ष में ब्राह्मी, घृतकुमारी, सिंदूरी, पिप्पली, नींबू घास, मधुपर्णी (स्टीविया), चिरायता, अड़ूसा, कोलियस, बड़ा पाथरचट्टा तथा निर्गुंडी सहित अनेक औषधीय एवं सुगंधित पौधों का प्रदर्शन किया गया। वन विभाग की यह पहल राज्य में औषधीय पौधों के संरक्षण, संवर्धन और जनजागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे नागरिकों को प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरणा मिल रही है।

छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अंतर्गत संचालित छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा 28 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक भिलाई (जिला दुर्ग) में आयोजित 'छत्तीसगढ़ ज्ञान सभा विक्रम संवत 2082' कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की गई। यह कार्यक्रम शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के जुनवानी परिसर में आयोजित हुआ। इसका संयुक्त आयोजन छत्तीसगढ़ प्राइवेट यूनिवर्सिटीज रेगुलेटरी कमीशन तथा शिक्षा संस्कृत संस्थान न्यास द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में आए स्कूली विद्यार्थियों, महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, आम नागरिकों तथा विशिष्ट अतिथियों ने औषधीय पौधों के दैनिक उपयोग और उनके स्वास्थ्य लाभ के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कई लोगों ने अपने घरों में औषधि उद्यान विकसित करने की इच्छा व्यक्त की।

भाजपा सरकार शराब की खपत बढ़ाने तथा शराब से काली कमाई में लगी है - कांग्रेस

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार शराब में कमीशनखोरी की गई व्यवस्था तैयार करने जा रही है। सरकार ने शराब निर्माता कंपनियो से उनके ब्रांड के रेट का टेंडर मंगवाया है और सरकार निर्माता कंपनियो से प्राप्त रेट में अपना सेस जोड़कर नया रेट शराब की बोतलो पर चस्पा करेगी, उसी के आधार पर शराब की बिक्री की जायेगी। सरकार कंपनियो से रेट नेगोशिएसन के लिये कुछ नहीं करने जा रही। निर्माता कपंनिया सत्ता में बैठे हुये लोगो का कमीशन जोड़ कर अपना रेट देगी सरकार उस रेट पर खरीदी करेगी। जबकि जिन राज्यों में शराब दुकाने निजी ठेकदार चलाते है, वहा पर शराब निर्माता कंपनियां 40 से 60 प्रतिशत तक डिस्काउंट देती है। वही ब्रांड दूसरे राज्यों में डिस्काउंट पर विक्रेता को मिलता है। छत्तीसगढ़ सरकार को पूरे रेट में इस पूरी प्रक्रिया से घोटाले की बू आ रही है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि साय सरकार के द्वारा लगातार शराबखोरी को संरक्षण देने वाले निर्णयों से प्रमाणित है कि भाजपा का शराबबंदी के लिए प्रदर्शन केवल राजनैतिक पाखंड था। साय सरकार का शराब प्रेम मनपसंद एप और 67 नइं शराब दुकान खोलने के बाद इस साल 30 और नई दुकाने खोलने जा रही है। भाजपा नेताओं का फोकस केवल कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार में है और इसके लिए प्रदेश की नशे में डुबोने का षड्यंत्र रचा है।प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद अवैध शराब की बिक्री बढ़ गई, दूसरे प्रांतों से शराब तस्करी कर के आ रही, बिना होलोग्राम, नकली होलोग्राम के शराब सरकारी दुकानों से बेची जा रही। पूरी सरकार शराब की काली कमाई में डूबी हुई है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा विपक्ष में थी तब शराब बंदी के लिए बड़ी-बड़ी बात करती थी। अब शराब की बिक्री बढ़ाने में लगी है। सरकार में आने के बाद शराब की खपत बढ़ाने नीति बना रही 67 नई दुकानें खोल दिए, 700 दुकानें जो पहले से चल रही थी उनको कंपोजिट कर दिया देशी में अंग्रेजी, अंग्रेजी में देशी बेचना शुरू कर दिया, मतलब 1400 काउंटर हो गया।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद अवैध शराब की बिक्री बढ़ गई, दूसरे प्रांतों से शराब तस्करी कर के आ रही, बिना होलोग्राम, नकली होलोग्राम के शराब सरकारी दुकानों से बेची जा रही। पूरी सरकार शराब की काली कमाई में डूबी हुई है।

स्मृति पुस्तकालय योजना को मिल रहा जनसमर्थन, अब तक 8000 से अधिक पुस्तकें की गई दान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिले में संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना के तहत ज्ञान दान की दिशा में जनसहभागिता लगातार बढ़ रही

है। इसी क्रम में पीएससी एकेडमी रायपुर के संचालक श्री राकेश साव ने प्रचीन छत्तीसगढ़ का इतिहास, मध्यकालीन छत्तीसगढ़ का इतिहास, भारत का संविधान, सीजीपीएससी प्रैक्टिस पेपर से संबंधित 50 पुस्तकें जिला प्रशासन को दान की।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उनके इस सराहनीय योगदान की प्रशंसा करते हुए प्रमाण पत्र एवं प्रेरक पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास से जरूरतमंद एवं प्रतिभावान अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि इस योजना के अंतर्गत अब तक 8000 से अधिक पुस्तकें एवं इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दान की जा चुकी हैं। जिनका लाभ जिले के अनेक विद्यार्थियों को मिल रहा है। यह अभियान केवल पुस्तक दान तक सीमित नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को संवारने और उनके भविष्य निर्माण का संकल्प है।

जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे भी इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें। पुस्तक अथवा इलेक्ट्रॉनिक गैजेट दान करने हेतु इच्छुक नागरिक फोन के माध्यम से श्री प्रभात सक्सेना 94060 49000 एवं श्री केदार पटेल 94255 02970 पर संपर्क कर सकते हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार बिश्वरंजन एवं जिला रोजगार अधिकारी श्री केदार पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अंगदान से मानवता को नई दिशा: प्रोजेक्ट दधीचि से जुड़कर पशु चिकित्सा कर्मी बने प्रेरणा स्रोत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के तहत मानवता और जनसेवा की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए बैरन बाजार स्थित जिला वेटनरी हॉस्पिटल में पदस्थ पशु चिकित्सक डॉ. किरण चौधरी ने अंगदान का संकल्प लेकर समाज के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। जिले में संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत उन्होंने अंगदान के लिए पंजीयन कर जन जागरूकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सम्मान पत्र प्रदान कर उनके इस पुनीत कार्य की सराहना की तथा कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है, जिससे कई लोगों को

नया जीवन मिल सकता है।

श्रीमती चौधरी ने अपने संकल्प के बारे में कहा कि 'मुझे बड़ी खुशी है कि मैं इस पुनीत कार्य का हिस्सा बनी, मेरे जाने के बाद किसी और को स्वस्थ जीवन मिल सकेगा।' उन्होंने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के तहत अब तक 90 से अधिक लोगों ने अंग एवं संपूर्ण शरीर दान का संकल्प लिया है, जिससे समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे भी इस पुनीत कार्य से जुड़कर अंगदान का संकल्प लें। अधिक जानकारी एवं पंजीयन हेतु 9406049000 संपर्क नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन, संयुक्त संचालक पशु स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शंकरलाल उइके तथा लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता प्रभात सक्सेना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हीट वेव से निपटने जिला प्रशासन सतर्क, जिला अस्पताल में विशेष हीट स्ट्रोक रूम तैयार

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

शहर में संभावित हीट वेव की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने हीट स्ट्रोक ने निपटने की तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में ज़िला चिकित्सालय, पंडरी में विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को तुरंत और प्रभावी उपचार मिल सके। अस्पताल परिसर में विशेष रूप से 'हीट स्ट्रोक रूम' स्थापित किया गया है, जहां अतिरिक्त बेड की व्यवस्था की गई है। मरीजों के शरीर का तापमान तेजी से कम करने के लिए दो विशेष बाथटब लगाए गए हैं, जिनमें ठंडे पानी और बर्फ की सहायता से इमर्शन कूलिंग की जा सकेगी। इसके साथ ही बर्फ की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आइस मेकिंग मशीन भी स्थापित की गई है, ताकि गंभीर स्थिति में मरीजों को तत्काल ठंडा उपचार दिया जा सके। चिकित्सा स्टाफ को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए समय-समय पर पानी पीते रहें, ढीले और हल्के रंग के कपड़े पहनें तथा तेज और सीधी धूप से बचें। विशेष रूप से दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच बंद कार में किसी व्यक्ति या जीव को न छोड़ें और नंगे पैर गर्म सतह पर चलने से बचें। चिकित्सकों के अनुसार हीट स्ट्रोक के लक्षणों में त्वचा का गर्म, लाल और सूखा हो जाना, जी मचलना और उल्टी होना, शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच जाना, सांस का फूलना और तेज धड़कन, घबराहट, सिर चकराना तथा बेहोशी शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करना चाहिए। आपात स्थिति में कंट्रोल रूम नंबर 0771-3519250 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 04 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

नई जीडीपी श्रृंखला से बदलेगी भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा पिछले सप्ताह जारी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की बहुप्रतीक्षित श्रृंखला के आंकड़ों से पता चलता है कि इस वर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.6 फीसदी रहने का अनुमान है। पुरानी श्रृंखला पर आधारित प्रथम अग्रिम अनुमान में चालू वर्ष के लिए वृद्धि दर 7.4 फीसदी आंकी गई थी। आंकड़ों से यह भी पता चला कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नए आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 के लिए वृद्धि दर का अनुमान 6.5 फीसदी के पुराने आंकड़े से बढ़कर 7.1 फीसदी हो गया है। हालांकि, वित्त वर्ष 2024 के लिए वृद्धि दर में 2 फीसदी अंक की भारी गिरावट दर्ज की गई है और इसे घटाकर 7.2 फीसदी कर दिया गया है। इसके अलावा, नॉमिनल आधार पर अर्थव्यवस्था का आकार चालू वर्ष में 345.47 लाख करोड़ रुपये आंका गया है, जबकि पहले अग्रिम अनुमान में, जिसका उपयोग बजट गणना के लिए भी किया गया था, यह 357.13 लाख करोड़ रुपये अनुमानित था। अर्थव्यवस्था के आकार में यह अंतर थोड़ा आश्चर्यजनक है। बेहतर कार्यप्रणाली और विस्तारित डेटा स्रोतों को देखते हुए, विश्लेषकों को नॉमिनल आधार पर बढ़ोतरी की उम्मीद थी।

आधार वर्ष को बदलकर 2022-23 करने के अलावा, नई जीडीपी श्रृंखला में कई नए तत्त्व शामिल किए गए हैं। उदाहरण के लिए, अनेक क्षेत्रों में व्यवसाय कर रहे उद्यम के कारोबारी आंकड़ों को अलग-अलग किया गया है, जिससे स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी। सर्वेक्षणों के आंकड़ों का उपयोग करते हुए गैर-निगमित क्षेत्र का दायरा बढ़ाया गया है। मंत्रालय ने कृषि और विनिर्माण क्षेत्रों में दोहरी अपस्फीति (डबल डिफ्लेशन) का भी उपयोग किया है। इससे भारत के राष्ट्रीय लेखा की एक बड़ी आलोचना का समाधान होता है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के आंकड़ों का भी व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है। भारत के राष्ट्रीय लेखा की एक अन्य कमजोरी, विसंगतियां थीं जिन्हें दूर करने के लिए मंत्रालय ने आपूर्ति एवं उपयोग सारणी (सप्लाई ऐंड यूज टेबल) ढांचे को अपनाया है। हालांकि, समग्र ढांचे में सुधार के बावजूद, अभी भी बहुत काम बाकी है। उदाहरण के लिए, अर्थशास्त्रियों का लंबे समय से यह तर्क रहा है कि भारत को उत्पादक कीमत सूचकांक की आवश्यकता है, जो नॉमिनल और वास्तविक जीडीपी के बीच अंतर का अधिक सटीक माप प्रदान करने में सहायक होगा। इसके अलावा, यद्यपि मंत्रालय अब गैर-निगमित क्षेत्र के लिए सर्वेक्षण डेटा का उपयोग कर रहा है। आर्थिक जनगणना डेटा के पुराने होने के कारण सर्वेक्षणों में कुछ कमियां हो सकती हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस पर विशेष....

सुरक्षित जीवन सुरक्षित राष्ट्र का सामूहिक संकल्प

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का इतिहास उस दौर से जुड़ा है जब देश में औद्योगिक विकास तेजी से हो रहा था और इसके साथ दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ रही थी। श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की गई और एक ऐसी संस्था की आवश्यकता महसूस हुई जो सुरक्षा प्रशिक्षण जागरूकता और मार्गदर्शन का कार्य कर सके। इसी सोच के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की स्थापना की गई। परिषद ने यह संकल्प लिया कि उद्योगों के साथ साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक सुरक्षा का संदेश पहुंचाया जाएगा। कुछ वर्षों बाद इस स्थापना दिवस को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया ताकि सुरक्षा का संदेश व्यापक स्तर पर फैल सके। इस दिवस का मूल उद्देश्य लोगों में सुरक्षा के प्रति सजगता उत्पन्न करना है।

कांतिलाल मांडोत।

भारत में प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। यह दिवस केवल एक तिथि नहीं बल्कि जागरूकता जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक है। इसी दिन वर्ष 1966 में नेशनल सेफ्टी काउंसिल की स्थापना की गई थी। वर्ष 1972 से इस दिवस को संगठित रूप में मनाया जाने लगा और तब से यह 4 मार्च से 10 मार्च तक राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के रूप में निरंतर आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य कार्यस्थलों सड़कों घरों और सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना तथा सुरक्षा स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है। कार्यस्थल पर छोटी सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। यदि श्रमिक उचित सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग न करें या प्रबंधन आवश्यक सावधानियां न बरते तो परिणाम दुखद हो सकते हैं। इसलिए यह दिवस नियोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों को उनकी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। सुरक्षा केवल नियमों का पालन भर नहीं बल्कि एक सकारात्मक कार्य संस्कृति का निर्माण है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को और दूसरों को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध हो। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के दौरान विभिन्न उद्योगों विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सुरक्षा शपथ दिलाई जाती है प्रशिक्षण सत्र आयोजित होते हैं और जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं बल्कि व्यवहार में परिवर्तन लाना है। जब व्यक्ति स्वयं यह समझने लगता है कि उसकी सावधानी किसी का जीवन बचा सकती है तब सुरक्षा संस्कृति मजबूत होती है। प्रत्येक वर्ष इस दिवस के लिए एक विषय निर्धारित किया जाता है। वर्ष 2025 का विषय विकसित भारत के लिए सुरक्षा और कल्याण महत्वपूर्ण था। यह विषय स्पष्ट करता है कि राष्ट्र का विकास तभी संभव है जब उसके नागरिक सुरक्षित हों। आर्थिक प्रगति औद्योगिक विस्तार और सामाजिक उन्नति का कोई अर्थ नहीं यदि मानव जीवन असुरक्षित हो। इसलिए सुरक्षा को विकास की आधारशिला माना जाना चाहिए। सड़क सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस की भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रतिदिन होने वाली दुर्घटनाएं हमें यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि क्या हम सच में सावधान हैं। वाहन चलाते समय नियमों का पालन करना सीट बेल्ट लगाना गति सीमा का ध्यान रखना और नशे की अवस्था में वाहन न चलाना जैसे सरल उपाय अनेक जीवन बचा सकते हैं। जब हम स्वयं नियमों का पालन करते हैं और दूसरों को भी प्रेरित करते हैं तभी सच्चे अर्थों में सुरक्षा के प्रति समर्पण दिखाई देता है। स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में आपातकालीन सेवाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिकीजा हैल्थकेयर लिमिटेड ने विभिन्न राज्यों में एक सौ आठ एम्बुलेंस सेवाओं के माध्यम से लाखों लोगों को समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान की है। राजस्थान सहित पंजाब मध्य प्रदेश ओडिशा झारखंड और सिक्किम में इन सेवाओं ने अनगिनत जीवन बचाए हैं। कठिन परिस्थितियों और महामारी के समय भी इन सेवाओं ने निरंतर कार्य कर समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सिद्ध की है। यह उदाहरण बताता है कि सुरक्षा केवल जागरूकता तक सीमित नहीं बल्कि सेवा और समर्पण से जुड़ी हुई है।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के प्रति हमारा समर्पण कैसा होना चाहिए ,यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। समर्पण का अर्थ केवल एक दिन कार्यक्रम में भाग लेना नहीं बल्कि वर्ष भर सावधानी और जिम्मेदारी निभाना है। हमें अपने घर से ही सुरक्षा की शुरुआत करनी चाहिए। रसोई गैस की नियमित जांच करना विद्युत उपकरणों का सही उपयोग करना बच्चों को आग और सड़क से संबंधित सावधानियां सिखाना और पर्यावरण की रक्षा करना हमारे दैनिक जीवन के छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करना और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना हमारे समर्पण का प्रमाण है। सुरक्षा के प्रति समर्पण भाव का संबंध मानवीय संवेदनाओं से भी है। जब हम यह समझते हैं कि हमारी लापरवाही से किसी परिवार का भविष्य प्रभावित हो सकता है तब हम अधिक सजग हो जाते हैं। सुरक्षा को आदत बनाना ही इस दिवस का वास्तविक संदेश है। यदि प्रत्येक नागरिक स्वयं को जिम्मेदार माने और सतर्क व्यवहार अपनाए तो दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। विद्यालयों में बच्चों को प्रारंभ से ही सुरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षा दी जानी चाहिए। नई पीढ़ी यदि सुरक्षा संस्कृति को अपनाएगी तो भविष्य अधिक सुरक्षित होगा।

उद्योगों में नियमित प्रशिक्षण और सुरक्षा अभ्यास कर्मचारियों को सक्षम बनाते हैं। समाज में जागरूकता अभियान लोगों को यह संदेश देते हैं कि सुरक्षा बोझ नहीं बल्कि जीवन रक्षा का माध्यम है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद एक गैर लाभकारी संस्था के रूप में आधी सदी से अधिक समय से कार्य कर रही है। इसका उद्देश्य सुरक्षा प्रशिक्षण को सभी के लिए सुलभ बनाना और समाज में सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करना है। इस संस्था द्वारा प्रारंभ किया गया राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस आज एक व्यापक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। यह हमें वर्ष में एक बार रुककर यह सोचने का अवसर देता है कि हमने सुरक्षा के क्षेत्र में क्या प्रगति की और आगे क्या करना शेष है। अंततः राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि सुरक्षित जीवन ही सशक्त राष्ट्र की पहचान है। विकास और सुरक्षा साथ साथ चलें तभी राष्ट्र समृद्ध और स्थिर बन सकता है। हमें इस दिवस को औपचारिकता न मानकर जीवन का संकल्प बनाना चाहिए। जब प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षा के प्रति समर्पित होगा तभी एक ऐसा भारत निर्मित होगा जहां प्रत्येक नागरिक निडर होकर जीवन जी सके। यही राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का वास्तविक उद्देश्य है और यही हमारे सच्चे समर्पण की अभिव्यक्ति भी है।

हर्षोल्लास, उमंग और रंगों का पर्व है होली

संजय गोस्वामी।

फागुन आते ही चहुं ओर 'होली' के रंग दिखाई देने लगते हैं, जगह-जगह 'होली' मिलन समारोहों का आयोजन होने लगता है। 'होली' हर्षोल्लास, उमंग और रंगों का पर्व है, यह पर्व फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है, इससे एक दिन पूर्व 'होलिका' जलाई जाती है, जिसे 'होलिका' दहन भी कहा जाता है। दूसरे दिन रंग खेला जाता है, जिसे धुलेंडी, धुरखेल तथा धूलिवंदन कहा जाता है। लोग एक-दूसरे को रंग, अबीर-गुलाल लगाते हैं। रंग में भरे लोगों की टोलियां नाचती-गाती गांव-शहर में घूमती रहती हैं। ढोल बजाते और 'होली' के गीत गाते लोग मार्ग में आते-जाते लोगों को रंग लगाते हुए 'होली' को हर्षोल्लास से खेलते हैं, विदेशी लोग भी होली खेलते हैं, सांध्य काल में लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं और मिष्ठान बांटते हैं। पुरातन धार्मिक पुस्तकों में 'होली' का वर्णन अनेक मिलता है। नारद पुराण और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख है। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ स्थान पर स्थित ईसा से तीन सौ वर्ष पुराने एक अभिलेख में भी 'होली' का उल्लेख किया गया है। 'होली' के पर्व को लेकर अनेक कथाएं प्रचलित हैं, सबसे प्रसिद्ध कथा विष्णु भक्त प्रह्लाद की है। माना जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकश्यप नाम का एक अत्यंत बलशाली असुर था, वह स्वयं को भगवान मानने लगा था, उसने अपने राज्य में भगवान का नाम लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जो कोई भगवान का नाम लेता, उसे दंडित किया जाता था। हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का भक्त था। प्रह्लाद की प्रभु भक्ति से क्रुद्ध होकर हिरण्यकश्यप ने उसे अनेक कठोर दंड दिए, परंतु उसने भक्ति के मार्ग का त्याग नहीं किया। हिरण्यकश्यप की बहन

'होलिका' को वरदान प्राप्त था कि वह अग्नि में भस्म नहीं हो सकती। हिरण्यकश्यप ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि कुंड में बैठे। अग्नि कुंड में बैठने पर 'होलिका' तो जल गई, परंतु प्रह्लाद बच गया। भक्त प्रह्लाद की स्मृति में इस दिन 'होलिका' जलाई जाती है, इसके अतिरिक्त यह पर्व राक्षसी ढुंढी, राधा कृष्ण के रास और कामदेव के पुनर्जन्म से भी संबंधित है। कुछ लोगों का मानना है कि होली में रंग लगाकर, नाच-गाकर लोग शिव के गणों का वेश धारण करते हैं तथा शिव की बारात का दृश्य बनाते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन पूतना नामक राक्षसी का वध किया था, इससे प्रसन्न होकर गोपियों और ग्वालों ने रंग खेला था। देश में होली का पर्व विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है। ब्रज की होली मुख्य आकर्षण का केंद्र है। बरसाने की लठमार होली भी प्रसिद्ध है, इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएं उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। मथुरा का प्रसिद्ध 40 दिवसीय होली उत्सव वसंत पंचमी से ही प्रारंभ हो जाता है, श्री राधा रानी को गुलाल अर्पित कर होली उत्सव शुरू करने की अनुमति मांगी जाती है, इसी के साथ ही पूरे ब्रज पर फाग का रंग छाने लगता है। वृंदावन के शाहजी मंदिर में प्रसिद्ध वसंती कमरे में श्रीजी के दर्शन किए जाते हैं, यह कमरा वर्ष में केवल दो दिन के लिए खुलता है। मथुरा के अलावा बरसाना, नंदगांव, वृंदावन आदि सभी मंदिरों में भगवान और भक्त पीले रंग में रंग जाते हैं।

ब्रह्मर्षि दुर्वासा की पूजा की जाती है। हिमाचल प्रदेश के कुलू में भी वसंत पंचमी से ही लोग 'होली' खेलना प्रारंभ कर देते हैं। कुलू के रघुनाथपुर मंदिर में सबसे पहले वसंत पंचमी के दिन भगवान रघुनाथ पर गुलाल चढ़ाया जाता है, फिर भक्तों की 'होली' शुरू हो जाती है। लोगों का मानना है कि रामायण काल में हनुमान ने इसी स्थान पर भरत से भेंट की थी। कुमाऊं में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। बिहार का फगुआ प्रसिद्ध है। हरियाणा की 'धुलंडी' में भाभी पल्लू में ईंटें बांधकर देवरों को मारती हैं। पश्चिम बंगाल में 'दोल जात्रा' निकाली जाती है, यह पर्व चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। शोभायात्रा निकाली जाती है। महाराष्ट्र की 'रंग पंचमी' में सूखा गुलाल खेला जाता है। गोवा के 'शिमगो' में शोभा यात्रा निकलती है और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्ख 'शक्ति प्रदर्शन' करते हैं। तमिलनाडु की 'कमन पोडिगई' मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंत का उत्सव है। मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोपड़ी का नाम है, जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासी भी धूमधाम से 'होली' मनाते हैं। छत्तीसगढ़ में लोक गीतों के साथ 'होली' मनाई जाती है। मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी 'भगोरिया' मनाते हैं। भारत के अतिरिक्त अन्य देशों में भी 'होली' मनाई जाती है।'होली' सदैव ही साहित्यकारों का प्रिय पर्व रहा है, प्राचीन काल के संस्कृत साहित्य में 'होली' का उल्लेख मिलता है, श्रीमद्भागवत महापुराण में रास का वर्णन है, अन्य रचनाओं में 'रंग नामक उत्सव का वर्णन है, इनमें हर्ष की प्रियदर्शि×का एवं रत्नावली और कालिदास की कुमारसंभवम् तथा मालविकाग्निमित्रम् सम्मिलित हैं। भारवि एवं माघ सहित अन्य कई संस्कृत कवियों ने अपनी रचनाओं में वसंत एवं रंगों का वर्णन किया है, चंद बरदाई द्वारा रचित हिंदी के पहले महाकाव्य पृथ्वीराज रासो में होली का उल्लेख है, भक्तिकाल तथा रीतिकाल के हिन्दी साहित्य में 'होली' का विशिष्ट उल्लेख मिलता है। आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर भक्तिकालीन सूरदास, रहीम, रसखान, पद्माकर, जायसी, मीराबाई, कबीर और रीतिकालीन बिहारी, केशव, घनानंद आदि कवियों ने होली को विशेष महत्व दिया है। प्रसिद्ध कृष्ण भक्त महाकवि सूरदास ने वसंत एवं 'होली' पर अनेक पद रचे हैं। भारतीय सिनेमा ने भी होली को मनोहारी रूप में पेश किया है।

विकसित देश का मंत्र है वैज्ञानिक सोच, शोध-अनुसंधान का मतलब केवल पीएचडी कर लेना नहीं

डॉ. सुशील द्विवेदी।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों को याद करने का ही नहीं, बल्कि बच्चों, युवाओं से लेकर आमजन में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने का अवसर भी बनना चाहिए। अगर भारत को विकसित देश बनना है, तो उसमें विज्ञान की बड़ी अहम भूमिका होगी। यह भूमिका तभी सार्थक होगी, जब हम वैज्ञानिक शोधों को अपनी कार्यसंस्कृति का हिस्सा बना लें। इसके लिए आवश्यक होगा कि हम बुनियादी स्तर से ही बच्चों को ऐसी जानकारियां देने के उपाय करें, जो उनमें वैज्ञानिक सोच के विकास में सहायक बने। इसके लिए पारंपरिक ज्ञान के साथ ही वैज्ञानिक स्वभाव भी विकसित करना होगा। इसके लिए बच्चों को हर तरह के सवाल पूछने के लिए भी प्रोत्साहित करना होगा। बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करने के लिए उनमें आसपास की चीजों को समझने के प्रति कौतूहल भी पैदा करना होगा। पढ़ाई में रटने से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है कि हमारे बच्चे प्रयोगशालाओं में प्रयोग करें और अपनी गलतियों से सीखें। 'करके सीखने' अर्थात लर्निंग बाय डूइंग के माध्यम से छात्रों के सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक प्रयोगशाला के अनुभवों में सहायता मिलेगी। हालांकि यह सिर्फ सोचने भर से नहीं होगा। इसके लिए हमें गांवों से लेकर शहरों तक स्कूलों में अच्छी विज्ञान प्रयोगशालाओं का व्यापक जाल बिछाना होगा। इसी सोच से प्रेरित भारत सरकार द्वारा गत वर्ष अक्टूबर तक 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब स्थापित की जा चुकी हैं और अगले पांच वर्षों में 50,000 नई अटल टिंकरिंग लैब्स स्कूलों में स्थापित करने की योजना बनाई है। नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के तहत इन लैब्स का उद्देश्य कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, रचनात्मकता और स्टेम (साइंस-टेक्नोलॉजी-इंजीनियरिंग-मैथ) कौशल को बढ़ावा देना है। यह पहल हर जिले में तकनीक-आधारित नवाचार को बढ़ावा देगी। इस क्रम में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद यानी सीएसआईआर का 'जिज्ञासा' कार्यक्रम स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक चेतना और जिज्ञासा जगाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस कार्यक्रम का मुख्य

उद्देश्य 'करके सीखने' (लर्निंग बाय डूइंग) के माध्यम से छात्रों के सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक प्रयोगशाला के अनुभवों से जोड़ने में सहायक हो रहा है। इसरो का युविका (युवा विज्ञानी कार्यक्रम) स्कूली बच्चों में विज्ञान और अंतरिक्ष तकनीक के प्रति गहरी समझ और रुचि विकसित करने के लिए एक शानदार पहल है। इसे 'कैच देम यंग' यानी छोटी अवस्था में ही स्कूली छात्रों में अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के प्रति रुचि जगाकर उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से आकार दिया गया है। दो सप्ताह के इस आवासीय कार्यक्रम में छात्रों को प्रख्यात विज्ञानियों से मिलने, प्रयोगशालाओं का दौरा करने और व्यावहारिक प्रयोग (मॉडल राकेट्री) करने का अवसर भी मिलता है। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस भी बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। यह कार्यक्रम छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें वास्तविक दुनिया की समस्याओं को वैज्ञानिक पद्धति से सुलझाने के लिए प्रेरित करता है। एनसीईआरटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी भी बच्चों में वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम बन गई है। यह प्रदर्शनी केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि युवा मस्तिष्कों में नवाचार और रचनात्मकता का संचार करने वाला एक उत्सव है। राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विजन के अनुरूप बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रही है। इसी प्रकार स्पायर अवॉर्ड मानक प्रतियोगिता भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो स्कूली बच्चों में न केवल विज्ञान के प्रति रुचि पैदा कर रही है।

युद्ध नहीं, शांति ही बदलती दुनिया की अनिवार्य अपेक्षा

ललित गर्ग।

नई बनती दुनिया का चेहरा जितनी तेजी से बदल रहा है, उतनी ही तेजी से वैश्विक असुरक्षा की भावना भी गहराती जा रही है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है, बल्कि वह एक ऐसे वैश्विक असंतुलन का संकेत है जिसमें शक्ति संतुलन की पुरानी व्यवस्थाएं टूट रही हैं और नई विश्व-व्यवस्था अभी स्थिर रूप नहीं ले सकी है। जब महाशक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष युद्ध में उतरती हैं, तब उसका प्रभाव सीमाओं से परे जाकर समूची मानवता को प्रभावित करता है। ऊर्जा बाजार, आपूर्ति श्रृंखलाएं, मुद्रा विनिमय दरें, शेयर बाजार, खाद्य सुरक्षा, शांतिपूर्ण मानव जीवन और कूटनीतिक समीकरण-सब कुछ अनिश्चितता के घेरे में आ जाता है। मध्यपूर्व में किसी भी बड़े युद्ध का पहला असर तेल आपूर्ति पर पड़ता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति यदि बाधित होती है तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है-एक ओर आयात बिल बढ़ता है, दूसरी ओर महंगाई और राजकोषीय दबाव में वृद्धि होती है। यदि कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं तो परिवहन, उर्वरक, बिजली और विनिर्माण लागत में वृद्धि अनिवार्य है, जिसका सीधा असर आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। वैश्विक वित्तीय बाजार पहले ही अनिश्चितता से जूझ रहे हैं, ऐसे में लंबा खिंचता युद्ध निवेश और विकास की गति को भी धीमा कर सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था की परीक्षा है। ऐसे समय में युद्ध को तेज़ करने के बजाय उसे रोकने की कोशिशों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। दोनों पक्षों से परिपक्वता और संयम की अपेक्षा है, विशेषकर अमेरिका से, जो स्वयं को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में देखता है और जिसे शक्ति के साथ-साथ जिम्मेदारी का भी परिचय देना चाहिए। एक तेल उत्पादक देश के रूप में ईरान का अस्तित्व और स्थिरता विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है; वहां की अस्थिरता ऊर्जा बाजार से लेकर विकासशील देशों की वित्तीय संरचना तक को प्रभावित कर सकती है। हालिया हमलों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने, हजारों के घायल होने और बड़ी संख्या में लोगों के फंसे होने की खबरें मानवता के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। ईरान में शीर्ष नेतृत्व पर हमलों और उसके बाद तेहरान आदि मुस्लिम देशों की तीखी प्रतिक्रियाओं ने पश्चिम एशिया के हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; इसका प्रभाव दक्षिण एशिया की भू-राजनीति, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, वैश्विक कूटनीतिक संतुलन और विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी होगा।

युद्ध आर्थिक संकट ही नहीं लाता, वह सामाजिक ताने-बाने को तोड़ता है, सांस्कृतिक संवाद को बाधित करता है और राष्ट्रों के बीच अविश्वास की दीवारें ऊंची करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बदलती दुनिया में सह-अस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की भावना को पुनर्जीवित किया जाए। शक्ति प्रदर्शन के स्थान पर समझदारी, प्रतिशोध के स्थान पर कूटनीति और वर्चस्व के स्थान पर साझी जिम्मेदारी-इन्हीं मूल्यों से विश्व को स्थिरता मिल सकती है। यह संघर्ष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक और भू-राजनीतिक भी है। यूक्रेन संकट के बाद विश्व पहले ही ध्रुवीकरण की दिशा में बढ़ चुका था। अब यदि पश्चिम एशिया में स्थायी अस्थिरता पैदा होती है तो वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संतुलन साधना कठिन हो जाएगा। भारत एक ओर अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध भी रहे हैं। इसके साथ ही इजरायल के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग भी मजबूत हुआ है। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ खुलकर खड़े होना भारत की बहुस्तरीय विदेश नीति के लिए जटिल प्रश्न बन सकता है। भारत की विशेष चिंता यह भी है कि मध्यपूर्व में लगभग 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं। यदि युद्ध की आग फैलती है तो न केवल उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ेगी, बल्कि भारत को मिलने वाली अरबों डॉलर की प्रेषण राशि पर भी प्रभाव पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, लाल सागर और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ने से व्यापारिक शिपमेंट महंगे हो सकते हैं। यह परिस्थिति भारत के विकास पथ पर दबाव डाल सकती है, जो अभी विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। ऐसे समय में भारत की भूमिका केवल एक प्रभावित राष्ट्र की नहीं, बल्कि एक संभावित मध्यस्थ और

संतुलनकर्ता की भी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में बहुध्रुवीय कूटनीति की जो नीति अपनाई है, वह इसी प्रकार की जटिल परिस्थितियों में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। भारत ने एक ओर अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी को सुदृढ़ किया है, वहीं रूस से ऊर्जा सहयोग बनाए रखा है और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी संतुलित संबंध कायम रखे हैं। यह 'रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति भारत को किसी एक खेमे में बंधने से बचाती है। भारत का यह दृष्टिकोण उसे संवाद और शांति प्रयासों के लिए विश्वसनीय मंच प्रदान कर सकता है। भारत इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें ईरान भी सदस्य बन चुका है। यह मंच वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त करने का अवसर देता है। यदि भारत इस मंच के माध्यम से युद्धविराम, संवाद और बहुपक्षीय समाधान की पहल करता है, तो वह न केवल अपनी कूटनीतिक विश्वसनीयता बढ़ा सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी योगदान दे सकता है। संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता या सीमित प्रभाव के बीच मध्यम शक्तियों की भूमिका बढ़ना स्वाभाविक है। भारत, जो स्वयं उपनिवेशवाद और शीत युद्ध की राजनीति से सीख लेकर उभरा है, शांति-आधारित बहुपक्षवाद का पक्षधर बन सकता है। दूसरी ओर, दक्षिण एशिया में भी चुनौतियां कम नहीं हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और आंतरिक अस्थिरता का प्रभाव भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन पर पड़ सकता है। यदि पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ती है और साथ ही दक्षिण एशिया में भी उथल-पुथल होती है, तो भारत को दो मोर्चों पर रणनीतिक सतर्कता रखनी होगी।

होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि आत्मीय मिलन का पावन अवसर : बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

होली की बधाई देते हुए स्क्क बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, फागुन की मादक बयार जब आँगन-आँगन उतरती है, तब प्रकृति स्वयं अबीर-गुलाल की चादर ओढ़ लेती है। पैतृक निवास रामसागर में श्रद्धा और आस्था के साथ होलिका दहन कर धर्म की अधर्म पर विजय के शाश्वत संदेश को स्मरण किया। इस पावन अवसर पर परिवारजनों, आत्मीयजनों एवं क्षेत्रवासियों के साथ उपस्थित होकर परंपराओं की उस गरिमा को अनुभव किया, जो पीढ़ियों से हमें जोड़ती आई है। अग्नि की पावन ज्वाला में नकारात्मकता, वैमनस्य और अहंकार का दहन कर समृद्धि, सद्भाव और नई ऊर्जा के संकल्प के साथ रंगोत्सव का स्वागत किया।

होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि सदियों पुरानी परंपराओं, लोकगीतों और आत्मीय मिलन का पावन अवसर है। ढोलक की थाप पर गूंजते फाग और हँसी-ठिठोली से भरा हुड़दंग मन की दूरियों को पिघला देता है। इस दिन वैमनस्य की रेखाएँ धुल जाती हैं और संबंधों में स्नेह का नया रंग घुल जाता है। होली का उल्लास हमें स्मरण कराता है कि जीवन भी रंगों की तरह विविध, चंचल और आनंदमय है—बस उसे खुले मन से अपनाने की देर है।

पैतृक निवास रामसागर में श्रद्धा और आस्था के साथ होलिका दहन कर धर्म की अधर्म पर विजय के शाश्वत संदेश को स्मरण किया। इस पावन अवसर पर परिवारजनों, आत्मीयजनों एवं क्षेत्रवासियों के साथ उपस्थित होकर परंपराओं की उस गरिमा को अनुभव किया, जो पीढ़ियों से हमें जोड़ती आई है। अग्नि की पावन ज्वाला में नकारात्मकता, वैमनस्य और अहंकार का दहन कर समृद्धि, सद्भाव और नई ऊर्जा के संकल्प के साथ रंगोत्सव का स्वागत किया। प्रभु से प्रार्थना है कि फागुन का यह उल्लास सभी के जीवन में सुख, शांति और नवआशा के रंग भर दे।

राजीव श्रीवास्तव पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के सदस्य नियुक्त

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के सदस्य पद पर पूर्व डीजी राजीव श्रीवास्तव की नियुक्ति की गई है। उन्होंने सोमवार को कार्यभार संभाल लिया है। बाद में उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात की है। बताया गया कि राजीव श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री को राज्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण की वर्तमान गतिविधियों, कार्यप्रणाली तथा भविष्य की कार्ययोजना के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने प्राधिकरण द्वारा पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करते हुए आमजन का विश्वास बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया।

प्रदेश में अगले 7 दिनों तक तापमान में बदलाव की संभावना नहीं

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

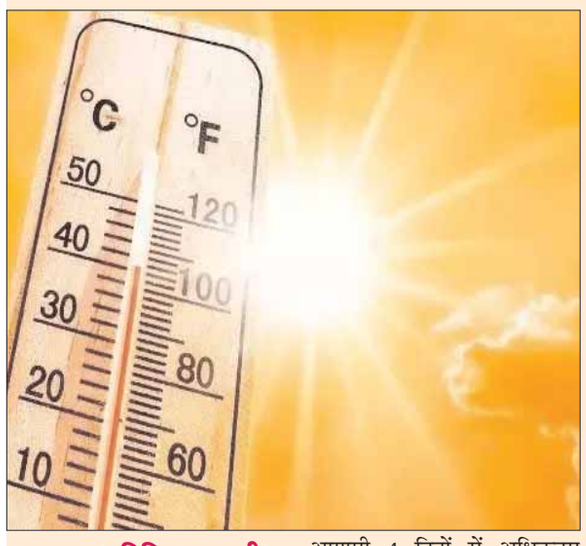

छत्तीसगढ़ में मौसम फिलहाल पूरी तरह शुष्क बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में आगामी 4 दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है। इसके बाद अगले 2 दिनों तक तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा। वहीं न्यूनतम तापमान में अगले 7 दिनों तक किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं जताई गई है।

प्रदेश में पूरे दिन मौसम शुष्क बना रहा। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान 36.0 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया। वर्षा के मुख्य आंकड़े निरंक रहे। पूर्वोत्तर बांग्लादेश और उससे सटे मेघालय से गंगीय पश्चिमी बंगाल, आंतरिक ओडिशा और दक्षिणी छत्तीसगढ़ होते हुए विदर्भ तक फैले चक्रवाती परिसंचरण के ऊपर से गुजरने वाली द्रोणिका समुद्र तल से 0.9 किमी ऊपर बनी हुई है। हालांकि इसका प्रदेश में फिलहाल कोई विशेष प्रभाव नहीं दिख रहा है।

महापौर मीनल ने अवैध निर्माणों पर नियमानुसार कठोर कार्यवाही करने के दिए निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

लगातार तीसरे दिन टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ संजीव शुक्ला, रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और रायपुर नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देशानुसार एसडीएम श्री नन्द कुमार चौबे के मार्गनिर्देशन में नगर पालिक निगम रायपुर के जोन 10 क्षेत्र अतर्गत लालपुर में नगर निगम जोन 10 जोन कमिश्नर श्री विवेकानंद दुबे, नायब तहसीलदार सुश्री ज्योति सिंह सहायक अभियंता श्री सुशील अहीर, उपअभियंता श्री आशीष शर्मा, श्री अजय श्रीवास्तव सहित नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़न दस्ता, नगर निगम जोन 10 नगर निवेश विभाग सहित पुलिस प्रशासन बल की उपस्थिति में रायपुर जिला प्रशासन के निर्देश पर नगर निगम प्रशासन ने सम्बंधित स्थल पर सहयोग करते हुए तहसीलदार और राजस्व विभाग पुलिस प्रशासन की टीमों, उड़न दस्ता सहित 6 जेसीबी, 2 पोकलेन मशीनो, 10 डम्पर, मजदूरों की सहायता से लालपुर में लगभग 20 हजार वर्गफीट शासकीय कोटवारी भूमि को अवैध कब्जा जमाकर निर्मित लगभग 10 बड़ी दुकानों और लगभग 30 बड़े कमरों के नियम विपरीत अवैध निर्माण को स्थल पर सीमांकन करवाने के पश्चात पूरी तरह ध्वस्त करने की व्यापक कार्यवाही अभियान लगातार तीसरे दिन जारी रहा और शत प्रतिशत पूर्ण हुआ।टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत रायपुर नगर निगम जोन 10 क्षेत्र के लालपुर में लगभग 20 हजार वर्गफीट शासकीय कोटवारी भूमि पर किये गए अवैध निर्माण को सीमांकन कर तोड़ने व्यापक अभियान लगातार तीन दिन निरन्तर जारी रहकर पूर्ण हुआ अवैध निर्माण का लगभग 100 प्रतिशत हिस्सा तीन दिन लगातार चली कार्यवाही में तोड़ा गया रायपुर जिला प्रशासन के निर्देश पर अवैध निर्माण तोड़ने व्यापक अभियान 0

यह अतिक्रमणरोधी व्यापक अभियान रायपुर जिला प्रशासन के निर्देश पर आज लगातार तीसरे दिन जारी रहा और लगभग 100 प्रतिशत हिस्सा अवैध निर्माण का तोड दिया गया। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने स्पष्ट कहा है कि लगातार तीन दिन चलाया गया व्यापक अवैध निर्माण तोड़ो अभियान राजधानी शहर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में अवैध निर्माण कार्यों को करने वालो के लिए एक कड़ी नियमानुकूल स्पष्ट चेतावनी है। जहा भी अवैध निर्माण होना पाया जायेगा, वहीं शासन के अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अवैध निर्माण तोड़ने कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

श्री 1008 रत्नत्रय विधान महोत्सव 5 से 8 मार्च तक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

श्री दिगंबर जैन पंचायत ट्रस्ट, मालवीय रोड, रायपुर (छ.ग.) द्वारा श्री 1008 रत्नत्रय विधान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। ट्रस्ट अध्यक्ष यशवंत जैन बताया उक्त महोत्सव में पावन आशीर्वाद पट्टाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री 108 सुयश सागरजी महाराज वी मुनि श्री 108 कौशल सागर जी महाराज के सान्निध्य में होगा।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी लोकेश चंद्रकांत जैन ने बताया त्रि- दिवसीय महोत्सव मुख्य पात्रों एवं मांगलिक कार्यक्रम के पश्चात विश्व शांति महायज्ञ से महोत्सव संपन्न होगा ।

ध्वजारोहणकर्ता श्री इंद्रकुमार, अनिलकुमार जैन परिवार, भाटापारा वाले सौधर्म इंद्र: श्री नरेंद्रकुमार -अरुणाजी, योगेश श्रद्धा ,रितेश रजनी जैन, गुरुकृपा परिवार धनपति कुबेर श्री अमरचंदजी सोहनी देवी, यशवंत- जया, किशोर - वनिता, महेंद्र, मेघा जतीन जी, गौरव, आलोक जैन परिवार महायज्ञ नायक श्री भरतजी, हर्षवर्धन - शिल्पा, प्रिंस- सृष्टि, रिया,माही, वेदिक जैन ईशान इंद्र- सुमित चंद्र- मीना जैन , राहुल- प्रतिमा ,समृद्धि, सम्यक जैन ललितपुर वाले सनत कुमार इंद्र- श्री सनत कुमार, अनिल कुमार, मनोज कुमार, रोमिल जैन चूड़ी वाले परिवार रायपुर महेंद्र इंद्- श्री सुदीप कुमार- रीमा जैन, परी ,मिष्टी, रेवांस जैन गुरुकृपा परिवार भरत चक्रवर्ती- श्री तेजपाल निर्मला जैन जितेंद्र खुशबू ,आयांश आर्यन जैन

बाहुबली: श्री अनिल संगीता जैन ,संजय ज्योति जैन, प्रवीण- कृतिका ,अंकुर- महिमा, अंकित,आयुषी जैन परिवार

मंगलवार, 3 मार्च 2026: मंगला पूजा, ध्वजारोहण, आचार्य आह्वान

बुधवार, 4 मार्च 2026 मंडप प्रवेश, नंदी मंडल, सकली करण

गुरुवार, 5 मार्च 2026 प्रात: 6.30 बजे - देव आह्वान, गुरु आह्वान, घट यात्रा, प्रात: 7.40 बजे - ध्वजारोहण, आचार्य निमंत्रण, मंडप शुद्धि, नंदी मंडल, सकली करण, इंद्र प्रतिष्ठा, अभिषेक, शांतिधारा, नित्यमह पूजन, पूज्यमुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज के प्रवचन, विधान जी प्रारंभ, प्रात: 10.00 बजे - मुनि श्री ससंग आहार चर्या।

शुक्रवार, 6 मार्च एवं शनिवार, 7 मार्च 2026 प्रात: 7.00 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, नित्यमह पूजन, महाराज जी के प्रवचन, विधान जी प्रारंभ, प्रात: 10.00 बजे - आहार चर्या।

रविवार, 8 मार्च 2026: प्रात: 7.00 बजे -अभिषेक शांतिधारा, नित्यमह पूजन, पूज्य महाराज जी के प्रवचन, विश्व शांति महायज्ञ, वरिष्ठ जनों का सम्मान।

समस्त कार्यक्रम श्री दिगंबर जैन पंचायत बड़ा मंदिर मालवीय रोड के प्रांगण में कार्यकारिणी, उपसमिति, महिला मंडल एवं श्री जैन युवा महासभा, बालिका मंडल और सकल दिगंबर जैन समाज रायपुर राजधानी के सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न होगा ।

मंत्री देवांगन ने शोकाकुल परिवार से मिलकर व्यक्त की गहरी संवेदना

लक्ष्मण बन बस्ती में दो दिन पूर्व बाउंड्रीवॉल ढहने से मासूम की गई थी जान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन कल देर शाम कोरबा के संजय नगर स्थित लक्ष्मणबन बस्ती पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मिलकर गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। 2 दिन पूर्व बस्ती में बाउंड्रीवाल गिरने से धनेश कर्ष पिता मुकेश कर्ष उम्र 4 वर्ष की दबने से दु:खद मृत्यु हो गई थी, वहीं सोनू कर्ष 20 वर्ष, विशाल यादव 18 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटनास्थल पर पहुंचकर परिजनों एवं स्थानीय जनों से मुलाकात कर घटना के संबंध में जानकारी ली। पीड़ित परिवार के घर पर शोकाकुल परिजनों से मिलकर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। घायलों की जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की। मंत्री देवांगन ने जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों से फोन पर बात कर घटना की सूक्ष्मता से जांच कर कार्रवाही के निर्देश दिए। इस दौरान महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, भोलू यादव, पार्षद नरेंद्र देवांगन, मंडल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, राकेश नागरमल अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

शोक सूचना

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि श्री किशोर कुमार राठौड़ निवासी फ़फ़डीह , रायपुर का स्वर्गवास दिनांक 02/03/2026, सोमवार को हो गया। उनका उठावना कार्यक्रम दिनांक 05 मार्च 2026, गुरुवार को गुजराती क्षत्रिय समाज भवन स्टेशन रोड में रखा गया है।

वे नेहा बृजेश व्यास, नेतल सिद्धार्थ जैन के पिता , केशवलाल राठौड़ के छोटे भाई तथा विजय अश्विन,धीमंत के चाचा व कुशल, हार्दिक गौरव के दादा थे ।

बच्चों के चेहरों पर मुस्कान, कर्मचारियों का जन्मदिन बना यादगार

प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ के तहत देवांश तिवारी ने बच्चों संग साझा की खुशियाँ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल व्यक्तिगत आयोजन नहीं रह गए हैं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुसार प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ का उद्देश्य ही है - खुशियों को बाँटना, और इस पहल को शासकीय कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ अपना रहे हैं।

इसी क्रम में आज जिला जनसंपर्क कार्यालय के कन्टेंट राइटर श्री देवांश तिवारी ने बैरन बाजार स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र में विद्यार्थियों के साथ जन्मदिवस के अवसर पर बच्चों के साथ केक काटकर, फल और पौष्टिक आहार वितरित कर इस दिन को विशेष बनाया।

मना करने वालों पर ना लगाए गुलाल नहीं तो सीधे होंगे सलाखों पर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

होली पर्व से पहले रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध रंग या पानी डालना दंडनीय अपराध माना जाएगा। पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर कहा है कि जबरन रंग लगाने, पानी फेंकने या उत्पात मचाने वालों के खिलाफ सख्ती से एफआईआर दर्ज की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि त्योहार की आड़ में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध रंग या पानी डालना दंडनीय अपराध माना जाएगा। पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर कहा है कि जबरन रंग लगाने, पानी फेंकने या उत्पात मचाने वालों के खिलाफ सख्ती से एफआईआर दर्ज की जाएगी। इसके साथ ही पुलिस ने अपराधियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए होली के दौरान मुखौटे की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, कई बार असामाजिक तत्व पहचान छिपाने के लिए मास्क या मुखौटे का सहारा लेते हैं, जिससे कार्रवाई में दिक्कत आती है।

कमिश्नरेट ने आम लोगों से शांति और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की है तथा चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बता दें, कल यानी 4 मार्च को ?होली का त्योहार मनाया जाएगा। लेकिन छत्तीसगढ़ में अभी से ही होली की धूम मची हुई है। त्योहार को लेकर बाजारों में खासा भीड़ देखने को मिल रही है, तो वहीं दूसरी ओर हर तरफ रंग उड़ रहा है। त्योहार में इस बार किसी भी तरह का खलल न पड़े इसके लिए पुलिस भी अब अलर्ट हो गई है। शहर में होली के दिन शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने इस बार प्लान तैयार किया है। होली के दिन सड़क पर हुड़दंग करने वालों पर पुलिस सड़क में पेट्रोलिंग के साथ-साथ आसमान से भी नजर रखेगी।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 4 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

कलेक्टर आकाश छिकारा ने किया लामनी पार्क का सघन निरीक्षण

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर आकाश छिकारा ने रविवार को शहर के प्रमुख पर्यटन केंद्र लामनी पार्क का विस्तृत निरीक्षण किया। नगर निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा भी इस अवसर पर साथ थे। छुट्टी के दिन किए गए इस औचक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य पार्क की वर्तमान स्थिति का जायजा लेना और वहां पर्यटकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को और अधिक बेहतर बनाना था।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर छिकारा ने पार्क के भीतर स्थित विभिन्न आकर्षणों, जैसे थिएटर गार्डन, बर्ड पार्क और एडवेंचर जोन का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने पार्क के प्राकृतिक स्वरूप और वहां की हरियाली की

सराहना की, साथ ही अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि पार्क की व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर करने की आवश्यकता है ताकि पर्यटकों को हर बार कुछ नया अनुभव हो सके। उन्होंने विभाग के अधिकारियों द्वारा अब तक किए गए सराहनीय कार्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि लामनी पार्क की विशिष्टता को बनाए रखने के लिए निरंतर नवाचार जरूरी है। कलेक्टर ने पार्क में साफ-सफाई को लेकर विशेष संजीदगी दिखाई। हालांकि पार्क की वर्तमान स्वच्छता संतोषजनक पाई गई, फिर भी उन्होंने मौके पर उपस्थित अमले को निर्देशित किया कि वे सफाई व्यवस्था के प्रति तनिक भी लापरवाही न बरतें। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भले ही पार्क अभी साफ-सुथरा दिख रहा है, लेकिन इसे और अधिक बेहतर बनाने और इसी स्तर पर बनाए रखने के लिए निरंतर ध्यान देना अनिवार्य है। उन्होंने निर्देश दिए कि पार्क के सौंदर्यीकरण और जनसुविधाओं के विस्तार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आनी चाहिए ताकि स्थानीय नागरिकों और बाहर से आने वाले सैलानियों को एक सुखद वातावरण मिल सके। उन्होंने वन मंडलाधिकारी उत्तम कुमार गुप्ता के नेतृत्व में वन विभाग द्वारा लामनी पार्क में किए गए कार्यों और व्यवस्थाओं की प्रशंसा की।

होली के अवसर पर मदिरा विक्रय हेतु शुष्क दिवस घोषित

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के द्वारा 04 मार्च 2026 को होली के अवसर पर मदिरा विक्रय हेतु शुष्क दिवस घोषित किया गया है। जिसके तहत होली के अवसर पर जिले में स्थित सभी प्रकार की मदिरा दुकानें अर्थात देशी मदिरा सी-एस-2 (घघ-कम्पोजिट), विदेशी मदिरा एफएल-1 (घघ), विदेशी मदिरा एफएल-1 (घघ कम्पोजिट), एफएल-3 भण्डागार जगदलपुर को 03 मार्च 2026 को समयावधि पश्चात बंद करने सहित 04 मार्च 2026 दिन बुधवार को पूर्णत: बंद रखे जाने हेतु एतद द्वारा आदेशित किया गया है।

कलेक्टर आकाश छिकारा ने ज्ञानगुड़ी का किया निरीक्षण

अब नीट और जेईई के साथ एसएससी की भी होगी तैयारी, समर्पित शिक्षकों का होगा सम्मान

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाने के संकल्प के साथ कलेक्टर आकाश छिकारा ने रविवार को ज्ञानगुड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की गतिविधियों का जायजा लेते हुए कहा कि ज्ञानगुड़ी के स्वरूप को और अधिक संवारा जाएगा ताकि विद्यार्थियों को एक बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। वर्तमान में यहाँ नीट, जेईई, पीएटी और नर्सिंग जैसी महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं की कोचिंग सफलतापूर्वक दी जा रही है, लेकिन अब जिला प्रशासन इसका दायरा बढ़ाने की तैयारी में है। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि भविष्य में यहाँ एसएससी सहित केंद्र और राज्य

स्तरीय अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी प्रारंभ करवाई जाए, जिससे स्थानीय युवाओं को बड़े शहरों की ओर निर्भर न रहना पड़े।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर छिकारा ने शिक्षकों के सेवा भाव और उनके कठिन परिश्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि जो शिक्षक पूरी निष्ठा के साथ विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं, उनके समर्पण को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा उन्हें सम्मानित किया जाएगा। शिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने अपील की कि वे अध्यापन के कार्य को और अधिक प्रभावी और बेहतर ढंग से संपन्न करें। उन्होंने एक अत्यंत प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि किसी भी शिक्षक के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि शासन से प्राप्त सम्मान नहीं, बल्कि उसके अपने विद्यार्थियों द्वारा उसे सबसे बेहतर शिक्षक के तौर पर माना जाना है।

मॉडिफाई बोलेरो से 9 लाख का गांजा जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

जशपुरनगर, प्रतिदिन राजधानी

जशपुर पुलिस ने होली पर्व से पहले नशे के कारोबार पर कार्रवाई की है। थाना कुनकुरी पुलिस ने सघन वाहन चेकिंग के दौरान एक मॉडिफाइड नई बोलेरो से 18.4 किलो गांजा बरामद किया। इस गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 9 लाख रुपए है। पुलिस ने इस मामले में तीन अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त बोलेरो की कीमत लगभग 14 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार डीआईजी एवं एसएसपी जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह को पिछले दिनों मुखबिर से गुप्त सूचना मिला कि ओड़िसा की ओर गांजा की एक बड़ी खेप मध्यप्रदेश पासिंग बोलेरो में जशपुर जिले से होकर सिंगरौली जाने वाली है, इस सूचना पर थाना कुनकुरी को स्टॉफ लगाकर आने-जाने वाले वाहनों को कड़ी चेकिंग करने के निर्देश दिये थे। बीती रात्रि में चेकिंग के दौरान मुखबीर के बतायेनुसार उक्त वाहन क्र. एम.पी. 66 जेड.एच. 6806 कुनकुरी क्षेत्र में आया, जिसमें चालक रामेष्वर यादव के अलावा अन्य 02 व्यक्ति गोलारमन एवं शिवराम व्यक्ति वाहन के अंदर बैठे थे, उनसे उनका नाम, पता एवं आने-जाने संबंधी पूछकर गांजा रखने के संबंध में पूछताछ कर उन्हें वाहन उनके वाहन की बारीकी से तलाषी ली गई, तलाशी के दौरान वाहन के नीचे मॉडिफाइड कर बनाये गुप्त चेंबर को खोलकर देखने पर उसमें 18.4 किलो गांजा कीमती 09 लाख रू. का मिलने पर उक्त गांजा को जप्त कर उक्त तीनों आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर थाना लाया गया। पूछताछ में उनके द्वारा उक्त गांजा को ओड़िसा में मौजूद रिष्तेदार (साला) उन्हें दिया था, जिसे वे उक्त बोलेरो में छिपाकर सिंगरौली विक्रय करने हेतु ले जा रहे थे। आरोपियों का कृत्य धारा 20(बी) एन.डी.पी.एस. एक्ट का अपराध घटित करना पाये रिष्तेदार को भी आरोपी बनाया गया है एवं गिरफ्तारी हेतु टीम रवाना किया गया है। मामले में डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ लाल उमेद सिंह ने बताया कि - पुलिस ने कुनकुरी क्षेत्र में एक बोलेरो वाहन से 18.4 किलो ग्राम अवैध मादक प्रदार्थ गांजा के साथ 3 आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा है।

चंदूलाल को जन्मदिन पर डॉ. सिन्हा दंपति ने दी बधाई

नवापारा राजिम, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ राज्य भंडार निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू का जन्म दिन धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर बधाई देने के लिए लोगों का सुबह से तांता लगा रहा। नवापारा नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.के.आर.सिन्हा एवं भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा नेत्री योगिता सिन्हा ने चंदूलाल साहू के निवास पहुंचकर उन्हें जन्म दिन की बधाई दी। डॉ.के.आर.सिन्हा ने कहा कि चंदूलाल साहू अत्यंत सौम्य एवं सरल व्यवहार के धनी है। उनकी सहजता का परिणाम है कि आम एवं खास लोगों से उनके बड़े आत्मीय संबंध है। क्षेत्र एवं विकास सुख समृद्धि के लिए हमेशा तत्पर रहते है। उनके सांसद एवं विधायक कार्यकाल के दौरान क्षेत्र में किए गए।

संकल्प से सिद्धि को समर्पित बजट - विक्रांत सिंह

खरागढ़, प्रातादन राजधाना

जिपं. उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026 -27 के संकल्प बजट का हृदय से स्वागत किया है उन्होंने इस बजट को जन आकांक्षाओं का प्रतिबिम्ब और राज्य के सर्वांगीण विकास का रोडमैप बताते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, वित्तमंत्री ओ पी चौधरी को बधाई दी है। श्री सिंह ने कहा कि बजट में महिला सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना, महतारी सदन, सड़क, पानी व पुलिया के लिए बजट में प्रावधान किया गया है जो एक अच्छा प्रयास है छत्तीसगढ़ की विकास को नई दिशा प्रदान करने का विकसित छत्तीसगढ़ के रूप में पहचान होगी मैं इसकी सराहना करता हूं। बजट में युवाओं को लेकर बहुत बड़ी घोषणा की गई है प्रतियोगी परीक्षाओं एवं अन्य परीक्षाओं में भी युवाओं को प्रेरित करने वाला जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले घोषणा किय जान का सराहना करता हूं श्री सिंह ने विशेषकर नवगठित जिला खैरागढ़ - छुईखदान - गंडई के बहुप्रतीक्षित मांग गण्डई-लिमो-दुल्लापुर मार्ग में कर्रा नाला पर उच्च स्तरीय पुल

सहित पहुंच मार्ग का निर्माण अनुमानित लागत 200 लाख बजट प्रावधान 20 लाख, गण्डई से कृतबांस मार्ग में स्थित सुरही नदी पर उच्च स्तरीय पुल सहित पहुंच मार्ग का निर्माण अनुमानित लागत 200 लाख बजट प्रावधान 20 लाख, खैरागढ़-छुईखदान्-गण्डई के ग्राम चिचका-कुरूभाठ में नाला पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य अनुमानित लागत 320 लाख बजट प्रावधान 32 लाख जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई के एस.एच. - 21 धमधा - गड़ई मार्ग के कि.मी. 25/8 पर दनिया नाला पर उच्चस्तरीय पुल निमाण काय अनुमानित लागत 760 लाख बजट प्रावधान 76 लाख जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के कोपरो-ग्वालघुन्डी मार्ग के कि.मी. 4/2, 4/8 एवं 5/2 के नाला में 3 नग (60-60 मी.) में उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य अनुमानित लागत 720 लाख बजट प्रावधान 72 लाख,

जिला खैरागढ़ के कुकुरमुड़ा में सिघौरी मार्ग लंबाई 4.20 कि.मी. का मजबूजतीकरण कार्य अनुमानित लागत 420 लाख बजट प्रावधान 42 लाख

गडबांजा मार्ग लंबाई 5.50 कि.मी. का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई के सोनपुरी से कुटेली मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी. का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित अनुमानित लागत 810 लाख बजट प्रावधान 81 लाख, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई के गातापार कला से विष्णुपुर मार्ग लम्बाई 3.40 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य, जिला खैरागढ़ छुईखदान गडई के गभरा से शाखा मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित, जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई के तेन्दुभाठा से जोम ओटेबंध तक सड़क निर्माण कार्य लंबाई 3.80 कि.मी. पुल पुलिया सहित, जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई के बीरूटोला से कुलीकसा मार्ग लंबाई 4.50 कि.मी. का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित अनुमानित लागत 880 लाख बजट प्रावधन 88 लाख जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के उदयपुर से खैरी मार्ग पुल पुलिया सहित अनुमानित लागत 560 लाख बजट प्रावधान 56 लाख जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के धमधा गण्डई मार्ग लंबाई 8.60 कि.मी. हेतु सर्वेक्षण का कार्य अनुमानित लागत 40 लाख बजट प्रावधान 4 लाख।

नशीली गोलियां जब्त, एक बंदी

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

आबकारी विभाग की उड़नदस्ता टीम ने 1 मार्च को कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को नशीली दवाओं के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से कुल 608 नग टैबलेट और कैप्सूल जब्त किए गए हैं।

आबकारी विभाग के अनुसार, सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तिलसिंवा ग्राउंड, सूरजपुर के पास एक कार में नशीली दवाओं की सप्लाई की जा रही है। सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर घेराबंदी की।

विभाग के मुताबिक, कार क्रमांक सीजी 29 एजी 1098 को रोककर तलाशी लेने पर डैशबोर्ड में रखे बैग से 560 टैबलेट और 48 नशीली कैप्सूल बरामद किए गए। कुल 608 नग दवाएं जब्त की गईं। आबकारी अधिकारियों के अनुसार, वाहन चालक ने अपना नाम अभिषेक साहू निवासी गोविंदपुर, जिला सूरजपुर बताया। उसने स्वयं को वर्तमान में विश्रामपुर तहसील में पदस्थ कर्मचारी बताया है। विभाग ने संबंधित नियुक्ति की पुष्टि प्रशासनिक स्तर पर किए जाने की बात कही है।

आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(सी) के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे 2 मार्च को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजे जाने का आदेश प्राप्त हुआ है।

फाग गीतों से सजेगी नकुलनार की होली

दंतेवाड़ा , प्रतिदिन राजधानी

आपने मथुरा और वृंदावन की होली होली अवश्य सुनी होगी। इसी तर्ज पर दंतेवाड़ा जिला अंतर्गत नकुलनार गांव में होली का पर्व पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है।

इस पर्व को मनाने ग्रामीणों द्वारा ग्रामवासियों द्वारा एक पखवाड़े पूर्व तैयारी आरंभ कर दी जाती है। स्थानीय आस्था के केंद्र शिव मंदिर परिसर में फाग के गीतों का अभ्यास किया जाता है। इसमें वाद्य यंत्रों का प्रमुखता से उपयोग किया जाता है। इनमें ढोलक, मंजीरा और झांझ प्रमुख रूपसे शामिल है।

इस दौरान रामायण और महाभारत कालीन लोकगीतों का लय और ताल के साथ गायन किया जाता है। गांव के प्रत्येक ग्रामीण के घर फाग की टोली पहुंचती है। जहां बिना किसी भेदभाव के फाग के गीतों का गायन किया जाता है। इस दौरान सामाजिक समरसता की नायाब बानगी नजर आती है। जिसमें जाति और वर्ग का भेद समाप्त हो जता है।

शुभ मुहूर्त में होलिका दहन

ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा होलिका दहन हेतु लकड़ियों का इंतजाम किया जाता है। पूर्णिमा के दिवस मंत्रोच्चार के मध्य स्तंभ स्थापित किया जाता है। इसके उपरांत रात्रि कल में होलिका दहन हेतु लकड़ियों को व्यवस्थित किया जाता है।माघ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा की रात्रि को शुभ मुहूर्त में सामूहिक रूपसे

होलिका दहन किया जाता है। जिसकी अग्नि से ग्राम के प्रत्येक घर में होलिका दहन किया जाता है। इसके उपरांत आसमान होली के रंगों से रंगीन हो जाता है।

भाजपा नेता देवांगन ने किसानों का सम्मान किया

नवापारा राजिम, 2 मार्च। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश मंत्री किशोर देवांगन होली त्यौहार की किसानों को अग्रिम शुभकामनाएं देने शनिवार को अंचल के विभिन्न ग्राम पहुंचे।

इस दौरान किशोर किसानों के घर के साथ-साथ खेतों में भी गए और वहां मौजूद किसानों को होली त्यौहार की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए मिठाई व गुलाल वितरण किया। साथ ही आज प्रदेश की साय सरकार द्वारा उन्हें धान खरीदी की एकमुश्त बोनस प्रदान किए जाने की भी बधाई देते हुए कहा कि साय सरकार किसान भाईयों है और लगातार कोशिश करती मेहनत का लगातार सम्मान होता रहे। कुछ दिन पूर्व प्रदेश सरकार के बजट में भी किसान भाईयों के लिए सबसे ज्यादा प्रावधान किए गए हैं।

हौसलों का सफर शैक्षणिक भ्रमण, मनोरम स्थल तिरिया रवाना हुए 45 अस्थि बाधित विद्यार्थी

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

शिक्षा केवल किताबों और कक्षाओं की चारदीवारी तक सीमित नहीं होती, बल्कि वास्तविक ज्ञान दुनिया को देखने और अनुभव करने से मिलता है। इसी उद्देश्य के साथ आज जिले के 45 अस्थि बाधित विद्यार्थियों का एक विशेष दल शैक्षणिक भ्रमण के लिए तिरिया की ओर रवाना हुआ। यह यात्रा इन बच्चों के जीवन में उमंग और नए अनुभवों का संचार करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

विद्यार्थियों के इस दल की रवानगी के अवसर पर विशेष उत्साह का माहौल रहा, जहाँ कलेक्टर आकाश छिकारा ने स्वयं पहुँचकर बच्चों से मुलाकात की। कलेक्टर ने न केवल विद्यार्थियों का हाल-चाल जाना, बल्कि उनके साथ समय बिताते हुए उनकी यात्रा को सुखद और ज्ञानवर्धक बनाने के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने बच्चों के आत्मविश्वास की सराहना करते हुए कहा कि शारीरिक चुनौतियाँ कभी भी सीखने और आगे बढ़ने के मार्ग में बाधा नहीं बन सकतीं। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा और समाज कल्याण विभाग की उप संचालक श्रीमती सुचिता मिंज भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। अधिकारियों ने बच्चों की सुरक्षा और सुविधाओं का पूरा ध्यान रखते हुए उन्हें रवाना किया। तिरिया के चेहरों पर घूमने और कुछ नया सीखने की खुशी साफ झलक रही थी। प्रशासन की इस पहल की सराहना की जा रही है, क्योंकि यह भ्रमण इन बच्चों को प्रकृति के करीब ले जाने और सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

बस्तर की कला को नई ऊंचाई देने कलेक्टर आकाश छिकारा पहुंचे बादल एकेडमी, कलाकारों का बढ़ाया मनोबल

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और युवाओं को कला के क्षेत्र में दक्ष बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर आकाश छिकारा ने आसना स्थित बादल एकेडमी (बस्तर एकेडमी ऑफ डांस, आर्ट, लिटरेचर एंड लैंग्वेज) का गहन अवलोकन किया। इस भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने एकेडमी परिसर में संचालित हो रही विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का जायजा लिया और वहां मौजूद कला साधकों से सीधा संवाद स्थापित किया।

कलेक्टर के इस भ्रमण का विशेष अवसर भित्तिचित्र कार्यशाला का समापन रहा, जहां उन्होंने प्रदेश भर से आए 50 प्रतिभागियों से मुलाकात की। इन प्रतिभागियों ने कार्यशाला के दौरान भित्तिचित्र कला का गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया था। कलाकारों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों की सराहना करते हुए कलेक्टर छिकारा ने कहा कि प्रदेश की पारंपरिक कलाओं को आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत करना समय की मांग है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कलाकारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उनके कौशल की प्रशंसा की।

कलेक्टर ने भित्तिचित्र के साथ-साथ एकेडमी में चल रहे गोदना कला के प्रशिक्षण सत्र का भी बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने गोदना शिल्प के प्रशिक्षुओं से बातचीत कर उनके अनुभव जाने और इस पारंपरिक विधा को जीवंत बनाए रखने के प्रयासों पर चर्चा की। कलेक्टर ने एकेडमी के अधिकारियों के साथ भविष्य की रूपरेखा पर विमर्श करते हुए संस्थान की गतिविधियों को और अधिक व्यापक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एकेडमी को बस्तर की कला, गीत-संगीत, साहित्य और भाषा के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए नई योजनाओं को जोड़ा जाएगा, ताकि स्थानीय कलाकारों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर मंच और अवसर प्राप्त हो सके।

शराब जब्त, 7 गिरफ्तार

जशपुरनगर, प्रतिदिन राजधानी

होली पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जशपुर पुलिस ने अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ऑपरेशन आघात के तहत जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। और भारी मात्रा में अवैध शराब और महुआ शराब जब्त किया गया है। जशपुर पुलिस ने क्रमश: थाना आस्ता व सिटी कोतवाली जशपुर क्षेत्रांतर्गत छापे मारी कर भारी मात्रा में देशी महुआ शराब व अंग्रेजी शराब को पकड़ा है। थाना सिटी कोतवाली क्षेत्रांतर्गत एक मार्च को जशपुर पुलिस के द्वारा प्रात: 04.00 बजे में ही एस डी ओ पी जशपुर चंद्रशेखर परमा के नेतृत्व में, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली जशपुर निरीक्षक मोरध्वज देशमुख व चैकी प्रभारी उप निरीक्षक मनोरा दिनेश कुमार पुरैना, व चैकी आरा के प्रभारी सहायक उप निरीक्षक चंद्र प्रकाश त्रिपाठी के साथ जशपुर पुलिस के 60 से अधिक पुलिस के अधिकारी व जवानों ने, जशपुर मुख्यालय के स्थित डीपा टोली, तेली टोली, टंकी टोली गाढ़ा पीछे अवैध शराब के कोचियों के सम्भावित ठिकानों पर एक साथ दबिश दी गइ। रेड की कार्यवाही के दौरान पुलिस को दो महिला व पांच पुरुष आरोपी के पास से 50 लीटर से अधिक की अवैध कच्ची महुआ शराब मिला।

बस्तर की खुशबू और हर्बल रंगों से महकेगी होली

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

रंगों के महापर्व होली की आहट के साथ ही बस्तर में उत्सव का माहौल बनने लगा है। इस वर्ष होली को सुरक्षित और स्थानीय हुनर के साथ यादगार बनाने के लिए जगदलपुर स्थित कलेक्टोरेट परिसर में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए हर्बल गुलाल और फैंसी सामग्री के विक्रय हेतु विशेष स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉल्स की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ उपलब्ध गुलाल पूरी तरह प्राकृतिक तत्वों से निर्मित है, जो रसायनों के दुष्प्रभावों से मुक्त और त्वचा के लिए पूर्णत: सुरक्षित है।

परिसर में सजे इन स्टॉल्स पर न केवल विभिन्न रंगों के सुगंधित हर्बल गुलाल मिल रहे हैं, बल्कि होली के लिए विशेष फैंसी सामग्री और बच्चों के आकर्षण के केंद्र भी उपलब्ध हैं। जिला प्रशासन की इस

पहल के माध्यम से जहाँ एक ओर आम नागरिकों को शुद्ध और मिलावट रहित रंगों का विकल्प मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त मंच भी प्रदान किया गया है। स्थानीय संसाधनों और फूलों-पत्तियों के अर्क से तैयार यह गुलाल बस्तर की माटी की खुशबू को त्यौहार के उल्लास में घोल रहा है।

प्रशासन और स्व-सहायता समूहों ने शहर के प्रबुद्ध नागरिकों, सामाजिक संगठनों और अधिकारी-कर्मचारियों से विनम्र अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन स्टॉल्स पर पधारें। आपकी एक छोटी सी खरीदी न केवल आपकी होली को रंगों से सराबोर करेगी, बल्कि बस्तर की मेहनतकश महिलाओं के जीवन में भी आर्थिक समृद्धि और खुशियों के नए रंग भरेगी। वोकल फॉर लोकल के संकल्प को सार्थक करते हुए इस बार की होली प्राकृतिक रंगों और स्थानीय प्रेम के साथ मनाने के लिए लोगों को आमंत्रित किया गया है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 04 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

आईसीसी टूर्नामेंट में पांचवीं बार होगा भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल

अब तक मुकाबला 2-2 से बराबर, 1983 और 2024 में अंग्रेजों को हराया, चैंपियन भी बने

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड आईसीसी टूर्नामेंट में पांचवीं बार सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। अब तक खेले गए 4 मुकाबलों में दोनों टीमें 2-2 जीत के साथ बराबरी पर हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारत ने इंग्लैंड को जब भी सेमीफाइनल में हराया, देश तब खिताब जीतने में भी कामयाब रहा। भारत-इंग्लैंड पहला सेमीफाइनल 1983 वनडे वर्ल्ड कप में हुआ था। तब भारत ने अंग्रेजों को हराया और फिर फाइनल में वेस्टइंडीज को मात देकर टीम चैंपियन बनी। दोनों टीमें सेमीफाइनल में आखिरी बार 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में भिड़ीं। तब भी भारत ने इंग्लैंड को हराया और फिर फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर खिताब जीता। 1987 वनडे वर्ल्ड कप और 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में भी भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल हुआ था। इन दो मौकों पर इंग्लैंड ने जीत हासिल की।

1983: जब 'अंडरडॉग' भारत ने इंग्लैंड का घमंड तोड़ा

1983 के सेमीफाइनल में भारत ने मेजबान इंग्लैंड को 6 विकेट से हराकर पहली बार फाइनल में जगह बनाई। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में मुकाबले से पहले इंग्लिश मीडिया और एक्सपर्ट्स ने भारत की हार लगभग तय मान ली थी। टॉस हारने के बावजूद कप्तान कपिल देव ने धीमी पिच को भांप लिया।

इंग्लैंड की पूरी टीम 60 ओवर में 213 रन पर सिमट गई। कपिल देव ने 3 विकेट लिए, जबकि मोहिंदर अमरनाथ ने 12 ओवर में सिर्फ 27 रन देकर 2 विकेट चटकाए। 214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही। 50 रन पर 2 विकेट गिर चुके थे। इसके बाद अमरनाथ (46 रन) और यशपाल शर्मा (61 रन) ने 92 रन की साझेदारी कर पारी को स्थिरता दी। यशपाल का बॉब विलिस पर जड़ा गया लेग-साइड छक्का आज भी मशहूर है। जब भारत जीत के करीब था, तब संदीप पाटिल ने मुकाबले को यादगार बना दिया। उन्होंने बॉब विलिस के एक ओवर में 4 चौके जड़ते हुए इंग्लैंड की उम्मीदें तोड़ दीं। पाटिल ने 32 गेंदों में नाबाद 51 रन की तेज पारी खेली। इस जीत ने भारत को वह आत्मविश्वास दिया, जिसके दम पर टीम ने लॉर्ड्स में फाइनल खेला और आगे चलकर दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार वर्ल्ड कप भी अपने नाम किया।

1987: गूच की 'स्वीप' मास्टरक्लास ने 83 का बदला लिया

1987 में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड ने भारत को 35 रन से हराकर 1983 की हार का हिसाब बराबर कर दिया। घरेलू मैदान पर खिताब जीतने का भारतीय सपना यहीं टूट गया। इस मैच की सबसे बड़ी कहानी थे ग्राहम गूच। स्पिन के लिए मशहूर पिच पर उन्होंने भारतीय स्पिनर्स मनिंदर सिंह और रवि शास्त्री के खिलाफ स्वीप शॉट की बौछार कर दी। गूच ने अपनी पारी में 11 चौके लगाए और 136 गेंदों पर 115 रन बनाए। तीसरे विकेट के लिए उन्होंने माइक गेटिंग के साथ 117 रन की अहम साझेदारी की। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 254 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। यह मुकाबला सुनील गावस्कर के वनडे करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साबित हुआ। वे सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। 255 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 64 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही भारतीय पारी लड़खड़ा गई। भारत ने आखिरी 5 विकेट महज 15 रन के भीतर गंवा दिए और 45.3 ओवर में 219 रन पर सिमट गया। दिलचस्प संयोग यह रहा कि 1983 में भारत ने इंग्लैंड को उसके घर में हराया था। 4 साल बाद इंग्लैंड ने भारत को भारत में हराकर बदला पूरा किया।

2024: कप्तान रोहित ने चुकता किया हिसाब

27 जून 2024, गयाना का प्रोविडेंस स्टेडियम। 2 साल पहले एडिलेड में मिली 10 विकेट की चोट अभी ताजा थी। भारत ने इंग्लैंड को 68 रन से हराकर न सिर्फ फाइनल का टिकट कटाया, बल्कि 2022 की हार का हिसाब भी बराबर कर दिया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। विराट कोहली (9) और ऋषभ पंत (4) जल्दी पवेलियन लौट गए। ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा ने जिम्मेदारी ली। उन्होंने 39 गेंदों में 57 रन बनाए और सूर्यकुमार यादव (47 रन) के साथ 73 रन की अहम साझेदारी की। बारिश की रुकावटों के बीच भारत ने 20 ओवर में 171/7 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड ने 3 ओवर में 26 रन बना लिए थे और लय में दिख रही थी। तभी अक्षर पटेल ने अपनी पहली ही गेंद पर कप्तान जोस बटलर को आउट कर दिया। उन्होंने 4 ओवर में 23 रन देकर 3 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। उनके बाद कुलदीप यादव ने भी 3 विकेट निकाले और इंग्लैंड का मिडिल ऑर्डर टिक ही नहीं पाया। 172 रन के लक्ष्य के जवाब में इंग्लैंड 16.4 ओवर में सिर्फ 103 रन पर सिमट गया।

2022: बटलर-हेल्स में 170 रन की मैच विनिंग पार्टनरशिप

ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड ओवल में इंग्लैंड ने भारत को 10 विकेट से हरा दिया। 169 रन के लक्ष्य को इंग्लैंड ने सिर्फ 16 ओवर में हासिल कर लिया। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर (80* रन, 49 गेंद) और एलेक्स हेल्स (86* रन, 47 गेंद) ने 170 रन की नाबाद ओपनिंग साझेदारी की। यह उस समय टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी थी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 168/6 बनाए। विराट कोहली ने 50 (40 गेंद) की पारी खेली। इस मैच में वे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 4000 रन पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। हार्दिक पंड्या ने 63 (33 गेंद, 4 चौके और 5 छक्के) बनाए, लेकिन पावरप्ले में मैच का रुख तय हो गया। भारत ने पहले 6 ओवर में 38 रन बनाए, जबकि इंग्लैंड ने 63 रन बना डाले। नई गेंद से भुवनेश्वर कुमार और अर्शदीप सिंह प्रभाव नहीं छोड़ पाए। इसके बाद हेल्स को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उनकी पारी में 7 छक्के और 4 चौके शामिल थे।

सेमीफाइनल में लगातार तीसरी बार होगा सामना

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और इंग्लैंड लगातार तीसरी बार आमने-सामने होंगे। 2022 में इंग्लैंड ने जीत हासिल की थी, वहीं 2024 में भारत विजयी रहा। अब 5 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दोनों के बीच दूसरा सेमीफाइनल शाम 7 बजे से शुरू होगा।

अब सीओई में कोच के तौर पर तेज गेंदबाजों को निखारेंगे जहीर

नई दिल्ली। पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। जहीर को बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में तेज गेंदबाजों को कोचिंग देने की जिम्मेदारी दी गयी है। जहीर को ऑस्ट्रेलिया के ट्रॉय कूली की जगह पर कोच बनाया गया है। कूल का चार साल का कार्यकाल समाप्त हो गय है। वह अब इंग्लैंड टीम के तेज गेंदबाजी विशेषज्ञ कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। जहीर कोचिंग भूमिका निभाने को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह पहले आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट के कोच रहे हैं। ऐसे में उन्हें कोचिंग का अच्छा अनुभव है। माना जा रहा है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र को देखते हुए जहीर को गेंदबाजों

के निखारने की जिम्मेदारी दी गयी है। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह सभी मैच नहीं खेल सके थे, जिससे टीम का संतुलन कमजोर पड़ा था। तब मोहम्मद सिराज ने गेंदबाजी की कमान संभाली थी पर बोर्ड चाहता है कि उसके पास बेहतर तेज गेंदबाजों का एक पूल होना चाहिये जो किसी भी प्रकार के कठिन हालातों पर नियंत्रण कर सके। नवंबर 2026 में न्यूजीलैंड दौरे को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम अपनी तेज गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर बनाना चाहती है। इसके अलावा चयन समिति की नजरें घरेलू क्रिकेट के उभरते सितारों पर भी है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में जम्मू-कश्मीर के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले आकिब नबी पर भी उसकी नजरें हैं।

बावुमा को दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिताब जीतने की उम्मीदें

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर टेम्बा बावुमा इस बार टी20 विश्वकप में अपनी टीम के प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। वावुमा को उम्मीद है कि इस बार उनकी टीम खिताब अवश्य जीतेगी। दक्षिण अफ्रीका को आज सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से खेलना है। टीम पिछले बार उपविजेता रही थी। तब उसे फाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। बावुमा ने कहा कि उनकी टीम ने अपनी सभी कमजोरियों को दूर कर लिया है और वह विश्वकप जीतने की प्रबल दावेदार है। साथ ही कहा कि टीम के पास हर क्षेत्र में मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी हैं। बावुमा ने कहा है कि अब तक बल्लेबाज एडेन मारक्रम, डेविड मिलर और तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। कप्तान ने कहा, मैं इस विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के प्रदर्शन से काफी उत्साहित हूं। टीम खेल के हर पहलू में काफी मजबूत है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी में कोई कमी नहीं है और खिलाड़ी खिताब जीतने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में

न्यूजीलैंड से खेलना होगा। बावुमा का मानना है कि टीम को अहमदाबाद और दिल्ली में खेलने के बाद नये शहर के हालातों से तालमेल बिठाना होगा। उन्होंने कहा, टीम की अगली चुनौती सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड का सामना करना है। यह मैच कोलकाता में होगा और टीम को वहां के हालातों से तालमेल बिठाना होगा। हमने वहां हाल ही में टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया है। उम्मीद है टीम अपनी लय को जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि विश्व कप का फाइनल अहमदाबाद है और उनकी टीम वहां के हालातों को जानती है। बावुमा ने कहा, हम अगर न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे तो टीम को अहमदाबाद में खेलने का लाभ मिल सकता है। टीम ने अपने ज्यादातर मैच अहमदाबाद में खेले है और मुझे लगता है उनका शिविर भी वहीं लगा था। वे वहां के हालातों के अभ्यस्त हैं और अगर वे फाइनल में जाते हैं तो उससे उन्हें फायदा होगा। दक्षिण अफ्रीका के अधिकतर खिलाड़ियों ने इस विश्व कप में महत्वपूर्ण अवसरों पर अच्छा प्रदर्शन कर टीम पर दबाव को हावी नहीं होने दिया है। बावुमा ने कहा कि उनकी टीम के सभी खिलाड़ी अच्छी लय में हैं। एडेन मारक्रम जिम्मेदारी से टीम का नेतृत्व करने के साथ बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर मिसाल कायम कर रहे हैं। इसका टीम पर काफी असर पड़ता है। तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी कमाल रहे हैं। उनके पास मैच में कभी भी विकेट निकालने की क्षमता है। वह धीमी गेंदों का शानदार तरीके से इस्तेमाल कर रहे हैं। रेयान रिकेल्टन और डेविड मिलर भी बेहतरीन लय में हैं। मारक्रम ने इस विश्व कप के सात मैचों में 175 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 268 जबकि रिकेल्टन ने 171.42 की स्ट्राइकरेट से 228 रन बनाये हैं। मिलर ने 158 के स्ट्राइक रेट और 84 की औसत से 168 रन बनाये है जिसमें भारत के खिलाफ 35 गेंद में 63 रन की आक्रामक पारी शामिल है।

मध्य-पूर्व में हवाई क्षेत्र बंद होने से वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे टीम की स्वदेश वापसी टली

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें टी20 विश्व कप 2026 से बाहर होने के बाद भी भारत से स्वदेश नहीं लौट सकीं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कई देशों ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, जिससे उनकी वापसी टल गई है। वेस्टइंडीज को रविवार को मेजबान भारत के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वह सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी। वहीं जिम्बाब्वे सुपर 8 चरण में अपने सभी तीन मुकाबले हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के चलते खाड़ी क्षेत्र के कई देशों में हजारों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इससे दुनिया के व्यस्ततम ट्रांजिट हब प्रभावित हुए हैं और अंतरराष्ट्रीय यात्राएं बाधित हुई हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा, 'जिम्बाब्वे पुरुष टीम भारत में सुरक्षित है। टीम की वापसी दुबई होते हुए निर्धारित थी, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों के कारण यात्रा स्थगित कर दी गई है।' क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि वह खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए खेल की वैश्विक संस्था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ मिलकर काम कर रहा है। दुबई मुख्यालय वाली आईसीसी ने पहले ही अपने कर्मियों के लिए वैकल्पिक योजना सक्रिय करने की बात कही थी, क्योंकि कई अधिकारी दुबई के रास्ते अपने-अपने देशों को लौटने वाले थे।

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच दुबई में फंसी पीवी सिंधु सुरक्षित भारत लौटीं

नई दिल्ली। भारतीय स्टार शटलर पीवी सिंधु खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण दुबई में फंसे रहने के बाद मंगलवार को सुरक्षित भारत लौट आईं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु पिछले शनिवार से दुबई में रुकी हुई थीं, जब वह ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए यात्रा कर रही थीं। हालात बिगड़ने के कारण उन्हें इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से नाम वापस लेना पड़ा। सिंधु ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'बेंगलुरु में घर वापस आकर सुरक्षित हूं। पिछले कुछ दिन बेहद तनावपूर्ण और अनिश्चित रहे लेकिन घर लौटकर बेहद राहत महसूस हो रही है। इस कठिन समय में हमारी मदद करने वाली ग्राउंड टीम, दुबई प्रशासन, एयरपोर्ट स्टाफ, इमिग्रेशन अधिकारियों और हर उस व्यक्ति का दिल से धन्यवाद, जिन्होंने हमारी देखभाल की। उनकी संवेदनशीलता और पेशेवर रवैया शब्दों से परे है। फिलहाल आराम कर आगे की योजना पर विचार करूंगी।' सिंधु अपनी टीम और इंडोनेशियाई कोच इरवांशाह आदि प्रातामा के साथ दुबई में थीं। रविवार को दुबई एयरपोर्ट के पास उनके ठहरने के स्थान के नजदीक विस्फोट की घटना के बाद उन्हें एहतियातन सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया था। सिंधु को टूर्नामेंट के पहले दौर में थाईलैंड की खिलाड़ी सुपानिदा कातेथोंग से मुकाबला करना था। गौरतलब है कि शनिवार को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया। इसके जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिससे क्षेत्र के कई हिस्सों में हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ।

टी20 विश्वकप के शीर्ष पांच बल्लेबाजों और गेंदबाजों में केवल एक-एक भारतीय

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारत सहित चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में अब तक लीग स्तर से लेकर सुपर-8 तक के मुकाबलों को देखें तो अब तक पांच बल्लेबाजों और पांच गेंदबाजों का इस टूर्नामेंट में दबादबा रहा है। इन शीर्ष पांच बल्लेबाजों में एक ही भारतीय सूर्यकुमार यादव हैं। वहीं पांच गेंदबाजों में भारत के एकमत्र वरुण चक्रवर्ती भी शामिल है। शीर्ष 5 बल्लेबाजों की बात करें तो पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान नंबर एक पर हैं। उन्होंने 6 मैचों में 383 रन बनाए हैं हालांकि पाकी टीम हार के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। वहीं दूसरे नंबर पर ब्रायन बेनेट हैं, जिन्होंने जिम्बाब्वे के लिए 292 रन बनाए

हैं और उनकी टीम भी इस टूर्नामेंट से हार हो गयी है। तीसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम हैं, जो 268 रन बना चुके हैं। उनकी टीम सेमीफाइनल में है और ऐसे में उनके पास और आगे जाने का अवसर है। चौथे नंबर पर वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर हैं, जिन्होंने 248 रन बनाए हैं पर उनकी भी टीम बाहर हो चुकी है। पांचवें नंबर पर 231 रनों के साथ सूर्यकुमार यादव हैं। सूर्या शीर्ष 5 में एकमात्र भारतीय हैं और टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने से उनके पास ओर रन बनाने का अवसर है। सबसे अधिक विकेट लेने की सूची में अमेरिक के शैडली वैन शाल्कविक हैं उनकी टीम सुपर-8 तक भी नहीं पहुंची पर उनके नाम चार मैचों में सबसे अधिक 13 विकेट हैं। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजारबानी के नाम 6 मैचों में 13 विकेट हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं उनकी टीम भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। तीसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी हैं, उनके नाम 12 विकेट हैं और सेमीफाइनल में भी टीम पहुंची है।

वही भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी 12 विकेट लेकर इस सूची में शामिल हैं। भारतीय टीम भी सेमीफाइनल में है उनके विकेटों की संख्या बढ़ना तय है। पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के कोर्बिन बोस हैं, उनके नाम 11 विकेट हैं और उनकी टीम भी सेमीफाइनल में पहुंची है।

पाक के पूर्व क्रिकेटर आमिर ने भारतीय टीम के प्रदर्शन पर उठाये सवाल

लाहौर। टी20 विश्वकप से बाहर हुई पाकिस्तान टीम के पूर्व खिलाड़ी भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने से चिढ़े हुए हैं। इसका अंदाजा इसी से होता है कि पाक के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद आमिर ने भारतीय टीम के समीफाइनल में पहुंचने के बाद भी उसके प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं पर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा की है। आमिर ने विश्वकप शुरु होने से पहले कहा था भारतीय टीम सेमीफाइन में नहीं पहुंच पायेगी। उन्होंने तब कहा था कि भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं है और उसके कई कमजोर पक्ष है जिससे वह अंतिम चार में नहीं पहुंच पायेगी पर पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी लेकिन आमिर की ये भविष्यवाणी गलत साबित हो गयी। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर उनका मजाक उड़ रहा है। वहीं आमिर ने सैमसन की नाबाद 97 रन की

पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की पारी खेलना आसन नहीं होता। आमिर के अनुसार सैमसन की कठिन हालातों में खेली पारी से भारतीय टीम जीती पर इसके बाद भी सेमीफाइनल उसके लिए आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि एक शानदार पारी टीम की कमजोरियों को समाप्त नहीं कर सकती। आमिर के अनुसार भारतीय टीम की फील्डिंग अच्छी नहीं है उसने मैच के दौरान कई कैच छोड़े हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य गेंदबाजों ने काफी अधिक रन दिये हैं।

अभिषेक को मनोज तिवारी ने दी नसीहत

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेट मनोज तिवारी ने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की खराब बल्लेबाजी पर नाराजगी जतायी है। अभिषेक विश्वकप कप में अब तक एक ही मैच में रन बना पाये हैं। वहीं अन्य चार मैचों में असफल रहे हैं। तीन बार तो वह खाता भी नहीं खोल पाये हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम सुपर-8 मुकाबले में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह एक बार फिर आते ही बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे। इसी को देखते हुए तिवारी का कहना है कि अभिषेक अपने छोटे से करियर में स्टार तो बन गए हैं, मगर अगर उन्हें सुपर स्टार बनना है तो टीम को अधिक से अधिक मैच जिताने होंगे। तिवारी ने कहा, 'वह इतने कम समय में ही स्टार बन गया है पर अगर उसे सुपरस्टार बनना है, तो उसे टीम के लिए और मैच जीतने होंगे। आज के समय में कड़ी प्रतिस्पर्धा है टीम के पास कई मैच विजेता खिलाड़ी हैं, इसलिए उसे उनसे

आगे रहना होगा। मेरा मतलब ये नहीं है कि कोच और टीम प्रबंधन उससे नाराज हैं, और उसे अगले गेम के लिए बेंच पर बैठा देंगे। उसे वह आज़ादी दी गई है।' साथ ही कहा, 'जब आप अपने विकेट की कीमत नहीं लगाते, तो आप ऐसे ही खराब शॉट खेलकर आउट होते हैं। उसे अब अपनी मानसिकता बदलते हुए ये तय करना होगा कि किन गेंदों पर खेलना है और किन पर नहीं। उसे विरोधी गेंदबाजों को कुछ सम्मान तो देना ही होगा। हमें हम अपना अंदाज बदलने को नहीं कर रहे केवल उसे संतुलित रखने को कह रहे हैं।

भारत-इंग्लैंड सेमीफाइल मैच में गैफनी और पालेकर होंगे फील्ड अंपायर, मुंबई में होगा मुकाबला, भारत के नितिन पहले सेमीफाइनल में थर्ड अंपायर होंगे

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल 5 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। आईसीसी ने दोनों सेमीफाइनल के लिए मैच अंपायर और ऑफिशियल्स की घोषणा कर दी है। भारत के मुकाबले में ऑन-फील्ड अंपायर क्रिस गैफनी और अल्लाहुद्दीन पालेकर होंगे। वहीं, रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले पहलो सेमीफाइनल में फील्ड अंपायर होंगे। जबकि थर्ड अंपायर भारत के नितिन मेनन होंगे।

पहला सेमीफाइनल- साउथ अफ्रीका-न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला सेमीफाइनल आज कोलकाता में खेला जाएगा, जहां साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमें आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले में ऑन-फील्ड अंपायर की जिम्मेदारी रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ संभालेंगे, जबकि थर्ड अंपायर नितिन मेनन होंगे। फोर्थ अंपायर के रूप में रॉड टकर मौजूद रहेंगे और मैच रेफरी की भूमिका जवागल श्रीनाथ निभाएंगे।

दूसरा सेमीफाइनल- दूसरा सेमीफाइनल भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मार्च को मुंबई में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में

ऑन-फील्ड अंपायर क्रिस गैफनी और अल्लाहुद्दीन पालेकर होंगे, जबकि थर्ड अंपायर की जिम्मेदारी एड्रियन होल्डस्टॉक संभालेंगे। चौथे अंपायर के रूप में पॉल राइफल मौजूद रहेंगे और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट होंगे।

गैफनी भारत के मैच में अंपारिंग कर चुके : दोनों टीमें 2024 में भी सेमीफाइनल में आमने-सामने हुई थीं, जहां भारत ने 68 रन से शानदार जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में भी क्रिस गैफनी अंपायर की भूमिका में मौजूद थे। मौजूदा टूर्नामेंट में अब तक गैफनी भारत के साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबलों में भी ऑन-फील्ड अंपायर रह चुके हैं।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 04 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

प्रवीण मसालेवाले ने मुगल किचन से प्रेरित होकर सुहाना नूर रेंज को लॉन्च किया

पुणे। भारत की मसालों और फूड सॉल्यूशंस कंपनियों में से सबसे तेजी से बढ़ती एक कंपनी, प्रवीण मसालेवाले ने सुहाना नूर को लॉन्च करके अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। यह मिश्रित मसालों की एक नई रेंज है जिसे घर पर खाना बनाते समय पारंपरिक मुगलई खाने के असली स्वाद को फिर से बनाने के लिए विकसित किया गया है।

भारतीय खाना 8000 से ज़्यादा सालों के इतिहास में कई तरह के प्रभावों से बना एक मिला-जुला रूप है। देश की रसोई की विरासत पुरानी सभ्यताओं से आती है, जिस पर बाद के सालों में पश्चिमी एशियाई और फ़ारसी संस्कृति का असर हुआ है, जिसके बाद मुग़ल और ब्रिटिश प्रभाव पड़े। सालों से, मुग़लई खाना भारतीय खाने का एक जरूरी हिस्सा बन गया है चाहे वह कोरमा और करी, टिक्का और कबाब के रूप में हो, या बहुत पसंद की जाने वाली बिरयानी के अलग-अलग रूपों में हो। मुगलई खाने का असली मजा धीमी आंच पर खाना पकाने की प्रक्रिया और परतदार ग्रेवी में है, जिससे खाने में मजा आता है। लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि इसमें इस्तेमाल होने वाले मसालों का मिश्रण, जो अलग-अलग व्यंजनों के असली स्वाद को जिंदा रखने के लिए बहुत जरूरी है। सुहाना नूर का मकसद उपभोक्ताओं को मसालों की ऐसी रेंज देना है, जिससे वे घर पर मुगलई खाने की सबसे प्रचलित डिश तैयार कर सकें और उनके असली स्वाद का अनुभव भी बरकरार रहे। यह रेंज उन उपभोक्ताओं के लिए लाई गई है जो मुगलई डिश बनाना और खाना पसंद करते हैं, लेकिन बाजार में अभी मौजूद दूसरे मसालों के मुकाबले ज़्यादा प्रमाणित स्वाद चाहते हैं। सुहाना नूर खास उत्पादों की एक रेंज को पेश करता है जो मुगल किचन की क्लासिक रेसिपीज को फिर से बनाती है। इस रेंज में बिरयानी, ग्रेवी और स्टार्टर के लिए समर्पित मिश्रण शामिल हैं, जैसे शाही बिरयानी मसाला, बॉम्बे बिरयानी मसाला, सिंधी बिरयानी मसाला, चिकन कोरमा मसाला, मटन कोरमा मसाला, कड़ाही मसाला, अचार गोश्त मसाला, डालचा/दाल गोश्त मसाला, निहारी मसाला, शामी कबाब मसाला और सीख कबाब मसाला। मुगलई किचन की शान और सदियों पुरानी खाने की परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए, हर मसाले का मिश्रण कंपनी की खोज और अनुसंधान टीम द्वारा दो साल से ज़्यादा की गहन रिसर्च के बाद सोच-समझकर बनाया गया है। इस प्रोसेस में मुगलई इतिहास, क्षेत्रीय खाना पकाने की शैलियों की गहन पड़ताल और विशेषज्ञों से सलाह शामिल थी ताकि खाने के शाही स्वाद को सही तरीके से फिर से बनाया जा सके। सिर्फ़ सबसे बेहतरीन सामग्री को हाथ से चुना गया है, जिसमें बिरयानी जैसे खास मिश्रणों को सूखे आलूबुखारे जैसे खास तत्वों से भरपूर किया गया है - यह एक ऐसी सामग्री है जिसका इस्तेमाल पारंपरिक रूप से स्वाद में गहराई और हल्की मिठास जोड़ने के लिए किया जाता है। पूरी रेंज कंपनी की अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं में बनाई जाती है, जो विरासत को आधुनिक गुणवत्ता मानकों के साथ सहजता से मिलाती है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, प्रवीण मसालेवाले के स्ट्रैटेजी, मार्केटिंग और फाइनेंस के निर्देशक श्री विशाल चोरडिया ने कहा, 'सुहाना में, हमने हमेशा इलाकाई स्वाद के हिसाब से उत्पाद तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया है, चाहे वह हमारी गुजरात स्पेशल रेंज हो या कर्नाटक स्पेशल उत्पाद। खास तरह के खाने के लिए मसालों के मिश्रण की मांग बढ़ रही है, खासकर नॉन-वेजिटेरियन डिशेज के लिए जो आजकल घरों में ज़्यादा बनाई जा रही है।

पश्चिम एशिया के तनाव से भारत की विकास दर पर असर पड़ने की आशंका, बीएमआई की रिपोर्ट में दी गई चेतावनी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव से दुनिया भर की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका बन गई है। इस सैन्य तनाव के कारण भारत के इकोनॉमिक ग्रोथ पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है। फाइनेंशियल इनफॉरमेशन सर्विस मुहैया कराने वाली और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेटिंग जारी करने वाली एजेंसी फिच ग्रुप की इकाई बीएमआई ने अपनी ताजा रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया के सैन्य तनाव के कारण भारत का आर्थिक विकास प्रभावित हो सकता है। इसके साथ ही इस जियो पॉलिटिकल टेंशन के कारण निवेशकों का सेंटीमेंट भी प्रभावित हो सकता है। ऐसा होने से यूरोपीय यूनियन समेत कई देशों के साथ हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) और अमेरिका के साथ होने वाली संशोधित ट्रेड डील से भारत को मिलने वाला लाभ भी आंशिक रूप से प्रभावित हो सकता है। बीएमआई की ताजा इंडिया आउटलुक रिपोर्ट में अगले वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर का अनुमान सात प्रतिशत के स्तर पर ही बनाए रखा है। एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2026 में अभी तक नीतिगत अनिश्चितता तुलनात्मक तौर पर नियंत्रण में रही है, लेकिन अब अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध शुरू हो जाने तथा ईरान द्वारा खाड़ी के देशों पर जवाबी हमला करने की वजह से हालात तेजी से बदलते हुए नजर आ रहे हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशिया के सैन्य तनाव के कारण नीतिगत अनिश्चितता बढ़ सकती है। इस संघर्ष में जैसे-जैसे तेजी आएगी, वैसे-वैसे नीतिगत अनिश्चितता में भी और तेजी आएगी। इससे दुनिया भर में निवेशक हतोत्साहित होंगे, जिसका असर भारत में होने वाले निवेश पर भी साफ-साफ पड़ेगा। निवेश में गिरावट आने से यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार समझौते से मिलने वाले संभावित लाभ पर भी असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को अमेरिका और

इजरायल ने ईरान पर लगातार हमले किए। इसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई समेत कई प्रमुख नेताओं की मौत हो गई। इस हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों तथा दुबई और दोहा जैसे ग्लोबल बिजनेस हब को भी ड्रोन और मिसाइल हमले के जरिए निशाना बनाया। इसके अलावा ईरान ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से गुजरने वाले माल वाहक जहाजों को भी संभावित हमले की चेतावनी दी है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज नाम का यह जलडमरूमध्य पूरी दुनिया में कच्चे तेल की सप्लाई के लिए प्रमुख मार्ग माना जाता है। बीएमआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर हॉर्मुज से होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई ठप होती है, तो इससे एनर्जी सेक्टर काफी प्रभावित होगा। खासकर, कच्चे तेल की कीमत में जोरदार इजाफा हो सकता है। ऐसा होने पर भारत की आर्थिक विकास दर में 0.50 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। करीब 33 किलोमीटर लंबे स्टेट ऑफ हॉर्मुज के रास्ते से दुनिया के बड़े हिस्से का कच्चा तेल गुजरता है। पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने के बाद ईरान ने माल वाहक जहाजों को इस रास्ते से दूर रहने की चेतावनी दी है। इस चेतावनी के बाद बीमा कंपनियां ने भी इस रास्ते से गुजरने वाले माल वाहक जहाजों से इंश्योरेंस कवरेज वापस लेने का ऐलान किया है, जिसकी वजह से भारत समेत कई देशों के लिए इस रास्ते से होकर गुजरने वाले तेल टैंकर की आवाजाही भी प्रभावित हुई है।

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज पर जीएसटी चोरी करने के मामले में 4.24 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज पर आपूर्ति किए गए सामान का 'गलत क्लासिफिकेशन' दर्शाकर जीएसटी चोरी करने के मामले में 4.24 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कंपनी को कुल 6.37 करोड़ रुपये का नोटिस जारी किया गया है। कंपनी ने कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। ब्रिटानिया ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि यह आदेश केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) और केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, ठाणे कार्यालय की ओर से जारी किया गया है। ये मामला वित्त वर्ष 2020-21 से 2023-24 के बीच का है। कंपनी ने कहा कि इस नोटिस का उसके कारोबार या वित्तीय स्थिति पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। साथ ही कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वह इस आदेश के खिलाफ कानूनी कदम उठाएगी। कंपनी को यह आदेश सीजीएसटी और सेंट्रल एक्साइज कमिश्नर के ऑफिस से जीएसटी एक्ट के सेक्शन 74 के तहत दिया गया है, जिसमें आपूर्ति किए गए सामान के 'गलत क्लासिफिकेशन' के कारण कर का भुगतान न करने का आरोप है। विभाग ने कंपनी से 2.12 करोड़ रुपये कर और 4.24 करोड़ रुपये जुर्माना जमा करने को कहा है। इस तरह कुल 6.37 करोड़ रुपये की मांग की गई है। इसके अलावा कंपनी को ब्याज भी देना होगा।

बॉलीवुड समाचार

मनीष मल्होत्रा ने तैयार किया नया आउटफिट

अपनी टाइमलेस डिजाइनिंग और बारीक कारीगरी के लिए पहचाने जाने वाले फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने हाल ही में एक नया आउटफिट तैयार किया है। यह ड्रेस फिल्म कभी खुशी कभी गम के लोकप्रिय गाने बोले चूड़ियां में करीना कपूर द्वारा पहने गए आइकॉनिक ड्रेस से प्रेरित है। यह ड्रेस दो दशक बाद भी पॉप कल्चर का अहम हिस्सा बनी हुई है और भारतीय शादियों में आज भी इसके लुक को फॉलो किया जाता है। मनीष मल्होत्रा ने इस नए वर्जन की ड्रेस के लिए मॉडल के रूप में अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा देवगन को चुना। उन्होंने न्यासा की तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की, जिसमें वह इस नए आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। मनीष ने पोस्ट में लिखा कि 2001 में रिलीज हुई करण जौहर की फिल्म ने भारतीय शादियों में संगीत की परंपरा को नई पहचान दी और बोले चूड़ियां गाना आज भी उतनी ही शिद्दत से याद किया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्षों से उनके यहां इस गाने से प्रेरित आउटफिट तैयार किए जाते रहे हैं। इन्हें मॉडल अनीता कुमार से लेकर दुनिया भर के कई ग्राहकों ने पहना है। अब साल 2025-26 के नए कलेक्शन में न्यासा देवगन का यह लुक खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अपने करियर को याद करते हुए मनीष ने कहा कि उन्होंने 1990 में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग से शुरुआत की थी। फिल्मों के लिए डिजाइन किए गए उनके कई लुक बाद में आम भारतीय फैशन का हिस्सा बने और अलग-अलग पीढ़ियों में नई स्टाइल प्रेरणा बनकर उभरे। इसी वजह से उनके डिजाइन हमेशा टाइमलेस और यादगार माने जाते हैं। फिल्म कभी खुशी कभी गम में करीना कपूर का ग्लैमरस किरदार पॉपुलर कल्चर का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उनके डांस, डायलॉग और स्टाइलिश आउटफिट आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते हैं।

'डकैत: एक प्रेम कथा' का रोमांटिक ट्रैक 'रूबरू' रिलीज

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर स्टारर आगामी एक्शन-थ्रिलर डकैत: एक प्रेम कथा का नया रोमांटिक गाना 'रूबरू' सोनी म्यूजिक साउथ के यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया। गाने की शुरुआत जेल की घंटी की आवाज से होती है, जिसके बाद जेल के भीतर कैदियों और जेलर के बीच घटता एक छोटा-सा दृश्य दिखाया जाता है। इसी माहौल के बीच धीरे-धीरे फिल्म के लीड कलाकारों की एंट्री होती है और उनका रोमांटिक ट्रैक गाने को एक नया रंग देता है। वीडियो में मृणाल ठाकुर को एक अमीर खानदान की लड़की के रूप में दिखाया गया है, जबकि अदिवि शेष एक साधारण और गरीब परिवार के युवक की भूमिका निभा रहे हैं। गाने में मृणाल का छुपकर अदिवि से मिलना और अदिवि का हर पल उनका इंतजार करना कहानी को भावनात्मक गहराई देता है। दोनों कलाकारों की सहज और स्वाभाविक केमिस्ट्री ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। रिलीज के कुछ ही घंटों के भीतर यूट्यूब पर आए लाखों व्यूज और कमेंट्स यह साबित करते हैं कि दर्शकों ने इस रोमांटिक अंदाज को खूब पसंद किया है। फैंस न सिर्फ अदिवि और मृणाल की ऑन-स्क्रीन बॉन्डिंग की तारीफ कर रहे हैं, बल्कि मृणाल ठाकुर के लुक ने भी सभी का ध्यान खींचा है। 'रूबरू' के बोल भास्कर भाटला रविकुमार ने लिखे हैं। गाने को भीम्स सेसिरोलियो और चिन्मयी श्रीपदा ने आवाज दी है तथा संगीत भी भीम्स सेसिरोलियो ने ही तैयार किया है।फिल्म डकैत: एक प्रेम कथा का निर्देशन शेनिल देव ने किया है। कहानी एक ऐसे प्रेमी जोड़े के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें युवक अपनी प्रेमिका से हुए विश्वासघात के बाद बदले की राह पकड़ लेता है। फिल्म में निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगे। गाने और ट्रेलर की लोकप्रियता के बाद दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और फैंस बेसब्री से इसके इंतजार में हैं।

बच्चों को सिखाएं नहीं, करके दिखाए : दीया मिर्जा

दीया मिर्जा देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंचों पर पर्यावरण संरक्षण के विषयों पर खुलकर बोलती रही हैं। दीया ने बताया कि उन्होंने अपने बच्चों समायरा और अव्यान को पर्यावरण संरक्षण सिखाया नहीं है, बल्कि करके दिखाया है। दीया बताती हैं कि उनका 5 साल का बेटा भी इस बात को बखूबी समझता है कि सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करना है और क्यों नहीं करना है। वह आज की Gen Z पीढ़ी को 'भावुक, लेकिन समझदार' मानती हैं। 'रहना है तेरे दिल में' फेम एक्ट्रेस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के खतरों के प्रति भी सचेत करती हैं। हैदराबाद में पैदा हुईं 44 साल की दीया तर्क देती हैं कि कैसे एआई एक पूरी जनरेशन की सोच को बर्बाद कर सकता है और कर रहा है। दीया मिर्जा अपने बेटे अव्यान को लेकर वह कहती हैं, 'मेरा बच्चा जानता है कि सिंगल यूज प्लास्टिक अच्छी नहीं है। हाल ही में मेरा बेटा किसी बच्चे की बर्थडे पार्टी में गया था, उन्होंने ढेर सारे प्लास्टिक के गुब्बारे लगाए हुए थे। बाघ के रूप वाला एक प्लास्टिक का गुब्बारा लगा हुआ था, जो वो दिखा रहा था। वहीं मौजूद होस्ट ने कहा कि बेटा आप ले जाओ, तो उसने तुरंत कहा, 'अंकल ये प्लास्टिक का बना हुआ है, मैं इसे लेकर नहीं जाऊंगा। तो मेरे लिए ये एक छोटी सी जीत है। इतने छोटे बच्चे को इस बात का ख्याल और समझ है, क्योंकि उसको आसान तरीके से समझाया गया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है, तो वो उसे प्रयोग ना करे।'

मेरी चॉइस और एक्शन, उसे खुद बताते हैं कि उसे क्या चुनना चाहिए

जब दीया से पूछा गया कि वह बच्चों को प्रकृति से प्रेम करना कैसे सिखाती हैं? तो जवाब में उन्होंने कहा, 'मैं अपने बच्चे को कुछ सिखा नहीं सकती, बस करके दिखा सकती हूं। मेरी चॉइस और मेरा एक्शन, उसे खुद बताते हैं कि उसे क्या चुनना चाहिए और उसका क्या करना सही होगा।'

खाना खाने के बाद भगवान और किसान को थैंक यू कहता है

दीया मिर्जा आगे बताती हैं, 'वो देखता है कि मैं पागलों की तरह हर जगह अपना वैक्यूम बोतल साथ लेकर पहुंच जाती हूं। उसे पता है कि हमारे घर में जो सारा कचरा जमा होता है उससे घर में कम्पोस्ट बनता है और उसका प्रयोग किया जाता है। उसे पता है कि अगर कोई चीज टूट जाती है, तो उसे ठीक किया जा सकता है। खाना खाने के बाद वह भगवान और किसान को धन्यवाद कहता है। ये ही नहीं जिसने उसका खाना बनाया है उसे भी थैंक्यू बोलता है। तो उसे ये सब आता है।'

एआई एक पूरी जनरेशन को बर्बाद कर सकता है

आज एआई को लेकर खूब चर्चा होती है। क्या एआई पर्यावरण संरक्षण में कोई अहम रोल निभा सकता है? इस बारे में वह कहती हैं, 'मुझे लगता है कि सोशल इम्पेक्ट में एआई अच्छा रोल अदा कर सकता है, अगर उसे जिम्मेदारी के साथ प्रयोग किया जाए। क्योंकि हम देख रहे हैं कि एआई को किस गैर जिम्मेदारी के साथ प्रयोग किया जा रहा है। मेरी चिंता ये भी है कि एआई कैसे एक पूरी पीढ़ी को बर्बाद कर देगा। बच्चे उसका वैसा प्रयोग नहीं कर रहे हैं, जैसा आप और हम करते हैं। एआई हर जवाब, हर चीज एक सेकेंड में बनाकर दे देता है। ऐसे में वह कैसे खुद के दिमाग से कुछ सीखेंगे। वह खुद से सोचने की क्षमता को खो सकते हैं।'

एआई से बनाई मेरी फोटो देखकर दहशत में आ गई थी

एआई के खतरों के बारे में दीया मिर्जा एक पर्सनल घटना के बारे में भी बताती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे किसी ने मेरे फोटोज भेजे, जो मैंने खुद आजतक नहीं देखे, जो मेरे साथ कभी शूट ही नहीं हुए। उन्होंने बेसिकली मेरा चेहरा, किसी और की बॉडी पर लगा दिया था। एक पूरी छवि क्रिएट की। जिसे देखकर मेरे दिल में दहशत पैदा हो गई। ये बहुत खतरनाक है। हमें इसको लेकर कानून बनाने की जरूरत है, ऐसा कानून जो एआई से हमारी प्राइवेसी और हमारी पहचान को सुरक्षित कर सके। क्योंकि एआई कुछ भी कर सकता है हमारी आवाज, शेप और पूरी पहचान को चुरा सकता है। तो ये एक बहुत बड़ी समस्या है।'

Gen Z बहुत भावुक और समझदार पीढ़ी है

आज के दौर में Gen Z को लेकर काफी चर्चा होती है। कोई इस पीढ़ी को तेज दिमाग का बताता है तो कोई मिलेनियल्स के मुकाबले कमजोर कहता है। इस जनरेशन के बारे में दीया मिर्जा का क्या सोचना है? वह थोड़ी देर हंसती हैं, फिर कहती हैं, 'Gen Zzzzz....ये जनरेशन बहुत इंटरेस्टिंग है, बहुत भावुक पीढ़ी है, बहुत जल्दी अपनी भावना का समर्थन भी करते हैं, जो कि बहुत अच्छी बात है। क्योंकि मेंटल हेल्थ और इमोशन को लेकर उनकी समझ हमसे ज्यादा अच्छी है। मैंने ऐसे बहुत से Gen Z के साथ इंट्रैक्ट किया है, जो सॉल्यूशन को ढूंढने और समस्या को सुलझाने के लिए बहुत कमिटेड हैं। लेकिन ऐसे भी Gen Z हैं, जो शॉर्टकट चाहते हैं, सब कुछ फटाफट चाहते हैं और जिसमें उन्हें बहुत जद्दोजहद नहीं करनी पड़े, उस काम को करने पर जोर देते हैं। उनमें किसी चीज को भी लेकर संयम नहीं है। (हंसते हुए) मेरे एक बच्चा Gen Z है और एक Alpha जनरेशन से है।'

एआई का हमारे पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ेगा

दीया इस मुद्दे पर आगे बेहद गंभीर बात कहती हैं। वह बोलीं, 'इसका हमारे पर्यावरण पर भी असर पड़ेगा। एआई के जो स्टोरेज सर्वर हैं, वो कितना ज्यादा पानी प्रयोग करते हैं। हमारा देश जो पहले से ही पानी की कमी से जूझ रहा है, उसमें अगर हम एआई के हब्स बनाने की बात सोच रहे हैं और सर्वर क्रिएट करने की बात करते हैं तो ये सब करने के लिए पानी कहां से आने वाला है? ये बहुत बड़ी चिंता की बात है। मेरा मानना है कि अगर हम साफ पानी, साफ हवा और हेल्दी फूड नहीं दे सकते हैं तो हमें इस मामले में आगे नहीं बढ़ना चाहिए।'

शादी के बाद पूजा-पाठ में जुटे रश्मिका और विजय, रिसेप्शन पार्टी 4 मार्च को

उदयपुर में 26 फरवरी को शादी रचाने के बाद अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और अभिनेता विजय देवरकोंडा अब हैदराबाद लौट आए हैं। यह नवविवाहित जोड़ा 4 मार्च को एक भव्य रिसेप्शन पार्टी आयोजित करेगा, जिसमें फिल्म जगत की कई बड़ी हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस खास आयोजन से पहले दोनों ने पारंपरिक तरीके से अपने नए जीवन की शुरुआत करते हुए धार्मिक अनुष्ठान में हिस्सा लिया। रिसेप्शन से पहले रश्मिका और विजय तेलंगाना में स्थित विजय के पैतृक गांव थुम्मनपेट पहुंचे, जहां उनके फार्महाउस पर भगवान सत्यनारायण की कथा का आयोजन किया गया। इस दौरान दोनों ने परिवार के साथ पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। सोशल मीडिया पर सामने आए

वीडियो में नवविवाहित जोड़े को एक-दूसरे का हाथ थामे गांव में प्रवेश करते देखा जा सकता है, जहां उनका पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया गया। वीडियो में विजय हल्के हरे रंग के कुर्ते में नजर आए, जबकि रश्मिका गहरे नीले रंग की रेशमी साड़ी में बेहद खूबसूरत दिखीं। गांव में दोनों की एक झलक पाने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। शादी के बाद इस तरह पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शुरुआत करना उनके परिवार और संस्कृति से जुड़ाव को दर्शाता है।

स्वास्तिका मुखर्जी की नई बंगाली फिल्म छेलेधोरा सुर्खियों में

नई बंगाली फिल्म छेलेधोरा आजकल सुर्खियों में है। यह फिल्म मां-बेटी के रिश्ते, अपराधबोध और आत्म-खोज की भावनाओं को गहराई से परखती है। फिल्म में स्वास्तिका बृष्टि नाम की तलाकशुदा महिला का किरदार निभा रही हैं, जो भावनात्मक रूप से बेहद जटिल, कमियों से भरी और असुरक्षाओं से घिरी हुई महिला है। इंडो-अमेरिकन प्रोडक्शन के तहत बनने वाली यह फिल्म आज से शूटिंग शुरू करेगी, जिसमें जानी-मानी अभिनेत्री स्वास्तिका मुखर्जी प्रमुख भूमिका निभा रही हैं।

स्वास्तिका के अनुसार, बृष्टि ऐसा किरदार है जिसे पहली नजर में हर कोई शायद पसंद न करे। वह कई बार भावनाओं में बहकर गलत फैसले लेती है, लेकिन अपनी बेटी के लिए उसका प्यार बेहद सच्चा और गहरा है।

अभिनेत्री ने कहा कि यह कहानी उन दुर्लभ पलों को दर्शाती है, जब इंसान अपनी कमजोरी के बीच छिपी वास्तविक ताकत को खोजता है। कहानी में बृष्टि अपनी बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए उसे बिना अनुमति अपने साथ ले जाती है। यह कदम वह केवल भावनात्मक आवेग में उठाती है, लेकिन इसके बाद घटनाएं अप्रत्याशित रूप से बदल जाती हैं, जब बच्ची वास्तव में किडनैप हो जाती है। इसके बाद बृष्टि एक ऐसी यात्रा पर निकलती है, जो सिर्फ अपनी बेटी की तलाश नहीं, बल्कि खुद को समझने और अपनी गलतियों का सामना करने की भी प्रक्रिया है। स्वास्तिका ने बताया कि कहानी मातृत्व के भावनात्मक संघर्षों को ही नहीं, बल्कि एक महिला की आत्म-खोज की परतों को भी उजागर करती है। कई बार माता-पिता अपनी गलतियों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन मुश्किल हालात उन्हें उनके अंदर छिपी सच्चाई से रूबरू करा देते हैं। फिल्म इन्हीं संवेदनाओं को सशक्त रूप से सामने लाती है। निर्देशक शिलादित्य मौलिक के अनुसार, छेलेधोरा माता-पिता के रिश्तों पर आधारित कहानी है, जो एक रोड जर्नी के रूप में आगे बढ़ती है।

यह सफर उतार-चढ़ाव, भावनात्मक मोड़ों और आत्म-स्वीकृति के पलों से भरपूर है। फिल्म माफी, हीलिंग और जीवन में दूसरे मौके की महत्ता को केंद्र में रखती है। मौलिक का मानना है कि कई बार बच्चे अपने माता-पिता के लिए ही नैतिक मार्गदर्शक बन जाते हैं, और यही पहलू फिल्म को अलग बनाता है। फिल्म की शूटिंग ईटानगर और जीरो वैली जैसे अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत स्थानों में होगी।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 04 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

तेंदूपत्ता बूटाकटाई कार्यशाला मानपुर में आयोजित

मोहला, प्रतिदिन राजधानी

मानपुर में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा जिला लघु वनोपज संघ द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण सीजन 2026 की तैयारियों के तहत वृहद तेंदूपत्ता शाख कर्तन बूटाकटाई प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इससे पूर्व प्रथम कार्यशाला 26 फरवरी 2026 को मोहला तहसील में सफलतापूर्वक संपन्न हुई थी। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि बसंत ऋतु में तेंदूपत्ता संग्रहण से पूर्व वैज्ञानिक पद्धति से शाख कर्तन करना अनिवार्य है। सही ऊंचाई और तकनीक से कटाई करने पर उच्च गुणवत्ता के पत्ते प्राप्त होते हैं, जिससे संग्राहकों को बेहतर पारिश्रमिक मिलता है।

वनमण्डलाधिकारी मोहला ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत दो वर्षों से मोहला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी जिले के लगभग 36 हजार संग्राहक परिवारों द्वारा प्रतिवर्ष 56 हजार मानक बोरा से अधिक तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया है। संग्राहकों के खातों में ऑनलाइन माध्यम से प्रतिवर्ष 31 करोड़ रुपये से अधिक राशि का भुगतान किया गया है। साथ ही वर्ष 2025 में संग्राहक परिवारों की महिला मुखिया को चरण पादुका भी प्रदान की गई है।

कार्यशाला में उप वनमण्डलाधिकारी मानपुर श्री सुरेश पिपरे ने वन क्षेत्रों एवं आसपास आग न लगाने तथा आग लगने की स्थिति में तत्काल नियंत्रण करने पर जोर दिया। जिला उप प्रबंध संचालक श्री योगेंद्र गांडेचा ने 15 मार्च तक अनिवार्य रूप से बूटाकटाई पूर्ण करने और प्रत्येक संग्राहक परिवार द्वारा न्यूनतम 500 गड्डी तेंदूपत्ता संग्रहण सुनिश्चित करने का आग्रह किया ताकि सभी परिवारों को लघु वनोपज संघ की बीमा एवं छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ मिल सके।

उत्तर मानपुर परिक्षेत्र अधिकारी श्री पंचराम ठाकुर ने शाख कर्तन की सही ऊंचाई एवं समय की विस्तृत जानकारी देते हुए पूर्व वर्षों में लगी आग से तेंदूपत्ता की गुणवत्ता पर पड़े प्रतिकूल प्रभावों का उल्लेख किया। उन्होंने गर्मी के मौसम में जंगल को आग से बचाने हेतु वन अमले और ग्रामीणों से संयुक्त प्रयास करने की अपील की। कार्यशाला में वनमण्डलाधिकारी मोहला, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुशीला भंडारी, उप वनमण्डलाधिकारी मानपुर, उप प्रबंध संचालक राजनांदगांव, वन सभापति मानपुर श्री बिदे नरेटी, वन विभाग के परिक्षेत्र अधिकारीए डिप्टी रेंज ऑफिसरए बीट रेंज ऑफिसर लघु वनोपज समिति प्रबंधकए फंड मुंशी सहित 320 से अधिक संग्राहक उपस्थित रहे।

18 दिवसीय सर्विस ऑन व्हील्स अभियान बना जनसेवा की मिसाल, हजारों दिव्यांगजन एवं वृद्धजन लाभान्वित

मोहला, प्रतिदिन राजधानी

जिले में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित 18 दिवसीय सर्विस ऑन व्हील्स दिव्यांगजन एवं वृद्धजन सेवा रथ अभियान ने दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में शासकीय सेवाओं की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करते हुए जनसेवा की मिसाल कायम की। अभियान के अंतर्गत जिले के तीनों विकासखंडकृमानपुर, मोहला एवं अंबागढ़ चौकी में क्लस्टर स्तरीय शिविरों और सेवा रथ के माध्यम से ग्राम–ग्राम पहुँचकर दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को उनके घर के समीप विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। सीमावर्ती एवं अंतिम छोर के गांवों तक प्रशासन की सीधी पहुँच इस अभियान की प्रमुख उपलब्धि रही।

अभियान के दौरान सेवा रथ के माध्यम से 337 डीएलसी, भौतिक सत्यापन, 209 मृत्यु प्रविष्टि 39 पलायन प्रविष्टि तथा 245 आधार सीडिंग की कार्यवाही पूर्ण की गई। वहीं वय वंदन योजना अंतर्गत 56 पंजीयन किए गए और 72 आयुष्मान कार्डों का निर्माण एवं वितरण किया गया। सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु 14 स्थानों पर नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। पात्र हितग्राहियों को 2 बैटरी ट्राइसाइकिल, 21 ट्राइसाइकिल, 17 व्हीलचेयर, 175 वॉकिंग स्टिक, 35 श्रवण यंत्र, 12 बैसाखी, 8 वॉकर, 8 कमर ध्घुटना बेल्ट, 8 डिजिटल/सेंसर स्टिक, 3 कृत्रिम पैर/कृत्रिम अंग तथा 1 मानसिक दिव्यांगजन हेतु विशेष टीएलएम किट का वितरण किया गया, जिससे उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने में मदद मिली।

इसके अतिरिक्त 21 दिव्यांगजनों से कौशल प्रशिक्षण हेतु आवेदन तथा 9 हितग्राहियों से यूडीआईडी कार्ड के लिए आवेदन प्राप्त किए गए। ग्राम स्तर पर सेवाएँ उपलब्ध होने से उन दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को विशेष राहत मिलीए जिनके लिए शासकीय कार्यालयों तक पहुँचना कठिन था। जिला प्रशासन के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाने की पहल में अधिकारी–कर्मचारी, दिव्यांग मितान जनप्रतिनिधि एवं मैदानी अमले की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आरएएमपी योजनान्तर्गत उद्यमियों के लिए इंडस्ट्री एवं बैंकर्स मीट का आयोजन 06 को

कवर्धा, प्रतिदिन राजधानी

आरएएमपी योजनान्तर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों के लिए इंडस्ट्री एवं बैंकर्स मीट का आयोजन 06 मार्च 2026 का 03.30 बजे से होटल रायल सेलिब्रेशन, रायपुर रोड, कवर्धा में किया जाएगा। बैठक में अध्यक्ष, चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, अध्यक्ष राईस मिल संघ, अध्यक्ष फ्लाई एश ब्रिक्स संघ, अध्यक्ष जिला गुड़ इकाई मालिक संघ, सर्व उद्योग प्रतिनिधि, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक, समस्त चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, उपसंचालक कृषि, सहायक संचालक उद्यानिकी विभाग, सहायक संचालक मछलीपालन विभाग, सहायक संचालक अंत्याव्यवसायी, सहायक संचालक खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, मुख्य नगर पालिका परिषद कवर्धा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन कवर्धा तथा समस्त डीआरपी की उपस्थिति में आयोजित की जाएगी।

आरएएमपी योजना, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार तथा विश्व बैंक द्वारा संयुक्त रूप से समर्थित है। योजना का उद्देश्य राज्य के एमएसएमई उद्यमों की बाजार पहुंच बढ़ाना, उद्यमिता विकास एवं क्षमता संवर्धन को सुदृढ़ करना तथा विशेष रूप से समावेशिता सुनिश्चित करते हुए जमीनी स्तर तक लाभ पहुंचाना है। आयोजित इंडस्ट्री एवं बैंकर्स मीट में उद्यमियों को बैंकिंग ऋण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही संबंधित विभागों एवं उद्यमियों द्वारा ऋण वितरण में आने वाली समस्याओं पर विस्तार से चर्चा कर समाधान की दिशा में ठोस पहल की जाएगी। सभी संबंधित उद्यमियों एवं बैंकर्स से कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रदेश के औद्योगिक विकास में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है।

रोटरी क्लब ऑफ रायपुर रॉयल का होली मिलन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर रॉयल के अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. नवीन बागरेचा ने बताया कि रोटरी क्लब ऑफ रायपुर रॉयल द्वारा हर वर्ष होली मिलन का आयोजन किया जाता है, इस वर्ष होली मिलन समारोह भाठागांव, रायपुर स्थित रिवर्स साइज फार्म हाउस में रखा गया था, जिसमें 70–80 लोगों ने भाग लिया, जिसमें समस्त रोटरी क्लब के पूर्व प्रेसिडेंट उपस्थित रहे। होली मिलन समारोह सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाया गया। रोटरी क्लब के 3261 जिलों में 115 रोटरी क्लब हैं, जिसमें पूरा छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश के कुछ भाग और उड़िशा के कुछ भाग आता है। विगत दिनों रोटरी क्लब के सदस्यों के लिए इंट्रा डिस्ट्रीक्ट रोटरी क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट का अयोजन किया गया, जिसमें रोटरी क्लब ऑफ रायपुर रॉयल चैंपियन रहा, जिसका भी सेलिब्रेशन होली मिलन समारोह में किया गया। जिसकी जानकारी रोटरी क्लब ऑफ रायपुर रॉयल के सचिव श्री अमित खण्डेलवाल ने प्रदान की है।

नशे की होलिका दहन कर दिया गया जागरूकता का संदेश

मोहला। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के मार्गदर्शन में नशामुक्ति केंद्र मोहला द्वारा होलिका दहन के पावन अवसर पर नशे की होलिका दहन कार्यक्रम आयोजित कर एक नई सामाजिक पहल की शुरुआत की गई। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित इस अभिनव कार्यक्रम में पारंपरिक होलिका दहन को सामाजिक चेतना से जोड़ते हुए गुटखा, शराब, सिगरेट, तंबाकू सहित विभिन्न नशे की सामग्रियों का प्रतीकात्मक दहन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रतीकात्मक आयोजन तक सीमित न रहकर समाज, विशेषकर युवाओं में व्यसन त्याग की दृढ़ प्रेरणा उत्पन्न करना था। आयोजन में विभागीय अधिकारी–कर्मचारी, नशामुक्ति केंद्र मोहला के हितग्राही एवं कर्मचारी सक्रिय रूप से सहभागी बने। इस अवसर पर सहायक संचालकए समाज कल्याण विभाग द्वारा उपस्थित जनसमूह को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने की विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आयोजित टीएल (समय–सीमा) बैठक में जिले के विकास कार्यों, निर्माण गतिविधियों एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि राज्य शासन द्वारा चालू वित्तीय वर्ष के बजट में जिले के विकास हेतु अनेक महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे फील्ड में जाकर स्वीकृत कार्यों का डीपीआर तैयार करें और प्रस्ताव शीघ्र स्वीकृति हेतु राज्य शासन को भेजें। 15 करोड़ रुपये से अधिक लागत के सभी निर्माण कार्यों को अनिवार्य रूप से प्रगति पोर्टल में दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए। पीएम सूर्य घर योजना की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए वार्डवार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। योजना के व्यापक प्रचार–प्रसार के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने पर जोर दिया गया। कलेक्टर द्वारा जनगणना कार्य की समीक्षा करते हुए इसे निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जिन अधिकारियों कर्मचारियों की ड्यूटी इस कार्य में लगी है, उन्हें तत्काल रिलीव करने को कहा गया निर्माण कार्यों हेतु मिट्टी–मुरूम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तालाबों से मिट्टी एवं मुरूम उठाने के निर्देश दिए गए, जिससे तालाबों का गहरीकरण होकर उनकी जलग्रहण क्षमता भी बढ़ेगी।

गरियाबंद में आबकारी टीम की बड़ी कार्रवाई, अवैध 160 बल्क लीटर कच्ची महुआ शराब एवं 900 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त

गरियाबंद, प्रतिदिन राजधानी

जिले में कलेक्टर श्री भगवान सिंह उईके के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री गजेन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में गरियाबंद जिले की आबकारी टीम द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। राजिम सर्कल अंतर्गत गश्त के दौरान बरेठिन कोना जंगल क्षेत्र से 75 बल्क लीटर अवैध कच्ची महुआ मदिरा एवं 900 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद कर जब्त किया गया। मौके पर महुआ लाहन को नष्ट किया गया। इस प्रकरण में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित 2011) की धारा 34(2) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। अज्ञात आरोपी की पतासाजी जारी है।

इसी क्रम में एक अन्य कार्रवाई में वृत्त गरियाबंद अंतर्गत गश्त के दौरान पंटोरा के जंगल में 85 बल्क लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जब्त की गई। इस प्रकरण में भी अज्ञात आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित 2011) की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों की पतासाजी जारी है।

उक्त कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री लालजी दीवान, आबकारी उपनिरीक्षक श्री नागेशराज श्रीवास्तव, रजत चंद ठाकुर, हितेश कुमार भोई, आबकारी आरक्षक पितांबर चौधरी, नगर सैनिक संजय नेताम, मनीष कश्यप, महिला नगर सैनिक हेमाबाई साहू, कल्पना ध्रुव, वाहन चालक शैलेन्द्र कश्यप तथा गोवर्धन सिन्हा शामिल थे।

एकलव्य मॉडल आवासीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तरेगांव जंगल में प्रभावी जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम आयोजन

कवर्धा, प्रतिदिन राजधानी

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिले में जनजागरूकता की दिशा में सार्थक पहल करते हुए एकलव्य मॉडल आवासीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तरेगांव जंगल में प्रभावी जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समाज कल्याण विभाग, जिला कबीरधाम के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं ग्रामीण समुदाय को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में सशक्त पहल करना था। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं को विभिन्न प्रकार के नशे तथा उससे होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ–साथ परिवार की खुशहाली और समाज की प्रगति पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा उन्हें अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

इसी क्रम में विशेष बैगा बाहुल्य क्षेत्र ग्राम छिंदपुर में भी जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैगा जनजाति के नागरिकों को सरल एवं सहज भाषा में नशे से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी गई तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए नशा त्यागने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाएं, नशा मुक्त भारत अभियान के वालेंटियर श्री चन्द्रकांत यादव एवं सुश्री ज्योति साहू सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु सतत प्रयास करने का संकल्प लिया।

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
आम ईश्तहार, खरीदी बिक्री,
नाम परिवर्तन, आवश्यकता, कोर्ट नोटिस
संपर्क करें:
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
62629 04444
ई–मेल : pratidincg@gmail.com
E-paper : https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271–46567,93298–46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस – कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294–07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेवीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269–06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13–14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1,
रायपुर, मो. 99811–30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए–5/2, शंकरनगर सेक्टर– I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271–44343, 93001–60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.–93291–00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो–94252–08899, 99263–08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल,
पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर,
रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267–01259, 62642–74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691–87165

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर
मो. 9406200210

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 4 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

बच्चों और महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में जजों को संवेदनशील होना जरूरी- जस्टिस सिन्हा

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ में अब मासूम बच्चों के साथ होने वाली दरिंदगी और मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए कोर्ट-कचहरी और पुलिस ने मिलकर कमर कस ली है। इसी कड़ी में रविवार, 1 मार्च को बिलासपुर स्थित न्यायिक अकादमी के विवेकानंद सभागार में एक बड़ी बैठक हुई।

कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रमेश सिन्हा ने दीप जलाकर की। इस मौके पर हाई कोर्ट के जज और पुलिस विभाग के बड़े अधिकारी मौजूद थे। बैठक का मकसद न्याय की पूरी प्रक्रिया को और तेज व आसान बनाना था।

अपने उद्बोधन में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने कहा कि बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों (पॉक्सो एक्ट) के मामलों में जजों को बहुत संवेदनशीलता से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि कोर्ट में ऐसा माहौल होना चाहिए जहां पीड़ित बच्चा डरे नहीं, बल्कि खुद को सुरक्षित महसूस करे। उन्होंने जोर देकर कहा कि कानून सख्त तो हो, लेकिन उसमें इंसानियत भी झलकनी चाहिए।

पुलिस अफसरों से चीफ जस्टिस ने कहा कि किसी भी केस की सबसे मजबूत कड़ी उसकी जांच होती है। अगर जांच में ढिलाई बरती गई या सबूत ठीक से नहीं जुटाए गए, तो अपराधी बच निकलेगा या किसी बेगुनाह को सजा हो जाएगी। उन्होंने जांच अधिकारियों से कहा कि उनका सबसे बड़ा धर्म सच का पता लगाना है।

सरकारी वकीलों की जिम्मेदारी तय अदालत में केस लड़ने वाले सरकारी वकीलों को भी नसीहत दी गई। चीफ जस्टिस ने कहा कि वकील का काम सिर्फ जीतना नहीं, बल्कि अदालत को सच बताने में मदद करना है। अगर वकील पूरी तैयारी के साथ नहीं आएंगे, तो लोगों का न्याय व्यवस्था से भरोसा उठ जाएगा। पुराने ढर्रे को छोड़ अब 'न्याय श्रुति', ई-समन और डिजिटल सबूतों पर ज्यादा काम होगा। इससे केसों के निपटारे में देरी नहीं होगी और काम में पारदर्शिता आएगी। चीफ जस्टिस ने आखिर में बहुत भावुक बात कही कि हर केस सिर्फ एक फाइल नहीं, बल्कि एक इंसान की कहानी है। इसलिए सभी को मिलकर पूरी ईमानदारी से काम करना होगा ताकि आम आदमी को जल्द और सही न्याय मिल सके।

शाम की सैर बनी मातम, तालाब में नहाने उतरे दो दोस्त डूबे

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

रविवार की शाम सैर-सपाटे के लिए निकले छह दोस्तों में से दो युवकों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र के अमहा तालाब की है। देर रात तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद दोनों के शव बाहर निकाले गए। पूरे इलाके में शोक की लहर है।

जानकारी के अनुसार, हिमांशु चहांदे (21), निवासी बंधवापारा और शिवम मानिकपुरी (20), निवासी देवरीखुर्द, अपने चार-पांच दोस्तों के साथ रविवार शाम बहतराई और खमतराई के बीच स्थित अमहा तालाब घूमने गए थे।

दोस्तों के मुताबिक, सभी तालाब किनारे पेड़ के नीचे बैठकर बातें कर रहे थे। करीब 4 से 5 बजे के बीच हिमांशु और शिवम ने नहाने के लिए तालाब में छलांग लगा दी।

नहाते समय दोनों युवक अचानक गहरे पानी की ओर चले गए। उन्हें तैरना नहीं आता था। कुछ ही क्षणों में वे डूबने लगे। यह देखकर उनके दोस्त घबरा गए। एक दोस्त उन्हें बचाने पानी में कूदा, लेकिन उसे भी तैरना नहीं आता था और वह भी डूबने लगा। बाकी साथियों ने किसी तरह उसे बाहर खींच लिया। जब हिमांशु और शिवम नजर नहीं आए तो आसपास के लोगों को सूचना दी गई। थोड़ी ही देर में वहां भीड़ जुट गई। घटना की जानकारी मिलते ही सरकंडा पुलिस मौके पर पहुंची। आठ सदस्यीय एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। टीम ने तालाब

में उतरकर देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया। आखिरकार दोनों युवकों के शव पानी से बाहर निकाले गए। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवाया गया है।

पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच में यह हादसा नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से हुआ है। युवकों को तैरना नहीं आता था।जानकारी के अनुसार, हिमांशु चहांदे (21), निवासी बंधवापारा और शिवम मानिकपुरी (20), निवासी देवरीखुर्द, अपने चार-पांच दोस्तों के साथ रविवार शाम बहतराई और खमतराई के बीच स्थित अमहा तालाब घूमने गए थे। दोस्तों के मुताबिक, सभी तालाब किनारे पेड़ के नीचे बैठकर बातें कर रहे थे। करीब 4 से 5 बजे के बीच हिमांशु और शिवम ने नहाने के लिए तालाब में छलांग लगा दी। जानकारी के अनुसार, हिमांशु चहांदे (21), निवासी बंधवापारा और शिवम मानिकपुरी (20), निवासी देवरीखुर्द, अपने चार-पांच दोस्तों के साथ रविवार शाम बहतराई और खमतराई के बीच स्थित अमहा तालाब घूमने गए थे।

श्मशान के पास नशे का कारोबार, ब्राउन शुगर के साथ 5 गिरफ्तार

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

मुंगेली जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन बाज' के तहत पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। जरहागांव क्षेत्र में श्मशान घाट के पास ब्राउन शुगर बेचने की तैयारी कर रहे पांच युवकों को रंगे हाथों पकड़ लिया गया। आरोपियों के पास से 53.51 ग्राम ब्राउन शुगर समेत कुल 3.81 लाख रुपये का सामान जब्त किया गया है। सभी को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा ने बताया कि रविवार को सूचना मिली कि जरहागांव निवासी समीर कश्यप अपने साथियों के साथ बाहर से लाई गई ब्राउन शुगर को श्मशान घाट के पास बेचने वाला है। सूचना मिलते ही साइबर सेल और जरहागांव थाना पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई और मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी गई। छापेमारी के दौरान पांच संदिग्धों को पकड़ा गया। तलाशी में उनके पास से पांच अलग-अलग पारदर्शी जिपर पॉलिथीन में रखी 53.51 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। इसके अलावा छह मोबाइल फोन, एक बाइक और इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन भी जब्त की गई। कुल जब्त सामग्री की कीमत लगभग 3.81 लाख रुपये बताई जा रही है। पूछताछ में मुख्य आरोपी समीर कश्यप ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के नैनी इलाके से ब्राउन शुगर खरीदता था। भुगतान नकद और फोनपे के जरिए किया जाता था। इसके बाद वह मुंगेली और आसपास के इलाकों में इसकी बिक्री करता था। इस धंधे में उसने अपने दोस्तों को भी शामिल कर लिया था। पकड़े गए आरोपियों के नाम समीर कश्यप, सियाराम कश्यप, वीरेंद्र श्रीवास, लोकेश उर्फ लकी कश्यप और रविशंकर कश्यप उर्फ बाबा बताए गए हैं। सभी जरहागांव और आसपास के रहने वाले हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक प्रसाद सिन्हा, जरहागांव थाना प्रभारी सत्येंद्र पुरी गोस्वामी सहित एएसआई, प्रधान आरक्षक और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी शामिल रहे। टीम की मुस्तैदी से यह बड़ी खेप पकड़ में आई।

सैकड़ों ने दी एकलव्य विद्यालय प्रवेश परीक्षा

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु रविवार को परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में 425 छात्र उपस्थित रहे और 38 प्रतिभागी अनुपस्थित रहे।

परीक्षा के नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर अरुण सोनकर ने बताया कि आदिवासी विकास बिकास अंतर्गत सोनाखान में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के शिक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं के प्रवेश परीक्षा हेतु पण्डित चक्रपाणि शुक्ल शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय बलौदाबाजार को परीक्षा केन्द्र बनाया गया था । परीक्षा हेतु कुल 463 छात्रों ने पंजीयन कराया था।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सूरज दास मानिकपुरी सहित अन्य अधिकारियों के द्वारा निरीक्षण किया गया।

बजट में तीन ओवरब्रिज, तीन अंडरपास और नई सड़कों की मंजूरी से चुनाव के वादे पूरे हुए

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

नगर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा है कि 2023 विधानसभा चुनाव में जो अधूरे काम पूरे करने का वादा किया था, वे लगभग पूरे हो चुके हैं और अब बजट में मिली स्वीकृतियों से बिलासपुर की तस्वीर तेजी से बदलेगी। उन्होंने दावा किया कि आने वाले कुछ सालों में शहर का स्वरूप बिल्कुल अलग नजर आएगा।

रविवार को भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अमर अग्रवाल ने बताया कि साइंस कॉलेज ऑडिटोरियम, शिवघाट और पचरीघाट बैराज जैसे लंबे समय से लंबित कार्य पूरे हो चुके हैं या अंतिम चरण में हैं।

इसके अलावा कोनी में मल्टी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को पीपीपी मोड पर शुरू करने की तैयारी है। साथ ही कैंसर इंस्टीट्यूट को भी मंजूरी मिल चुकी है और अगले छह महीनों में इसकी शुरुआत की दिशा में काम तेज होगा।

विधायक ने कहा कि राजधानी में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ हुई बैठक में शहर के समग्र विकास को लेकर जो मांगें रखी गई थीं, उनमें से

विधायक अमर अग्रवाल की पत्रकार

अधिकांश को बजट में शामिल कर लिया गया है। उन्होंने हालिया राज्य बजट को वर्ष 2047 की सोच के साथ तैयार मजबूत आधार बताया।

शहर में ट्रैफिक दबाव कम करने के लिए तीन ओवरब्रिज राजीव गांधी चौक से महामाया चौक तक, राजीव गांधी चौक से जगमल ब्लॉक तक और तारबाहर से सिरगिट्टी तक बनाए जाएंगे।

इसके अलावा जाम की समस्या से निपटने के लिए तीन अंडरपास कुदुदंड से छत्तीसगढ़ भवन, व्यापार विहार से सिरगिट्टी तथा महाराणा प्रताप चौक से गौरव पथ रोड के लिए प्रस्तावित हैं।

विधायक ने बताया कि शहर के भीतर भारी वाहनों की आवाजाही से ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए 32 किलोमीटर लंबी नेशनल हाईवे सड़क को मंजूरी दी गई है।

यह सड़क सेंदरी से बिरकोना, बहतराई, चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज और सिलपहरी से बोदरी तक बनेगी। सांसद की पहल पर केंद्रीय मंत्री द्वारा इसकी डीपीआर स्वीकृत की गई है।

अग्रवाल ने कहा कि अरपा नदी के पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए देश की एक प्रतिष्ठित कंपनी के साथ जल्द काम शुरू किया जाएगा।

उनका कहना है कि जब ये सभी परियोजनाएं जमीन पर उतरेंगी, तब बिलासपुर की पहचान और छवि दोनों बदल जाएंगी।

कॉलोनी में रास्ते को लेकर विवाद में महिला से अभद्रता, बिल्डर गिरफ्तार

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

सरकंडा क्षेत्र की एक ईडब्ल्यू आवासीय कॉलोनी में प्रवेश मार्ग को लेकर चल रहा विवाद अब पुलिस कार्रवाई तक पहुंच गया है। महिला से गाली-गलौज, धक्का-मुक्की और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में सरकंडा पुलिस ने रविवार को बिल्डर गौरव तिवारी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आईटी एक्ट समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, कॉलोनी में बने ईडब्ल्यूएस आवास परिसर के आने-जाने के रास्ते को लेकर बिल्डर, नगर निगम और स्थानीय रहवासियों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। इस संबंध में नगर निगम आयुक्त को भी शिकायत दी गई थी। इसी बीच 24 फरवरी को दोपहर करीब 12-30 बजे गौरव तिवारी कुछ नगर निगम कर्मचारियों के साथ कॉलोनी पहुंचा। आरोप है कि इस दौरान गार्डों से बदसलूकी की गई और जबरन अंदर घुसने की कोशिश की गई।

शिकायतकर्ता महिला ने पुलिस को बताया कि सूचना मिलने पर वह अपने बेटे के साथ मौके पर पहुंची। वहां नगर निगम के आदेश की प्रति दिखाने को लेकर कहासुनी हुई।

महिला का आरोप है कि उसी रात करीब 8 बजे, जब कॉलोनी के मंदिर में आरती की तैयारी चल रही थी, तब फिर से गौरव तिवारी वहां पहुंचा और उसे जान से मारने की धमकी दी। साथ ही हाथ पकड़कर धक्का देने और अपशब्द कहने का भी आरोप लगाया गया है। महिला ने अपनी शिकायत में यह भी कहा है कि पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो आरोपी ने अपने फेसबुक अकाउंट पर डाला, जिसमें कथित तौर पर गाली-गलौज और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया। सरकंडा थाना पुलिस ने महिला की लिखित शिकायत के आधार पर गाली-गलौज, मारपीट, धमकी और आईटी एक्ट की धाराओं में अपराध दर्ज किया।

विकास और समृद्धि की नई दिशा - उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने सोमवार को कोरबा जिले के विकास को नई गति देने के उद्देश्य से 21 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। ग्राम कनबेरी में अग्रसेन गौसेवा समिति के पास आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने की।

मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना से न केवल सड़क कनेक्टिविटी बढ़ी है, बल्कि दूरस्थ जनजातीय समुदायों के सामाजिक विकास, आर्थिक भागीदारी और जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज हुआ है। यह पहल पीवीटीजी समुदायों के सशक्तिकरण की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि आज ग्राम में मुख्यमंत्री गौरव पथ का निर्माण कार्य प्रारंभ होने जा रहा है। इन सभी कार्यों से दूरस्थ क्षेत्र के आवागमन को अभूतपूर्व गति मिलेगी। सड़कों और पुल-पुलियों के निर्माण से वर्षा ऋतु में ग्रामीण अंचल का किसी भी प्रकार का संपर्क बाधित नहीं होगा।

मंत्री देवांगन ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी वर्गों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी योजनाएँ बनाते हैं, ताकि प्रत्येक हितग्राही तक अधिकतम लाभ पहुँच सके। यही कारण है कि आज प्रत्येक योजना का लाभ पात्र लोगों तक निर्बाध रूप से पहुँच रहा है।

कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाजपा सरकार समग्र और समान विकास की नीति पर कार्य कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रत्येक क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से अब कोई भी क्षेत्र विकास से वंचित नहीं रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री जनमन योजना और मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के अंतर्गत कुल 21.35 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि से आठ वृहद पुलों तथा सड़क निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 20.92 करोड़ रुपये की लागत से कई महत्वपूर्ण पुलों का निर्माण शामिल है। ये पुल रामपुर विधानसभा के कोरबा विकासखण्ड के लेमरू-देवपहरी मार्ग, डोकरमना मेन रोड, बगबुड़ा रोड, बताती-बांसाखार मार्ग और पतरापाली-धानकछार मार्ग पर स्थित गौमुखी, चिंगराडांड, गड़गड़ा, कोटगसरा और पेंसारी नाला जैसे स्थलों पर निर्मित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त पाली- तानाखार विधानसभा के पोड़ी-उपरोड़ा विकासखण्ड में कटघोरा-अंबिकापुर मार्ग से बहरीझरिया मार्ग के कोठीझुंझा नाला पर 278.72 लाख रुपये की लागत से एक वृहद पुल की गई है। मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के अंतर्गत कटघोरा विकासखण्ड में पंचराम घर से हीरालाल घर तक 500 मीटर लंबी सीसी सड़क और नाली निर्माण का कार्य किया जाएग।

इंडिगो-स्पाइसजेट बिलासपुर से उड़ान भरने को तैयार

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने इंडिगो और स्पाइसजेट के अधिकारियों से सीधे संपर्क कर उन्हें बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट पर शुरू हुई नाइट लैंडिंग सुविधा की जानकारी दी है। समिति का दावा है कि अब तकनीकी रूप से बिलासपुर से नियमित और ज्यादा उड़ानें शुरू करना पूरी तरह संभव है।

फिर मांग उठी खुली निविदा

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इंडिगो के पास 40 से अधिक एटीआर-72 विमान हैं और स्पाइसजेट के पास 25 से ज्यादा बॉम्बार्डियर क्यू 400 विमान उपलब्ध हैं। ये दोनों प्रकार के विमान 1500 मीटर लंबे रनवे पर आराम से उड़ान भर सकते हैं।

ऐसे में अगर एयरलाइंस इच्छुक हों तो बिलासपुर से कई शहरों के लिए सीधी फ्लाइट शुरू की जा सकती है। समिति ने केंद्र सरकार की कंपनी एलायंस एयर पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि कंपनी के पास लगभग 20 एटीआर विमान हैं, लेकिन आधे मेंटेनेंस के कारण खड़े रहते हैं। ऐसे में बिलासपुर, अंबिकापुर और जगदलपुर-तीनों जगह नियमित सेवा देना मुश्किल हो जाता है।

समिति का आरोप है कि जब दूसरे राज्यों में मांग बढ़ती है, तो छत्तीसगढ़ की उड़ानें घटा दी जाती हैं। भोपाल और इंदौर की फ्लाइट बंद होने और प्रयागराज की उड़ानें चार दिन से घटाकर दो दिन करने को इसी का उदाहरण बताया गया।

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने राज्य सरकार से मांग दोहराई है कि सभी एयरलाइंस को खुली निविदा (ओपन टेंडर) के जरिए आमंत्रित किया जाए। जो कंपनी बेहतर देने का प्रस्ताव रखे, उसी को सब्सिडी दी जाए। समिति का कहना है कि प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी तो यात्रियों उड़ानें मिलेंगी। हवाई सुविधा को लेकर समिति का महाधरना लगातार जारी है। इसमें शहर के कई सामाजिक और व्यावसायिक प्रतिनिधि शामिल हुए। आंदोलनकारियों का कहना है।

शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करें-कलेक्टर

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभागीय कार्यों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों के मैदानी क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित की जाए। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धि की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह शासन की महत्वाकांक्षी योजना है और इसके क्रियान्वयन में गंभीरता आवश्यक है। जिन हितग्राहियों ने किश्त प्राप्त करने के बावजूद आवास निर्माण कार्य में रुचि नहीं दिखाई है, उनकी सूची संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में संचालित उद्योगों में बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं। ऐसे में औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी एसडीएम को समस्त औद्योगिक इकाइयों की सतत जांच एवं निगरानी करने तथा साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही नेटवर्क विहीन क्षेत्रों की सूची उपलब्ध कराने को कहा गया, ताकि वहां मोबाइल टावर स्थापना की आयुष्मान कार्ड पंजीयन एवं पीवीसी तथा सत्यापन की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि जिन खातों में लंबे समय से लेन-देन नहीं हुआ है या जिनकी केवाईसी अद्यतन नहीं है, उनकी पहचान कर संबंधित बैंक शाखाओं के समन्वय से शीघ्र सक्रिय कराया जाए। उन्होंने राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान भू-अभिलेख अद्यतीकरण, लैंड बैंक का भौतिक सत्यापन तथा राजस्व अभिलेख दुरुस्ती की प्रगति की जानकारी और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना एवं एनपीएस ट्रेडर्स योजना के अंतर्गत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के पंजीयन की भी समीक्षा की गई।

दीदियों ने रचा सफलता का रंग, 5 क्विंटल उत्पादन में 4 क्विंटल की बिक्री

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

जिले में इस बार होली का रंग कुछ खास है। रासायनिक रंगों की जगह प्राकृतिक और हर्बल गुलाल ने बाजार में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। इस सकारात्मक बदलाव की अगुवाई कर रही हैं लैलूंगा क्षेत्र की स्व-सहायता समूहों की महिलाएं, जिन्होंने जैविक और सुरक्षित गुलाल तैयार कर आर्थिक सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश की है।जिला कलेक्टोरेट परिसर में लगाए गए स्टॉल पर अधिकारियों, कर्मचारियों और बाहर से आए ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक हर्बल गुलाल की खरीदी की। प्राकृतिक रंगों की गुणवत्ता और सुरक्षा को देखते हुए लोगों में विशेष आकर्षण देखा गया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका

मिशन के तहत संचालित दिव्या स्व-सहायता समूह सलखिया एवं संतोषी स्व-सहायता समूह रूडूकेला की महिलाओं ने मिलकर पूरी तरह प्राकृतिक तत्वों से हर्बल गुलाल तैयार किया है। हल्दी, चुकंदर, लालभाजी, पालक भाजी, परसा फूल, संतरे के छिलके, लेमनग्रास तथा अन्य रंग-बिरंगे फूलों से तैयार यह गुलाल पूरी तरह रासायनिक मुक्त है और त्वचा के लिए सुरक्षित है।

महिलाओं ने लगभग एक माह पूर्व इस सीजनेबल व्यवसाय की शुरुआत की। त्योहारी मांग को ध्यान में रखते हुए 5 क्विंटल हर्बल गुलाल का उत्पादन किया गया, जिसमें से अब तक 4 क्विंटल की बिक्री हो चुकी है। जनपद पंचायत लैलूंगा परिसर में भी स्टॉल लगाकर अच्छी बिक्री की गई थी। वहीं कलेक्टोरेट परिसर में भी बड़ी संख्या में खरीदारों ने उत्साह दिखाया। एक दिन में हजारों रुपए का कारोबार कर समूह की महिलाओं का आत्मविश्वास और बढ़ गया है।

कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने स्टॉल का अवलोकन कर महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। स्व-सहायता समूहों को विभिन्न आयमूलक गतिविधियों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। इस प्रकार के नवाचार न केवल महिलाओं की आय बढ़ाते हैं, बल्कि समाज को सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी प्रदान करते हैं।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार 04 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

आरएवी ने नई दिल्ली में 'अग्निकर्म' और 'रक्त-मोक्षण' पर राष्ट्रीय स्तर का व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया

- एनसीआईएसएम, एआईआईए, सीएआरआई और प्रमुख आयुर्वेदिक संस्थानों के प्रख्यात विशेषज्ञ दो दिवसीय कार्यक्रम में शामिल हुए
- गहन व्यावहारिक सत्रों और लाइव प्रदर्शनों ने 'पैरा-सर्जिकल' आयुर्वेदिक उपचारों में नैदानिक दक्षता को मजबूती दी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (आरएवी) ने 26-27 फरवरी 2026 को नई दिल्ली स्थित पश्चिम पंजाबी बाग के धनवंतरी भवन के एआईएसी सेमिनार हॉल में अग्निकर्म और रक्त-मोक्षण पर दो दिवसीय गहन व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा पद्धति के क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. मुकुल पटेल, अध्यक्ष, चिकित्सा मूल्यांकन एवं रेटिंग बोर्ड फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एमएआरबीआईएसएम), राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा आयोग (एनसीआईएसएम), नई दिल्ली; डॉ. हेमंत पाणिग्राही, प्रभारी निदेशक, केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), नई दिल्ली; डॉ. रवि गोगिया, चिकित्सा अधिकारी, एमसीडी ज्ञानचंद जोशी आयुर्वेदिक पंचकर्म अस्पताल, नई दिल्ली; डॉ. चंद्रमौलीस्वरन पी., प्रधानाचार्य, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं अस्पताल, कोयंबटूर; तथा डॉ. संतोष भट्टेड, पंचकर्म विभागाध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली शामिल थे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को गहन व्यावहारिक अनुभव, प्रत्यक्ष नैदानिक प्रदर्शन तथा आयुर्वेद की विशिष्ट पैरा-सर्जिकल चिकित्सा पद्धतियों - अग्निकर्म और रक्त-मोक्षण - की गहरी समझ प्रदान करना था। इन सत्रों को चिकित्सकों और शोधकर्ताओं के बीच व्यावहारिक कौशल और नैदानिक क्षमता को बढ़ाने के लिए जिडजाइन किया गया था।

इस पहल ने सहभागी पेशेवरों की नैदानिक क्षमताओं को काफी मजबूत किया है और आयुर्वेदिक शिक्षा, कौशल विकास तथा पारंपरिक चिकित्सीय पद्धतियों के संवर्धन के प्रति राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ की निरंतर प्रतिबद्धता को दोहराया है।

विश्व वन्यजीव दिवस पर प्रधानमंत्री ने वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, संस्कृत में सुभाषितम् साझा किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि विश्व वन्यजीव दिवस हमारी पृथ्वी को समृद्ध बनाने वाली और हमारे पारिस्थितिक तंत्र को कायम रखने वाली अद्भुत जीव विविधता का उत्सव मनाने का दिन है। उन्होंने कहा कि यह वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए काम करने वाले सभी लोगों को सम्मानित करने और उनके संरक्षण, टिकाऊ प्रथाओं और प्राकृतिक निवास की रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है ताकि वन्यजीव फलते-फूलते रहें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि भारत में विश्व के कुछ सबसे अद्भुत वन्य प्राणियों का निवास है और उनका पालन-पोषण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भारत में बाघों की विश्व की 70% से अधिक और साथ ही एक सींग वाले गैंडों की सबसे बड़ी आबादी पायी जाती है तथा एशियाई हाथियों की अधिकतम संख्या भी यहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत विश्व का एकमात्र ऐसा स्थान है जहां जंगल के राजा एशियाई शेरों की संख्या बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री ने इस बात का उल्लेख किया कि सरकार ने वन्यजीवों के संरक्षण के लिए अनेक प्रयास किए हैं। इनमें अन्य देशों के साथ सर्वोत्तम तौर-तरीकों को साझा करने के लिए एक अद्वितीय मंच के रूप में अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस की स्थापना शामिल है। इसके अतिरिक्त, अन्य प्रयासों में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, घड़ियाल और स्लॉथ बियर के संरक्षण के उद्देश्य से की गई पहल के साथ-साथ चीतों का स्थानांतरण भी शामिल है।

प्रधानमंत्री ने भारत के सांस्कृतिक लोकाचार पर बल देते हुए कहा कि हमारे शास्त्र सभी जीवित प्राणियों के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं और वन्यजीव संरक्षण के साथ-साथ उनके प्रति संवेदनशीलता को प्रेरित करते हैं। उन्होंने इस अवसर पर संस्कृत का नीतिपरक श्लोक साझा किया जिसमें कहा गया है-

'निर्वनो वध्यते व्याघ्रो निर्व्याघ्रं छिद्यते वनम्। तस्माद् व्याघ्रो वनं रक्षेद् वनं व्याघ्रं च पालयेत्॥'

उक्त सुभाषितम् का संदेश यह है कि जंगलों के बिना बाघ विलुप्त हो जाते हैं और बाघों के बिना जंगल नष्ट हो जाते हैं। इसलिए, बाघ जंगल की रक्षा करते हैं और जंगल बाघ की रक्षा करते हैं जो प्रकृति में परस्पर गहरी निर्भरता को रेखांकित करता है।

मोदी ने X पर अपने कई पोस्टों की श्रृंखला में कहा-

विश्व वन्यजीव दिवस हमारी पृथ्वी को समृद्ध बनाने और हमारे पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखने वाली अद्भुत जीव विविधता का उत्सव मनाने का दिन है। यह वन्यजीवों की सुरक्षा की दिशा में काम करने वाले सभी लोगों को सम्मानित करने का दिन है। हम संरक्षण, टिकाऊ प्रथाओं और आवासों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं ताकि हमारे वन्यजीव फलते-फूलते रहें।

हमें इस बात पर गर्व है कि भारत में विश्व के कुछ सबसे अद्भुत वन्य प्राणी पाए जाते हैं। विश्व में 70% से अधिक बाघों का निवास हमारे यहां है। हमारे यहां एक सींग वाले गैंडों की सबसे बड़ी आबादी और एशियाई हाथियों की अधिकतम संख्या भी है। भारत विश्व का एकमात्र ऐसा स्थान है जहां वनराज एशियाई शेर फल-फूल रहे हैं।

एनडीए सरकार ने वन्यजीव संरक्षण के लिए कई प्रयास किए हैं। इनमें अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस की स्थापना शामिल है जो अन्य देशों के साथ सर्वोत्तम तौर-तरीकों को साझा करने के लिए एक अद्वितीय मंच है। अन्य प्रयासों में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, घड़ियाल, स्लॉथ बियर की सुरक्षा और चीतों का स्थानांतरण शामिल हैं।

'आज विश्व वन्यजीव दिवस है। हमारे शास्त्रों में सभी जीवों के कल्याण की कामना की गई है। उनसे हमें प्राणियों के संरक्षण के साथ-साथ उनके प्रति संवेदनशील होने की प्रेरणा भी मिलती है। उसका एक उदाहरण यह है...

निर्वनो वध्यते व्याघ्रो निर्व्याघ्रं छिद्यते वनम्।

तस्माद् व्याघ्रो वनं रक्षेद् वनं व्याघ्रं च पालयेत्॥"

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अट्टुकल पोंगल के अवसर पर केरल की बहनों और माताओं को दी शुभकामनाएं

अट्टुकल अम्मा का आशीर्वाद सभी के जीवन को समृद्धि से परिपूर्ण करे और सभी मनोकामनाएं पूर्ण हों

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज अट्टुकल पोंगल के पावन अवसर पर केरल की बहनों और माताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

X पर जारी एक पोस्ट में श्री अमित शाह ने कहा, "अट्टुकल पोंगल के पावन अवसर पर केरल की हमारी बहनों और माताओं को हार्दिक शुभकामनाएं। पोंगल अर्पित करने के लिए जब वे एकत्रित होती हैं, तो मैं प्रार्थना करता हूं कि उनकी प्रार्थनाएं सभी पर अट्टुकल अम्मा का आशीर्वाद बरसाएं, प्रत्येक जीवन को समृद्धि से भर दें और सभी मनोकामनाएं पूर्ण करें।"

मध्य पूर्व में बदलती स्थिति के बीच भारत पूरी तरह तैयार – ऊर्जा आपूर्ति मजबूत

- कच्चे तेल और पेट्रोलियम की विविधीकृत खरीद; 24×7 नियंत्रण कक्ष द्वारा आपूर्ति स्थिति की निगरानी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में उथल-पुथल की स्थिति और वैश्विक ऊर्जा स्थिति में हो रहे बदलावों को ध्यान में रखते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने मौजूदा परिस्थितियों में देश की तैयारियों के बारे में मीडिया को अवगत कराया।

जानकारी के अनुसार-भारत वैश्विक स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादों का तीसरा सबसे बड़ा आयातक, चौथा सबसे बड़ा शोधक और पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक है। देश में कच्चे तेल और पेट्रोल, डीजल और एटीएफ सहित प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार है, जिससे मध्य पूर्व से उत्पन्न होने वाली अल्पकालिक समस्याओं का निदान किया जा सके।

यह भी बताया गया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाकर अपनी आबादी के लिए ऊर्जा की उपलब्धता और सामर्थ्य सुनिश्चित की है। भारतीय ऊर्जा कंपनियों के पास अब ऐसे ऊर्जा स्रोतों तक पहुंच है जो होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर नहीं गुजरते। ऐसे कार्गो उपलब्ध रहेंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान आपूर्ति में अस्थायी रूप से होने वाली रुकावटों को दूर करने में मदद करेंगे।

देश भर में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति और स्टॉक की स्थिति पर लगातार नज़र रखने के लिए मंत्रालय ने 24×7 नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। वर्तमान में, सरकार के पास पर्याप्त स्टॉक है। भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लगातार निगरानी के आधार पर, सरकार को उम्मीद है कि यदि आवश्यक हुआ तो स्थिति को और सुधारने के लिए चरणबद्ध तरीके अपनाए जा सकते हैं।

जीपीएस कार निकोबार में मछुआरा समुदाय का जीवन बदल रहा है

नई दिल्ली। कार निकोबार में मछुआरों के लिए शुरू किए गए ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) उपकरणों ने कुशल और सटीक मछली पकडने की तकनीक को सक्षम बनाया है, जिससे स्थानीय लोगों के लिए मछली की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हुई है।

इससे न केवल उनके ताजे प्रोटीन और महत्वपूर्ण पोषक तत्वों के सेवन में वृद्धि हुई है, बल्कि टीटॉप गांव के श्री जुनैद और चुचुचा गांव के श्री अब्दुल सत्तार जैसे कुछ मछुआरों ने बाजारों में अपनी मछली बेचना शुरू कर दिया है, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि हुई है।

निकोबारी समुदायों का जीवन और आजीविका पारंपरिक मछली पकडने पर आधारित है। उनकी मछली पकडने की तकनीक अनुभव से परिष्कृत तो है, लेकिन समुद्र और मौसम की अप्रत्याशित प्रकृति के साथ-साथ सटीक नेविगेशन उपकरणों की कमी के कारण सीमित रही है। अक्सर, मौसम की खराबी के कारण नावें रास्ता भटक जाती हैं, जिससे उत्पादकता का नुकसान होता है और कभी-कभी जान का जोखिम भी बन जाता है।

इस चुनौती से निपटने के लिए सेंट्रल आइलैंड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के एसईईडी प्रभाग कार्यक्रम के तहत स्थानीय समुद्री वातावरण और मछली पकड़ने की पद्धतियों के अनुकूल जीपीएस उपकरण पेश किए हैं। मछुआरों को जीपीएस नेविगेशन और आधुनिक मछली पकड़ने की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया, ताकि वे जीपीएस उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें। उनकी जरूरतों और चुनौतियों का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण किए गए।

ग्लोबल डांस ओवरचर: कमानी थिएटर में आज भारत-रूस सांस्कृतिक संध्या

- संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित कोस्त्रोमा रूसी राष्ट्रीय बैले भारत और रूस के बीच दीर्घकालिक और विशेष रणनीतिक साझेदारी के एक भाग के रूप में आज कमानी थिएटर में रूस की सांस्कृतिक और शैक्षिक परियोजना ग्लोबल डांस ओवरचर प्रस्तुत करेगा।

संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। वे मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। भारत में रूस के राजदूत डेनिस एवगेनिएविच अलिपोव, संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ. संध्या पुरेचा और रूसी राष्ट्रीय बैले ₹कोस्त्रोमा₹ की निदेशक श्रीमती एलेना त्सारेन्को भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगी। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रपति के सांस्कृतिक पहल फाउंडेशन, रूसी के विदेश मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय, भारत में रूस के दूतावास और भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से किया जा रहा है।

कोस्त्रोमा रूसी राष्ट्रीय बैले इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के एक भाग के रूप में रूसी राष्ट्रीय नृत्य शो के कोरियोग्राफिक प्रदर्शन की प्रस्तुति करेगा। यह रूस का सबसे बड़ा ऐतिहासिक कार्यक्रम है। पांच महाद्वीपों के 50 देशों के सत्तर लाख से अधिक दर्शक इसकी प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हो चुके हैं। बैले के मुख्य कोरियोग्राफर और रूस के सम्मानित कलाकार यूरी त्सारेन्को ने इसकी रचना की है। यह कार्यक्रम दर्शकों को देश की विविधता की गहरी जड़ों और लोक परंपराओं से परिचित कराता है। रंगों, वेशभूषा और प्रामाणिक कोरियोग्राफी के जीवंत संयोजन के माध्यम से यह प्रदर्शन रूस की ऐतिहासिक और राष्ट्रीय विविधता को प्रदर्शित करता है जिसमें खूबसूरत धूप से सराबोर काकेशस, बुर्यातिया, साइबेरिया, सुदूर उत्तर और रूस के मध्यवर्ती भागों के लोगों की नृत्य संस्कृतियों को प्रस्तुत किया जाता है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने डोल जात्रा और डोला पूर्णिमा के अवसर पर पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम के लोगों को शुभकामनाएं दीं

- भक्ति और रंगों का यह पर्व सभी के जीवन को उत्तम स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि से परिपूर्ण करे
- भगवान कृष्ण के साथ आनंदमय मिलन का यह पर्व सभी के लिए सुख और सौभाग्य लेकर आए
- इस पर्व की भव्यता हमारी संस्कृति और विरासत से हमारी जड़ों के जुड़ाव को और सुदृढ़ करे

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज डोल जात्रा और डोला पूर्णिमा के पावन अवसर पर पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

X पर किए गए सिलसिलेवार पोस्ट में अमित शाह ने कहा, "डोल जात्रा के अवसर पर पश्चिम बंगाल की मेरी बहनों और भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएं। इस पर्व की भव्यता हमारी संस्कृति और विरासत से हमारी जड़ों को जोड़कर और सुदृढ़ करे तथा सभी के जीवन में सुख और समृद्धि लेकर आए।"

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, "डोल पूर्णिमा के अवसर पर ओडिशा के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान कृष्ण के साथ आनंदमय मिलन का यह पर्व सभी के लिए सुख और सौभाग्य लेकर आए।"

अमित शाह ने कहा "डोल जात्रा के पावन अवसर पर असम की मेरी बहनों और भाइयों को शुभकामनाएं। भक्ति और रंगों का यह पर्व सभी के जीवन को उत्तम स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि से परिपूर्ण करे।"

संसदीय कार्य मंत्रालय ने "सेवा संकल्प प्रस्ताव" पर बैठक की; सचिव ने अधिकार-भाव से सेवा भाव की ओर बदलाव का आह्वान किया

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा ₹सेवा तीर्थ₹ में अपनी पहली बैठक में अपनाए गए ₹सेवा संकल्प प्रस्ताव₹ के अनुसरण में, संसदीय कार्य मंत्रालय ने संसद कार्य मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में 02 मार्च 2026 को सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की एक बैठक बुलाई।

बैठक की शुरुआत में, ₹सेवा संकल्प प्रस्ताव₹ पढ़ा गया। इसके बाद, इसके मार्गदर्शक सिद्धांतों और मंत्रालय के जनादेश के संदर्भ में उनके कार्यान्वयन पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

अधिकारियों को संबोधित करते हुए सचिव ने लोक प्रशासन में ₹अधिकार की भावना₹ से ₹सेवा की भावना₹ की ओर परिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक निर्णय और कार्रवाई के केंद्र में नागरिक ही रहने चाहिए और शासन समर्पण, सत्यनिष्ठा और जवाबदेही से प्रेरित होना चाहिए।

सचिव ने श्रद्धा भाव (ईमानदारी और समर्पण की भावना) के साथ आधिकारिक कर्तव्यों का निर्वाह करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला और अधिकारियों को इस तरह से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया कि वे एक स्थायी संस्थागत विरासत छोड़ सकें।

विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में विभिन्न क्षेत्रों में पिछले 12 वर्षों में हासिल की गई विभिन्न उपलब्धियों पर चर्चा की गई। सरकारी विभागों में किए जा रहे विभिन्न संरचनात्मक परिवर्तनों और सुधारों पर विचार-विमर्श किया गया।

चर्चाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही, समयबद्ध तरीके से कार्यों का निपटान और संसदीय और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में प्रभावी समन्वय को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

अधिकारियों ने संकल्प में परिकल्पित विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में सेवा और नागरिक-केंद्रित शासन की भावना को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

अमेरिका-इस्त्राइल-ईरान टकराव पर भारत की नजर, विदेश मंत्रालय ने बताया- राष्ट्रीय हित में लिए जा रहे फैसले

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि 28 फरवरी 2026 को ईरान और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष शुरू होने के बाद ही भारत ने गहरी चिंता जताई थी। उस समय भी सभी पक्षों से संयम बरतने और हालात न बिगाड़ने की अपील की गई थी। मंत्रालय ने कहा कि रमजान के पवित्र महीने में हालात और बिगड़े हैं और संघर्ष दूसरे देशों तक फैलता दिख रहा है।

क्षेत्रीय अस्थिरता पर चिंता

बयान में कहा गया कि लगातार हमलों से जानमाल का नुकसान बढ़ा है और सामान्य जीवन तथा आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं।

भारत इस क्षेत्र का नजदीकी पड़ोसी है और यहां की सुरक्षा व स्थिरता से उसके सीधे हित जुड़े हैं। इसलिए मौजूदा घटनाक्रम भारत के लिए चिंता का विषय है।

भारतीयों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

विदेश मंत्रालय ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र में लगभग एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं। उनकी सुरक्षा और भलाई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हाल के हमलों में कुछ भारतीयों की मौत और लापता होने की खबरें भी आई हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास लगातार समुदाय के संपर्क में हैं और समय-समय पर एडवाइजरी जारी कर रहे हैं।

प्राकृतिक रंग, पर्यावरण के अनुकूल होली उत्सव: पर्यावरण संरक्षण मंत्रालय (ईएफसीसी) के पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण क्लबों में पर्यावरण के अनुकूल होली अभियान का आयोजन किया गया

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम (ईईपी) के अंतर्गत, मिशन लाइफ के अनुरूप सुरक्षित और लंबे समय तक बने रहने वाले समारोह उत्सवों को बढ़ावा देने के लिए इको-क्लबों में पर्यावरण के अनुकूल होली के रंग तैयार करने की कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा हैं।

व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से, छात्र खाने योग्य और पत्तेदार सब्जियों का उपयोग करके प्राकृतिक रंग तैयार करना सीख रहे हैं। हरा रंग ताजी पत्तेदार सब्जियों से, लाल रंग चुकंदर से, पीला रंग हल्दी से और नारंगी रंग पलाश से प्राप्त होता है। ये रंग पूरी तरह से रसायनों और हानिकारक पदार्थों से मुक्त हैं, जिससे उत्सवों का आयोजन लोगों और पर्यावरण दोनों के लिए सुरक्षित रहता है।

यह अभियान पर्यावरण क्लबों में तेज़ी से गति पकड़ रहा है, छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा में शामिल कर रहा है और उन्हें लंबे समय तक चलने वाली समारोह और प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। कृत्रिम रंगों के स्थान पर जैव अपघटनीय विकल्पों का उपयोग करके, युवा शिक्षार्थी अपने समुदायों में पर्यावरण के प्रति होने वाले उत्सवों में ज़िम्मेदारी निभा रहे हैं।

यह कदम इस बात पर रोशनी डालता है कि किस प्रकार सरल, प्रकृति-आधारित समाधान त्योहारों को जीवंत, आनंदमय और पर्यावरण के अनुकूल बना सकते हैं।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार 4 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

प्रेम और सद्भाव के रंगों से सराबोर हो होली मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएँ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कामना की है कि यह उल्लास, उमंग और आत्मीयता का महापर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और नई ऊर्जा का संचार करे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि यह आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे को सशक्त बनाने का अवसर है। यह पर्व समाज में समरसता, सद्भाव और एकता की भावना को प्रगाढ़ करता है तथा हमें सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे

बढ़ने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में होली का विशेष महत्व है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय, अहंकार पर विनम्रता की जीत और वैमनस्य पर प्रेम की प्रधानता का संदेश देता है। होली के रंग हमें स्मरण कराते हैं कि विविधताओं से परिपूर्ण हमारे समाज की वास्तविक शक्ति परस्पर विश्वास, अपनत्व और सामूहिक सहयोग में निहित है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे इस पर्व को हर्षोल्लास, संयम और पारंपरिक मर्यादाओं के साथ मनाएँ। प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दें तथा समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के साथ भी इस उत्सव की खुशियाँ साझा करें।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के रंगों से सजी यह होली छत्तीसगढ़ की एकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

होली के पावन पर्व पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने दी प्रदेशवासियों को बधाई

चारामा और भानुप्रतापपुर में नई इकाइयों के गठन की घोषणा

चेम्बर संगठन के विस्तार का हुआ शंखनाद

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर प्रदेश के समस्त व्यापारी बंधुओं, उद्योगपतियों और आम जनमानस को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की है कि यह त्यौहार सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और आपसी सद्भाव के नए रंग लेकर आए।

होली की शुभकामनाओं के साथ ही, प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने व्यापारिक हितों को मजबूती देने और

संगठन की पहुंच को जमीनी स्तर तक बढ़ाने के उद्देश्य से चेम्बर संगठन के विस्तार की एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने चारामा और भानुप्रतापपुर में नई चेम्बर इकाइयों के गठन का निर्णय लिया है ताकि नई इकाइयों के गठन से स्थानीय व्यापारियों को एक सशक्त मंच मिलेगा, जिससे उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण हो सकेगा।

श्री थौरानी ने आगे कहा कि होली आपसी प्रेम और एकता का प्रतीक है। इसी एकता के मंत्र को व्यापारिक जगत में चरितार्थ करने के लिए हम चेम्बर का विस्तार कर रहे हैं। चारामा और भानुप्रतापपुर की नई इकाईयां हमारे संगठन की शक्ति को और बढ़ाएंगी।

चेम्बर के पदाधिकारियों और प्रदेश के व्यापारी जगत ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे व्यापारिक एकता की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बीती रात बिलासपुर में किया होलिका दहन, प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बीती रात बिलासपुर के बाबजी कॉलोनी में विधि–विधान से होलिका दहन कार्यक्रम में कॉलोनी वासियों के साथ शामिल हुए। इस पावन अवसर पर उन्होंने रंग–गुलाल लगाकर सभी को होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक इस पर्व पर उन्होंने कामना करते हुए कहा कि होलिका दहन की पवित्र अग्नि हम सभी के जीवन से ईर्ष्या, द्वेष और नकारात्मकता का अंत कर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करे। साथ ही, प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के माध्यम से समाज में एकता को और अधिक सशक्त बनाने का संदेश दिया।

90 वर्षीय चाका बाई पुनः सुन सकती है जीवन की मधुर ध्वनि

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में श्रवणदोष से पीड़ित चाका बाई को मिला श्रवण यंत्र

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

90 वर्षीय चाका बाई की चेहरे से झलकती मुस्कराहट बता रही है कि उनके जीवन में खुशियां फिर से लौट आई है। उम्र के इस दौर में शारीरिक परेशानियों का आना स्वाभाविक है और ऐसे समय में की गई सहायता बुजुर्गों के लिए बड़ी सहारा बनती है। ठीक से सुनाई नहीं देने की समस्या से जूझ रही चाका बाई मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय पहुंची। उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें उनकी परेशानियों का समाधान यहां पर अवश्य मिलेगा और हुआ भी ऐसा ही, कैंप कार्यालय से उन्हें तत्काल मदद मिली और उसे श्रवण यंत्र प्रदान किया गया।

जशपुर जिले के ग्राम पंचायत जामचुआं, तहसील कुनकुरी निवासी चाका बाई ठीक से सुनाई नहीं देने की समस्या से जूझ रही थी। उन्होंने कैंप कार्यालय में आवेदन देकर अपनी समस्याओं को साझा किया। कैंप कार्यालय ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उनके आवेदन पर त्वरित कार्यवाही की और उन्हें श्रवण यंत्र प्रदान किया।

श्रवण यंत्र पाकर चाका बाई ने अपनी प्रसन्नता जाहिर की और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को आशीर्वाद दिया है। गरीबों को मदद करने की संवेदनशील सोच और समय पर उनका काम बन सके, इसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बगिया में कैंप कार्यालय की नींव रखी, जहां कई जरूरतमंदों को सही समय में मदद मिल रही है।

रंगों में घुले प्रेम और सौहार्द का त्योहार है होली : मंत्री राजवाड़े

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने संदेश में कहा है कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह पर्व हमारे जीवन में नई ऊर्जा, उल्लास और सकारात्मकता का संचार करता है तथा भेदभाव मिटाकर सभी को एक सूत्र में पिरोने का संदेश देता है।उन्होंने कामना की कि यह होली सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। साथ ही उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि त्योहार मनाते समय प्राकृतिक रंगों का उपयोग करें, जल संरक्षण का ध्यान रखें तथा पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने में अपना सक्रिय सहयोग दें।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि पारंपरिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ मनाई गई होली ही सच्चे अर्थों में आनंद और सौहार्द का उत्सव बनती है तथा समाज में प्रेम, भाईचारे और आपसी विश्वास को और अधिक मजबूत करती है।

प्रकृति संरक्षण और सामाजिक समरसता का संदेश देता है होली का पर्व : मंत्री केदार कश्यप

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। मंत्री श्री कश्यप ने अपने संदेश में कहा है कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह पर्व जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मकता का संचार करता है तथा सभी भेदभावों को भुलाकर एक–दूसरे के साथ मिलकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कामना की कि यह होली सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।

वन मंत्री श्री कश्यप ने प्रदेशवासियों से अपील की कि होली का पर्व प्राकृतिक एवं हर्बल रंगों के साथ मनाएँ, जल संरक्षण का विशेष ध्यान रखें तथा पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने में अपना सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि पारंपरिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ मनाई गई होली ही सच्चे अर्थों में आनंद और सौहार्द का पर्व बनती है। साथ ही उन्होंने सभी से प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सके।

संसद की विशेषाधिकार समिति में सांसद बृजमोहन अग्रवाल की नियुक्ति, छत्तीसगढ़ को मिली नई पहचान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल को संसद की अत्यंत महत्वपूर्ण विशेषाधिकार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उनके दीर्घ राजनीतिक अनुभव, संसदीय मर्यादाओं के प्रति प्रतिबद्धता तथा जनहित के मुद्दों पर उनकी सक्रियता का प्रमाण है।

समिति के अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद को दायित्व सौंपा गया है। उनके नेतृत्व में समिति संसद की गरिमा और सदस्यों के विशेषाधिकारों की रक्षा हेतु प्रभावी भूमिका निभाएगी।

संसद की विशेषाधिकार समिति का मुख्य कार्य लोकसभा एवं राज्यसभा के सदस्यों को प्राप्त विशेषाधिकारों की रक्षा करना तथा यदि किसी सदस्य के विशेषाधिकार का हनन होता है, तो उसकी जांच कर अनुशंसा प्रस्तुत करना है। यह समिति लोकतंत्र की मजबूती और संसद की प्रतिष्ठा बनाए रखने में महत्वपूर्ण कड़ी मानी जाती है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल की यह नियुक्ति न केवल रायपुर लोकसभा क्षेत्र, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। वे पूर्व में राज्य सरकार में मंत्री के रूप में प्रशासनिक दक्षता का परिचय दे चुके हैं तथा संसद में भी सदैव सक्रिय और प्रभावी भागीदारी निभाते रहे हैं।

इंडिया स्किल 2025-26 में छत्तीसगढ़ को मिली ऐतिहासिक सफलता

छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने ईस्ट ज़ोन प्रतियोगिता में जीते 12 पदक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

युवाओं की प्रतिभा, तकनीकी दक्षता एवं नवाचार क्षमता को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार का कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इंडिया स्किल प्रतियोगिता 2025–26 में छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं ने ईस्ट ज़ोन रीजनल प्रतियोगिता में 12 पदक और 04 मेडल ऑफ एक्सीलेंस अर्जित कर उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है। यह प्रतियोगिता क्रमशः चार चरणों में जिला, राज्य, रीजनल एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को वर्ल्ड स्किल्स इंटरनेशनल के अंतर्गत भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि वे राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं। राज्य सरकार कौशल विकास को प्राथमिकता देते हुए आधुनिक प्रशिक्षण, नवाचार और उद्योगोन्मुख पाठ्यक्रमों को बढ़ावा दे रही है। यह सफलता सशक्त युवा, समृद्ध छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने ईस्ट ज़ोन प्रतियोगिता में जीते 12 पदकईस्ट जोन की रीजनल प्रतियोगिता का समापन 02 मार्च 2026 को भुवनेश्वर में हुआ, जिसमें ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ एवं अंडमान–निकोबार द्वीपसमूह के 200 से अधिक प्रतिभागियों ने 59 कौशल श्रेणियों में भाग लिया। छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 12 पदक एवं 04 मेडल ऑफ एक्सीलेंस सम्मान अर्जित किए, जिनमें 01 स्वर्ण, 02 रजत, 05 कांस्य पदक तथा 04 मेडल ऑफ एक्सीलेंस शामिल हैं।

डिजिटल इंटरैक्टिव मीडिया में सुनील कुमार पैतल ने स्वर्ण पदक, 3डी डिजिटल गेम आर्ट में खुशांक नायक, सीएनसी मिलिंग में पुष्कर सोनबर एवं सीएनसी टर्निंग में आत्माराम ने रजत पदक अर्जित कर राज्य को गौरवान्वित किया। इसी तरह सीएनसी मिलिंग में निखिल, इलेक्ट्रॉनिक्स में अभिषेक कुमार, प्लंबिंग एवं हीटिंग में रेशमान, वेब टेक्नोलॉजी में सतेंद्र कुमार ने कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया। इसी तरह रेन्यूबल एनर्जी में नोहर लाल पटेल, मेकेनिकल इंजीनियरिंग में ओम बंजारे, हेल्थ एंड सोशल केयर में अंतरा मुखर्जी ने मेडल ऑफ एक्सीलेंस प्राप्त किया।

उल्लेखनीय है कि राज्य में प्रतियोगिता का सफल आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा किया गया। 19 कौशल ट्रेड्स में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 3327 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 381 प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु चयनित हुए। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 03 एवं 04 फरवरी 2026 को रायपुर, दुर्ग एवं रायगढ़ जिलों के प्रतिष्ठित संस्थानों में संपन्न हुई। व्यावहारिक मूल्यांकन के पश्चात 38 प्रतिभागियों का चयन रीजनल स्तर के लिए किया गया। रीजनल स्तर पर सफल प्रतिभागी अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। राज्य में पहली बार कौशल तिहार 2025 एवं मोबाइल आधारित एमसीक्यू परीक्षा जैसे नवाचारों के माध्यम से प्रतियोगिता का व्यापक एवं पारदर्शी संचालन किया गया।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.–6262904444